विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 72 अंक 223 पृष्ठ 12

रीवा, सोमवार 12 मई, 2025

वैशाख शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत् 2082

नगर मूल्य 5 रुपए

पाक को फिर अल्टीमेटम: सेना की चेतावनी, कहा- रात में पाक ने की कोई हरकत, तो तुरंत कार्रवाई तय

अब सीमा पार से एक भी गोली चली तो मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को हुए संघर्ष विराम के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान को फिर चेतावनी दी है कि अगर अब सीमा पार से एक भी गोली चली तो तुरंत और तीखा जवाब दिया जाएगा। यह बात डीजीएमओ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई। कान्फ्रेंस में ऑपरेशन सिंदूर में अब तक की गई कार्रवाई का विवरण सबूतों के साथ रखा। इधर, विदेश मंत्रालय ने कश्मीर पर भारत का रुख साफ करते हुए कहा कि बातचीत में सिर्फ पीओके पर बातचीत होगी। साथ ही विदेश मंत्रालय ने कश्मीर मसले पर किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को नकारते हुए कहा कि कश्मीर भारत का आंतरिक मुद्दा है।

शनिवार शाम को भारत और पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम की घोषणा की गई थी, लेकिन समझौते पर सहमति जताने के ढाई घंटे बाद ही पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन किया। उधर, संघर्ष विराम ऐलान के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत पर पहलगाम को बहाना बनाकर युद्ध की स्थिति पैदा करने समेत कई बेबुनियाद आरोप लगाए और शरीफ ने चीन को भरोसेमंद मित्र बताया है।

ताजा हालात पर सेना ने रविवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें भारतीय सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वायु सेना के डीजी एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती और नौसेना के महानिदेशक नौसेना अभियान (डीजीएनओ) वाइस एडमिरल एएन प्रमोद शामिल थे।

“भारतीय वायुसेना ने सावधानीपूर्वक केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। कोई भी नागरिक हानि नहीं होने दी। पूरी योजना ऐसे बनाई कि महज आतंकी कैंपों पर सटीक वार किया जाएं।

- एयर मार्शल एके भारती
डीजी एयर ऑपरेशंस

“पाकिस्तान ने बीते दिनों ड्रोन और मिसाइलों से सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। लेकिन भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते इन सभी खतरों को नाकाम कर दिया।

- लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई
डीजीएमओ

“आतंकी हमलों के 96 घंटों के भीतर अरब सागर में कई हथियारों से फायरिंग की गई। इस अभ्यास का मकसद चालक दल, उपकरण, और प्लेटफॉर्म की तत्परता सत्यापित करना था।

- वाइस एडमिरल एएन प्रमोद
डीजी, नौसेना

आज होगी भारत-पाक के बीच डीजीएमओ स्तर की बातचीत

संघर्षविराम पर सहमति के तुरंत बाद ही पाकिस्तान ने गोलीबारी और घुसपैठ की कोशिश की थी। भारत ने इस हरकत को गंभीरता से लेते हुए कड़ा ऐतराज जताया है। हालांकि अब 12 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच फिर से बातचीत होगी, जिसमें हालात की समीक्षा और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

पूरी ताकत से जवाब दें: 10-11 मई की रात संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सेना प्रमुख ने स्पष्ट निर्देश दिए कि समझौते के किसी भी उल्लंघन पर सेना पूरी ताकत से जवाब देगी। उन्होंने सेना कमांडरों को पूर्ण अधिकार देते हुए कहा कि किसी भी उल्लंघन पर तुरंत और प्रभावशाली प्रतिक्रिया के लिए स्वतंत्र हैं।

विदेश मंत्रालय ने तीसरे पक्ष की भूमिका को नकारा, कहा - कश्मीर भारत का आंतरिक मुद्दा

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष विराम के बाद भी कूटनीतिक जंग जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम का स्वागत किया, साथ ही कश्मीर के 'हजारों साल' पुराने मुद्दे पर मध्यस्थता का ऑफर दिया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसका स्वागत किया, जबकि भारत ने इस तरह की किसी भी मध्यस्थता के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी के मुताबिक भारत का साफ कहना है कि कश्मीर के मुद्दे पर हमारा रुख साफ है और किसी भी तीसरे पक्ष की दखल स्वीकार नहीं है। पाकिस्तान अगर आतंकियों को सौंपना चाहता है, तो बातचीत के दरवाजे खुले हैं। साथ ही भारत ने स्पष्ट कहा कि सिर्फ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस करने के मुद्दे पर ही बातचीत की जा सकती है। इसके अलावा अन्य मुद्दे पर बातचीत की गुंजाइश नहीं है।

संघर्ष विराम को बताया सुदर साझेदारी: संघर्ष विराम को अमेरिकी प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने 'सुंदर साझेदारी' बताया और दोनों देशों के बीच हुई उच्चस्तरीय बातचीत को सराहा। टैमी ब्रूस ने कहा, 'यह एक जटिल, पीढ़ियों पुराने मुद्दे के लिए महत्वपूर्ण कदम है।'

रूबियो को दी जानकारी: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 1 मई को अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की थी और उन्हें साफ-साफ बताया था कि हम आतंकी ठिकानों पर हमला करेंगे। इसमें कहा गया था कि अगर पाकिस्तान हमला करेगा तो हम मुंहतोड़ जवाब देंगे।

वेंस से पीएम मोदी की बातचीत: विदेश मंत्रालय ने संघर्ष विराम में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भूमिका पर कहा कि वेंस ने फोन करके पीएम मोदी से बात की है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि अगर पाकिस्तान हमला करेंगे तो हम और मजबूती से जवाब देंगे।

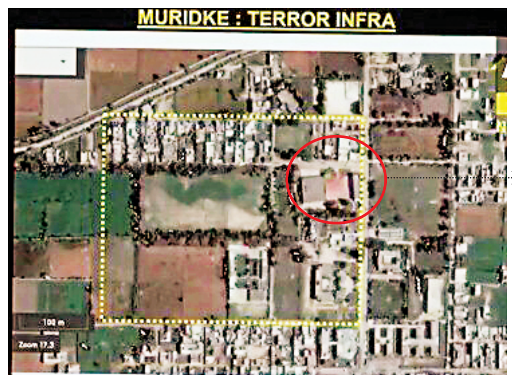

सेना की ओर से नौ आतंकी ठिकानों और पांच पाकिस्तानी एयरबेस की हमले की पहले और बाद की तस्वीरें जारी की गईं। इस तस्वीर में बहावलपुर का आतंकी कैंप लाल घेरे में दिखाई दे रहा है, जिसे तबाह किया गया।

9 आतंकी ठिकाने और 5 एयरबेस किए तबाह

100 आतंकी ढेर, पाक सेना के 40 सैनिक-अफसर मारे

नई दिल्ली, जेएनएन। डीजीएमओ की प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने बताया कि पूरे ऑपरेशन के दौरान 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए गए। इन ठिकानों में मौजूद 100 से अधिक आतंकियों की मौत हुई। इनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदस्सिर अहमद जैसे आतंकी शामिल थे। ये कांधार हाइजैक और पुलवामा हमले से जुड़े थे। पाकिस्तान ने संघर्ष विराम उल्लंघन में नागरिक क्षेत्रों जैसे गुरुद्वारों को भी निशाना बनाया। इसके जवाब में भारत की ओर से पाकिस्तान के एयर बेस को निशाना बनाया, जहां पाक सेना के करीब 30 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए।

सैन्य ठिकानों से एयर डिफेंस सिस्टम तक साधा सटीक निशाना

रविवार को सेना की ओर से पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई की तस्वीरें जारी की गईं। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि, हमने ठिकानों की सटीक पहचान की और इनके सबूत वापस लाने की प्रॉसेस भी सुनिश्चित की। मुरीदके आतंकी कैंप में हवा से सतह पर मार करने वाली चार टारगेटेड मिसाइल से हमला किया और उन्हें तबाह कर दिया गया। मुरीदके के बाद बहावलपुर ट्रेनिंग कैंप में कई इन्फ्रास्ट्रक्चर को चुना, जहां आतंकवाद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था। उसी रात लाहौर और गुजरांवाला स्थित रडार सिस्टम को निशाना बनाया। साथ ही पांच एयरबेस को निशाना बनाया गया।

रहीमयार खान एयरबेस: पाक के पंजाब प्रांत में स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होने की वजह से काफी महत्वपूर्ण।

सरगोधा एयरबेस: मियांवाली जिले में मौजूद यह बेस पाकिस्तान की एयर डिफेंस की रीढ़ माना जाता है। भारतीय हमले में बड़े पैमाने पर मिसाइल और बमबारी से रडार यूनिट्स नष्ट हुईं। बेस पर कई विमानों की भी नुकसान पहुंचा।

चकलाला एयरबेस: पाकिस्तान वायुसेना की लाइफलाइन। इसे नूर खान एयरबेस भी कहते हैं। ज्यादातर वीआईपी मूवमेंट और लॉजिस्टिक्स यहीं से होते हैं।

चुनियांन एयरबेस: पाक एयरफोर्स का प्रमुख ऑपरेशनल एयरबेस। पंजाब के चुनियांन शहर के पास स्थित है। लाहौर से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण में। यह एयरबेस पाक हवाई सुरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पसरूर एयरबेस: पसरूर एयरबेस रडार इंटरसेप्शन और लॉजिस्टिक सपोर्ट में पाक सेना की मदद करता है। भारतीय हमले में बेस का रनवे और डिपो तबाह हो गया था।

कांग्रेस सेवादल ने मार्च पास्ट निकाल कर सेना के शौर्य को किया सलाम

जागरण, सतना। कॉंग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष बरमेंद्र प्रताप सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि ब्लॉक कॉंग्रेस सेवादल उचेहरा की कार्य कारणी का शपथ ग्रहण समारोह ब्लॉक कॉंग्रेस कार्यालय में ब्लॉक कॉंग्रेस सेवादल के अध्यक्ष डा लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा द्वारा आयोजित किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधान सभा नागौद की प्रत्याशी रही डा रश्मि सिंह रही कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉंग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष बरमेंद्र प्रताप सिंह द्वारा की गयी कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ब्लॉक कॉंग्रेस कमेटी उचेहरा के अध्यक्ष लाल बहादुर सिंहए जिला कॉंग्रेस कमेटी के महामंत्री आदित्य प्रताप सिंह नगर पंचयात उचेहरा के पूर्व अध्यक्ष हरीश ताम्रकार रहे । कार्यक्रम में अतिथियों ने सेवादल के संस्थापक डा एन एस हार्डिकर की जयंती पर देश की सुरक्षा, सम्मान, आजादी मे उनके योगदान तथा देश के नव निर्माण में सेवादल की भूमिका पर चर्चा की । इसके बाद ब्लॉक कॉंग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र बाटकर देश सेवा के लिए सेवादल की शपथ दिलाई गई । कार्य क्रम के अंत में संदीपनि स्कूल से गाँधी चौक तक भारतीय सेना के शौर्य के समर्थन में तिरंगा लेकर मार्च पास्ट निकाला गया जिसमें भारतीय सेना जिंदाबादए जीतेगा भाई जीतेगाऋ हिंदुस्तान जीतेगा वन्दे मातरम के गगन भेदी नारे लगाये गए । यात्रा के गाँधी चौक पहुँचने पर राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी को सूत की माला पहनाई गयी सभा को संबोधित करते हुए डा रश्मि सिंह ने कहा कि किसी दूसरे के दबाब में सीज फायर नही किया जाना चाहिए पूरा देश सेना के साथ खड़ा है अब सेना को अपना पूरा कश्मीर भारत में मिला लेना चाहिए । कार्यक्रम का समापन आपरेशन सिंदूर मे शहीद सैनिकों को मौन श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ किया गया। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से डा डी पी प्रजापति, ऋषि पांडेय, बलिराम पटेल, धीरू रजक, गोलू खान, शिवपूजन कुशवाहाए रामदीन रजक, अपसर अली, पुष्पेंद्र रावत, प्रदीप कुमार लोधी, रामनरेश सिंह, सूखेंद्र पांडेय, मनोज कुशवाहा, सूरज रावत, वीरेंद्र कुशवाहा, पवन कुमार चौधरी, रामानुज सिंह, बिहारी कोल, नंदू कुशवाहा उपस्थित रहे।

प्रोत्साहन राशि की घोषणा का परिणाम, 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

सतना। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा के परिणामस्वरूप इस वर्ष लगभग 9 लाख किसानों से 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ था। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों के हित में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिये गये बोनस पर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि गेहूँ के उपार्जन में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि किसानों से उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण भी किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक लगभग 17 हजार 870 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया गया है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की गयी।

लवडेल में समर कैम्प का हुआ आयोजन

जागरण, सतना। द लवडेल सी.से.स्कूल कोठी रोड बगहा में 01 से 10 मई तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बढ.चढ़कर छात्र.छात्राओं अपनी सहभागिता कराई स्कूल के साथ ही अन्य विद्यालयों के छात्र.छात्राओं ने भी इसका लुत्फ उठाया। ग्रीष्मकालीन शिविर मे छात्र.छात्राओं के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में आनन्द के साथ जीवन जीने की कलाए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सिखाई जा रही हैं। यह कैम्प नवीन कौशल को सीखने व जीवन की नई चुनौतियों का सामना करने तथा मोबाइल की दुनिया से दूर जा कर समय का सार्थक उपयोग करने का अनूठा आयोजन है। जिसमें छात्रों को संगीतए नृत्यए कलाए क्रीडा आदि के माध्यम से तन और मन को स्वस्थ रखने का प्रशिक्षण प्रशिक्षित शिक्षको के द्वारा दिया गया। इन गतिविधियों में आर्ट एण्ड क्राफ्टए म्यूजिक में वोकल/ स्ट्रुमेंटल, डांस, बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, कराटे, चेस, कैलीग्राफी, एवं एडवेंचर गतिविधियों में मुख्य आकर्षण का केन्द्र कमांडो नेट,कमांडो क्रासिंग, बर्मा ब्रिज, आर्चरी, गन सूटिंग, ट्राम्पो लाइन,क्राउलिंग, रिवर क्रासिंग, वाल क्लाइमिंग, पोट्रेटी, वाल क्लाइमिंग, जिपलाइन, वाटर रोलर, व्ही सेप ब्रिज, बालर गेम, अलपाइन टेंट, पैडल बोट, डार्ट गेम, बाडी जार्बी गेम इत्यादि रहीं। इस समर के समापन अवसर पर संस्थान के चेयर मैन मृगेंन्द्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि समर कैंप के माध्यम से बच्चों में जीवन कौशल विकसित कर उन्हें आत्मनिर्भर और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का एक अनुपम प्रयास है।

अखाड़े में नृसिंह जयंती मनाई गई

जागरण, सतना। बड़े ही उल्लास और उत्साह के साथ प्राचीन अखाड़े में भगवान नृसिंह की जयंती सरवाकार महंत धर्मदास महाराज की उपस्थिति में मनाई गई इस अवसर पर सुबह पूजन ,हवन पश्चात ब्राह्मण भोजन उपरांत भंडारे की शुरुआत हुई जिसमें नगर सहित ग्रामीण अंचल के हजारो भक्तो ने नृसिंह भगवान का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर जानकी रमन अखाड़ा से पूज्यपाद सन्त बालक दास महाराज ,डाली बाबा सतना के पूज्य पीयूष दास महाराज रामदरबार के अभिराम दास महाराज का भक्त गणो को अच्छा सानिध्य मिला। इस अवसर पर कंछेदी लाल ,नीरज ताम्रकार, गुलाबपाल वरिष्ट अधिवक्ता ओ पी खरे, संतोष ताम्रकार , युवराज समदरिया ,बगान सोनी, राजा राम अवधिया समाजसेवी गणेश चच्चे, पुरुषोत्तम ताम्रकार उपाध्यक्ष मनोज शर्मा,अन्नू शुक्ला , डॉ सुशील गुप्ता सहित हजारों भक्त उक्त आयोजन में शामिल हो भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया । इस अवसर पर अखाड़े के उत्तराधिकारी संत गणेश दास भी अपने सहयोगी के साथ उपस्थित रहे।महिला मंडल से तृप्ती ताम्रकार सहित क्ष्रेत्र की काफी संख्या में महिलाये उपस्थित रही ।

मातृ शक्तियों को सम्मानित कर समर कैम्प का समापन

जागरण, सतना। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विद्यालय कृष्णनगर सतना में मातृ दिवस के अवसर पर महिला प्रभाग एव ब्रह्माकुमारी द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समर कैंप में पार्टीसिपेट कर रहे बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से माताओं के विशेष गुणों और उनके जीवन मे माताओं की विशेष भूमिका के विषय मे कविताए नृत्य प्रस्तुत किया और माताओं के आभर व्यक्त किया।आयोजित कार्यक्रम में 6 दिवसीय समर कैंप का समापन हुआएजिसमें कृष्ण नगर सतना की मुख्य संचालिका भोपाल ज़ोन प्रभारी आयरन क्वीन राजयोगिनी डॉ रानी दीदी ने विश्वकल्याण में मात्रशक्तियों की विशेष भूमिका के विषय मे मार्गदर्शन देते हुए बताया कि माताएं घरों को स्वर्ग बनाने का विशेष कार्य करती हैं साथ ही फाइटर जेट उड़ा कर देश की रक्षा करने का भी जिगर रखती हैं।वहीं बच्चों को मांसाहार से हो रहे नुकसान के विषय मे विस्तार से बताया और मांसाहार ना करने सपथ दिलाई आयोजित कार्यक्रम में भोपाल ज़ोन के मंडदीप से अपने विचारों को रखने पधारे 1994 से ज्ञान मार्ग पर चल रहे भाई बीके भगवान के साथ बी के रूबी बीके मीना बीके शिवम बीके शुभम बीके प्रकाश संदीप गुप्ता के साथ सम्मनित माताएं और समर कैंप के नन्हे मुन्ने बच्चे उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि अर्पित कर व्यक्त की शोक संवेदना

सतना। सांसद गणेश सिंह ने रविवार को प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित की। जैतवारा में पदस्थ रहे प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग का दिल्ली में इलाज के दौरान दुर्भाग्यवश निधन हो गया। वार्ड क्रमांक 30 महदेवा में स्व प्रिंस गर्ग के निवास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। ईश्वर से पुण्यआत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करे प्रार्थना की। शोकाकुल परिवार को ढांढस देते हुए का कि इस विकट दुरूख को सहने की शक्ति प्रदान करे। अमरपाटन में रमेश शुक्ला के पिता अंगत शुक्ला को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को ढांढस बंधाया। मैहर जिला उपाध्यक्ष जितेन्द्र पटेल की माता के निधन उपरांध घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की।

आरोहण वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

जागरण, सतना। शनिवार 10 मई को करही सतना स्थित श्री रामाकृष्णा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन टेक्निकल विंग में आरोहण अचीवर्स अवार्ड सेरेमनी आयोजित हुई। समारोह का आयोजन कॉर्डिनेटर असिस्टेंट प्रोफेसर एमबीए जितेंद्र द्विवेदी असिस्टेंट प्रोफेसर सुशांत सक्सेना के निर्देशन में हुआ। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य अकादमिक और खेल के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करना था। पुरस्कार वितरण हेतु संस्था प्रमुख शम्मी पुरी, डायरेक्टर शाश्वत पुरी, प्रिंसिपल ,एचपीएस डॉ हिमानी सिंह, डायरेक्टर टेक्निकल विंग डॉ अग्निवेश अग्निहोत्री, एकेडमिक डायरेक्टर शुभी खरे विशेष रूप से उपस्थित रहें। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ तत्पश्चात एमबीए स्टूडेंट प्रियंका कुशवाहा ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी। स्वागत भाषण में टेक्निकल विंग डायरेक्टर डॉ अग्निवेश अग्निहोत्री ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए इस तरह के कार्यक्रमों को भविष्य में भी आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने छात्रों को प्रोत्साहित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

डायरेक्टर ने विद्यार्थियों को बताई मेहनत व समर्पण की महत्ता : डायरेक्टर शाश्वत पुरी ने ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को मेहनत और समर्पण की महत्ता समझाई और महाविद्यालय के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। एकेडमिक पुरस्कारों में कुल इंजीनियरिंग फार्मेसी और एमबीए से कुल 46 विद्यार्थियों को सेमेस्टर टॉपर और बेस्ट अटेंडेंस अवॉर्ड दिया गया। वहीं दूसरी ओर स्पोट्र्स के लिए कुल 79 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने क्रिकेट, वॉलीबॉल, खो-खो, मलखंभ, फाइन आट्र्स, ड्रॉप रो बॉल, बास्केटबॉल जैसे खेलो में स्टेट और नेशनल लेवल पर कीर्तिमान रचे हैं। एकेडमिक डायरेक्टर शुभी खरे ने अवगत कराया कि स्टेट लेवल पर हमारी संस्था ने बीते दो सालों में 80 स्टेट लेवल और 12 नेशनल केवल खिलाड़ी दिए हैं। इसके बाद साल के सबसे बड़े स्टूडेंट अवॉर्ड स्टूडेंट ऑफ द ईयर की घोषणा की गई। जिसमें इंजीनियरिंग से प्रिंस शुक्ला फार्मेसी से ज्योति उपाध्याय और एमबीए से प्रियंका कुशवाहा पुरस्कृत किए गए। डॉ हिमानी सिंह ने एंप्लॉई अवॉर्ड की जानकारी प्रदान की। जिसमें बेस्ट अटेंडेंस टीचिंग एमबीए से पलाश गुप्ताए बेस्ट अटेंडेंस;नॉन टीचिंगद्ध रमाकांत सोनीए इमर्जिंग एंप्लॉई ऑफ द ईयर अवॉर्ड डॉ केके सेन और एंप्लॉई ऑफ द ईयर अवॉर्ड में विमल तिवारी और विपिन सिंह बघेल पुरस्कृत हुएं।

सेवा ऐसी करो भगवान स्वयं दर्शन देने आए : स्वामी ईश्वर दास

सतना। श्री धामा आश्रम में पिछले सात दिन से महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में चल रहे श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का विश्राम स्वामी जी संत समाज एवं ब्राह्मण समाज वं कथा वाचक पंडित अशोक बाजपेयी की गरिमामय उपस्थिति में हर्षोल्लास पूर्वक हुआ समापन अवसर के पूर्व आश्रम में प्रातः से ही आनेको अनेक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें अनेको परिवार उपस्थित होकर यज्ञ हवन में शामिल होकर यज्ञ हवन में आहुति दी एवं सत्संग का लाभ लिया प्रातः सत्संग में स्वामी ईश्वरदास उदासीन ने सेवा का भाव बताते हुए कहा सेवा ऐसी करनी चाहिए जिस प्रकार सबरी सेवा में लगी रही अनेकों बार दुत्कार मिलने के बाद भी वह सेवा में लगी रही और भगवान श्रीराम को स्वयं दर्शन देने आना पड़ा सेवा सत्संग सिमरन इससे ज्यादा मानव को और क्या चाहिए संत सामानाराम कामदार भाई प्रह्लाद ने भी कथा का श्रवण किया आश्रम के सेवाधारी विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कथा समापन पर दोपहर 12 से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।

भारतीय सेना में शामिल हों
JOIN INDIAN ARMY AS AN OFFICER
www.joinindianarmy.nic.in

अधिकारी प्रविष्टियां

10+2 टी ई एस - 54 कोर्स (जनवरी 2026) के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाते हैं। ऑनलाइन आवेदन www.joinindianarmy.nic.in पर 13 मई 2025 से 12 जून 2025 तक खुले हैं। टी ई एस - 54 कोर्स के लिये JEE Mains 2025 अनिवार्य है। यह कक्षा 12वीं में पी सी एम (भौतिकी रसायन और गणित) में न्यूनतम 60% अंकों के मापदंड के अतिरिक्त है।

COMMISSIONED OFFICER

Applications are invited for 10+2 TES-54 course (Jan 2026). Online applications will open on **www.joinindianarmy.nic.in** from **13 May 2025** to **12 Jun 2025**. Appearance in JEE (Mains) 2025 is mandatory for TES-54 Course. This is in addition to the criteria of minimum 60% marks in PCM (Physics, Chemistry and Mathematics) in Class 12th.

नोट :
1. सेना में भर्ती पूर्णतया पारदर्शी और मुफ्त है। दलालों से सावधान रहें।
2. विस्तृत नोटिफिकेशन के लिए, कृपया www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।

Note :
1. Recruitment in the Army is totally transparent and free. Beware of touts.
2. For detailed Notification, visit www.joinindianarmy.nic.in

CBC 10601/11/0014/2526

सीएम राइज स्कूल में समर कैंप का हो रहा आयोजन

जागरण, उचेहरा। आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग भोपाल के निर्देशानुसार सीएम राइज स्कूल उचेहरा में निःशुल्क समर कैंप का आयोजन 1 मई से 20 मई तक किया जा रहा है। निःशुल्क रूप से विद्यार्थी हिस्सा ले सकते इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ.साथ सह शैक्षणिक गतिविधियों में भी निपुण हो सके । 20 दिन तक चलने वाले शिविर में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 10 बजे तक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार इस शमर कैम्प में स्पोर्टस योगा फुटबॉल बालीबॉल, खो-खो, बैटमिंटन संगीत ड्राइंगि पेन्टिंग, डान्स पर्यावरण संरक्षण , लोक नृत्य आदि की कला से बच्चों की भावना को जागृत करना और बौद्धिक क्षमता का विकास के अलावा सृजनात्मक कार्यक्रम का प्रशिक्षण देकर छात्र छात्राओ को प्रेरित किया जा रहा है इस प्रशिक्षण शिविर में करीब 100 छात्र छात्रा प्रतिदिन प्रशिक्षित हो रहे हैं। पीटीआई शिक्षक रचना सिंह ने उम्मीद जताई है कि शमर कैम्प से बच्चे पढ़ाई के साथ अन्य विद्याओं में भी निपुण हो सकते है। शिवेन्द्र सिंह राहूल साहू , तरुण मिश्रा संगीत टीचर , रीनू केवट सीनीयर राष्ट्रीय खिलाडी नीरज निगम, आदि शिक्षको के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

(आयुषी गुप्ता उपाध्याय)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
मैहर जिला सतना म.प्र.
Presiding Officer : श्रीमंती आयुषी गुप्ता उपाध्याय
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000062/2021)
राकेश पाण्डेय .... वादी
Vs
कोदू लाल .... प्रतिवादी
Process Id-/2025
पेशी दिनांकः 19/06/2025

प्रेषिती
(1) कोदू लाल पिता स्व. अनुसुइया प्रसाद पयासी पता - खैरवाकला थाना व तहसील मैहर जिला मैहर म.प्र.

यह कि प्रार्थी राकेश पाण्डेय ने आपके विरुद्ध सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के लिए वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद ने संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करे और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदाबा आधारित हो और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावे। यह आज तारीख 25 मार्च 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। 1. यदि किसी कारणवश उक तिथि को न्यायालय अपर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई ने लिया जायेगा।

न्यायालय की मुद्रा
(आयुषी गुप्ता उपाध्याय)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
मैहर जिला सतना म.प्र.

वर्ष 72 अंक 223 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 12 मई, 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
पूरी दुनिया में इतना अंधकार नहीं है कि वह एक दीपक के प्रकाश को मिटा सके।

बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

अशोकनगर में आंधी-तूफान के साथ ओले गिरे

खरगोन में आधा इंच बारिश, भोपाल के कोलार में बरसा पानी, बाकी शहर रहा सूखा, 14 मई के बाद बदलेगा मौसम, बढ़ेगा पारा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्री-मानसून एक्टिविटी मप्र के कई जिलों में निरंतर जारी है। बीते 24 घंटे में प्रदेश के सात जिलों में बारिश दर्ज की गई है। इसमें सबसे अधिक बारिश पचमढ़ी में हुई। यहां 30 मिली मीटर यानी सवा इंच बारिश रिकार्ड की गई है। इसके अलावा सिवनी, मंडला, खजुराहो, बैतूल, ग्वालियर और उज्जैन में भी छिटपुट बारिश दर्ज की गई। रविवार दोपहर के बाद बदले मौसम के कारण कई जिलों में तेज आंधी तूफान आया। अशोक नगर में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके बाद यहां ओले और बारिश हुई। खरगोन में एक घंटे में 16 एमएम यानी सवा इंच पानी गिरा। मंदसौर व उज्जैन में भी पानी गिरा है। अशोक नगर में हवा ने कई घरों में नुकसान पहुंचाया, कहीं टीन शेड उड़ गए तो कहीं पेड़ गिरने की सूचना है।

दूसरी ओर, रविवार को प्रदेश के कई शहरों में तेज गर्मी का असर भी देखा गया। खजुराहो में तापमान सबसे ज्यादा 42 डिग्री रहा। वहीं, सतना में 40.8, रीवा में 40.4, दमोह में 40.2 और सागर में 40 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भोपाल में 38.4, इंदौर में 35.9, ग्वालियर में 39.6, उज्जैन में 37.5 और जबलपुर में 39.2 डिग्री तापमान रहा।

पश्चिमी मप्र में बढ़ी गर्मी

रविवार को जहां पूर्वी मप्र में बारिश हो रही थी, वहीं पश्चिमी मप्र में सूरज आग उगल रहा था। बुंदेलखंड के कई जिलों में पारा 40 डिग्री से ऊपर निकल गया। मौसम केंद्र भोपाल के ड्यूटी अफसर वीरेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि रविवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान खजुराहो में रहा, यहां दिन का अधिकतम तापमान 42 डिग्री पहुंच गया। इसके बाद सतना में 40.8, रीवा में 40.4, दमोह में 40.2 डिग्री तापमान रहा।

आज इन जिलों में आंधी-तूफान का अलर्ट

भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा।

देश के 22 राज्यों में आज के लिए आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। देश के 22 राच्यों में सोमवार के लिए आंधी-बारिश और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवाएं 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। बुधवार से मौसम एक बार फिर बदलेगा और गर्मी पड़ेगी।

मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि देश की राजधानी दिल्ली को फिलहाल गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। उधर, रविवार को राजस्थान के कोट, भरतपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश हुई। असम, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से भी गारिश की खबर है। सोमवार के लिए जिन 22 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है, उनमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भी शामिल हैं।

ऑफ बीट

डेडमैंस द्वीप पर हर तरफ बिखरे हैं कंकाल

दुनिया में अलग-अलग जगहों को अपनी-अपनी खासियतों के लिए जाना जाता है। कुछ जगहें प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। कुछ जगहों को रोचक इतिहास के लिए जाना जाता है। लेकिन डेडमैंस आइलैंड को उसके डर के कारण पहचान मिली है। इस द्वीप पर 18वीं से 19वीं सदी के बीच एक ऐसी घटना घटी, जिसके सबूत आज भी देखने को मिलते हैं। वहां पर पत्थर की तरह इंसानों की हड्डियां और दांत बिखरे पड़े हैं। इसकी वजह से इसे डेडमैंस आइलैंड यानी मुर्दों का द्वीप कहते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 200 सालों में इस स्थान पर कोई भी नहीं गया है। इसकी वजह यह है कि यहां पर कंकालों, हड्डियों और इंसानी अवशेषों के अलावा कुछ भी नहीं है। यह मुर्दों का द्वीप लंदन से 40 मील की दूरी पर स्थित है। इस द्वीप पर कैदियों को दफनाया जाता था। इस द्वीप पर 200 सालों तक कैदियों के जहाज आते थे और उन्हें यहां पर मरने के लिए छोड़ दिया जाता था। उनके शरीर यहां पर धीरे-धीरे खत्म हे गए और उनकी हड्डियां और दांत बिखरे मिलते हैं।

आपराधिक मामलों के निराकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिया हाईकोर्ट को सुझाव

कम सजा वाले मुकदमों की सुनवाई में तेजी लाएं

नई दिल्ली, जेएनएन। यह देखते हुए कि देश के हाईकोर्ट में 7.24 लाख से अधिक आपराधिक अपीलें लंबित हैं, सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट से अनुरोध किया है कि वे लंबित मुकदमे निपटाने के लिए एआई का इस्तेमाल करें। कोर्ट ने कहा, 22 मार्च, 2025 तक, आपराधिक अपीलों (दोषसिद्धि और बरी होने के खिलाफ अपील) की कुल लंबित अपील 7,24,192 है। यह एक बड़ी समस्या है। इसका मतलब यह है कि अदालतें न्याय नहीं कर पा रही है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने दोषियों को जमानत देने के लिए एक कुशल ढांचा विकसित करने के लिए भी हाईकोट से कहा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट को आमतौर पर निश्चित अवधि की सजा के मामलों में अगर आरोपी लंबे समय से जेल में बंद है, तो उसकी रिहाई कर देनी चाहिए। बता दें कि देश के हाईकोर्टों में सबसे ज्यादा मामले जमानतों के लंबित हैं। निचली अदालतें आरोपियों की जमानत खारिज कर देती हैं। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचता है, जहां छोटे-छोटे मामलों में भी जमानत मिलना कठिन होता है। कई बार तो चार-

पांच महीने मुकदमे के सुनवाई पर लगने में लग जाते हैं। ऐसा उन लोगों के साथ भी होता है, जो बहुत छोटे अपराधों के मामलों में जेल में बंद होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह स्थिति ठीक नहीं है। क्राइम के लिए निर्धारित सजा से ज्यादा दिन अगर कोई आरोपी जेल में गुजार रहा है, तो इसका मतलब है कि उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है।

ये सुझाव दिए

- हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जाए।
- जिन मामलों में संभव हो, उनकी सुनवाई वीडियो के जरिए की जाए।
- ट्रायल कोर्टों को गुणदोष के आधार पर जमानत देने के लिए प्रेरित करें।
- दोषसिद्धि के खिलाफ दायर अपीलों को प्राथमिकता के आधार पर सुनें।

ऑपरेशन सिंदूर के व्यापारिक उपयोग के खिलाफ याचिका

कुछ लोग ऑपरेशन सिंदूर के व्यापारिक उपयोग के चक्कर में हैं। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि ऑपरेशन सिंदूर के नाम का व्यावसायिक दोहन रोकने का निर्देश सरकार को दिया जाए। याचिका में कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर से देश के लोगों, देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों और बीते 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की भी भावनाएं जुड़ी हैं। ऑपरेशन सिंदूर उन सैनिकों के बलिदान का प्रतीक है जिन्होंने पाकिस्तान की ओर से फैलाए गए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान दी है।

संघर्ष विराम की घोषणा के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ट्रॉल

युद्ध समर्थकों ने बेटी पर भी कीं अभद्र टिप्पणियां

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी को अपना एक्स अकाउंट प्राइवेट करना पड़ा। इसका मतलब है कि अब केवल वेरिफाइड यूजर्स ही उनका अकाउंट देख सकेंगे या उनके पोस्ट्स पर कोई कमेंट कर सकेंगे।

दरअसल, 10 मई को भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर के ऐलान के बाद कई यूजर्स उनके पोस्ट्स पर ऑनलाइन एब्यूज किया। यहां तक कि उनके परिवार और बेटी पर अभद्र कमेंट किए गए। यह सब उन लोगों ने किया जो भारत और पाकिस्तान के युद्ध के समर्थक थे। जब लगातार ट्रोलिंग होने लगी और इससे मिसरी परेशान हो उठे तो उन्होंने अपने एक्स अकाउंट को प्राइवेट कर दिया। हालांकि, सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के दौरान कुछ यूजर्स ने उनका पक्ष भी लिया। यहां तक मांग की कि सीनियर अफसर को पर्सनल लेवल पर ट्रोल करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन मिसरी का पक्ष लेने वाले यूजर कम ही थे। बता दें कि शनिवार को विक्रम मिसरी ने प्रेस ब्रीफिंग में भारत और पकिस्तान के बीच सीजफायर की जानकारी दी थी। इसके कुछ ही घंटे बाद मिसरी को ट्रोल किया जाने लगा था।

संक्षिप्त खबरें

16 या 17 से फिर शुरू हो सकता है आईपीएल

नई दिल्ली, जेएनएन। आईपीएल 2025 को लेकर बीसीसीआई नई तारीखों के ऐलान का प्लान बना रहा है। उससे पहले कहा जा रहा है कि मौजूदा सीजन के बचे हुए 16 मैच 16 या 17 मई से खेले जा सकते हैं। प्लेऑफ-1 और 2 के साथ एलिमिनेटर मैच पहले से तय क्रिकेट वेन्यू पर ही खेले जा सकते हैं। बता दें कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच 9 मई को बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए स्थागित कर दिया था। बाद में भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने से आईपीएल को फिर से शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। आईपीएल के मौजूदा सीजन में अभी कुल 16 मुकाबले (12 लीग, 2 प्लेऑफ, 1 एलिमिनेटर और फाइनल) बचे हुए हैं। ये मैच 16 या 17 मई से खेले जा सकते हैं।

संसद का विशेष सत्र बुलाने राहुल का पीएम को पत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-पाक तनाव पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इसके लिए राहुल ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि माननीय नरेन्द्र मोदी जी, मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। संसद में पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और संघर्ष विराम पर चर्चा करना बहुत जरूरी है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर होगा।

दमोह: ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति और बेटी की मौत

हादसे के बाद ट्रक छोड़कर फरार हुआ चालक

जागरण, दमोह। प्रदेश के दमोह में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। सड़क हादसे में बेटी के सामने माता-पिता की मौत हो गई। घायल बेटी ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिवार शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर वापस लौट रहा था, लेकिन रास्ते में एक ट्रक ने बाइक सवार परिवार को चपेट में ले लिया। दुर्घटना स्थल के पास ही सड़क किनारे बाइक सवार का हेलमेट भी पड़ा हुआ था। बाइक सवार यदि हेलमेट हैंडल पर टांगने की बजाय पहने होते तो ट्रक से टक्कर के बाद सर में गंभीर चोट लगने से बच जाते। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों के भीड़ एकत्रित हो गई।

डबरा में देवर-भाभी की मौत

ग्वालियर जिले के डबरा में एक हादसे में बाइक सवार देवर भाभी की मौत हो गई। दुर्घटना गिजौर्रा थाना क्षेत्र की है। अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार देवर भाभी की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक सवार देवर और भाभी शादी समारोह से अपने गांव किरोल जा रहे थे। हादसे के बाद दोनों को गंभीर हालत में सिविल हॉस्पिटल डबरा ले जाया गया। देवर कन्हैया लाल बघेल की डबरा में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं उनकी भाभी ममता बघेल ने ग्वालियर ले जाते समय रस्ते में दम तोड़ दिया। हादसा देवगढ़ और कीरोल गांव के बीच हुआ है। पुलिस मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

नाइट्रोजन जार में गिरने से बच्ची की मौत, माता-पिता ने दान की आंखें

खुजनेर में रिश्तेदार के यहां शादी में आई थी सात साल की मासूम

जागरण, राजगढ़। दूल्हा-दुल्हन की एंट्री के दौरान पूरे पंडाल में धुआं-धुआं करने में इस्तेमाल होने वाली नाइट्रोजन गैस कितनी खतरनाक है, यह खुजनेर में हो रही शादी में सामने आया, जब सात साल की एक बच्ची की मौत नाइट्रोजन से भरे बढ़े जार में गिरने से मौत हो गई। इससे बच्ची का शरीर 80 फीसदी से ज्यादा झुलस गया था। परिवार ने बच्ची के निधन के बाद उसकी आंखें दान कर दीं, ताकि उनकी बच्ची किसी ओर की जिंदगी में रोशनी भर सके।

हादसा राजगढ़ के खुजनेर में हुआ। बाढ़गांव निवासी वाहिनी गुप्ता अपने पिता राजेश और परिवार के साथ रिश्तेदार की शादी में यहां पहुंची थी। शादी समारोह के दौरान बच्ची खेलते-खेलते नाइट्रोजन से भरे जार में गिर गई। यह नाइट्रोजन गैस का लिक्विड दूल्हा-दुल्हन की एंट्री के समय स्टेज तक धुआं करने के लिए इवेंट कंपनी लेकर आई थी। नाइट्रोजन गैस का यह लिक्विड काफी ठंडा होता है, इसका तापमान माइनस 196 डिग्री रहता है। यही ठंडक पूरे शरीर को बुरी तरह जला देती है। जार में गिरने के बाद बच्ची को न कोई चोट आई और न कोई फर्क पड़ा, लेकिन जब वह खड़ी हुई तो पूरा शरीर झुलसा हुआ था। उसके मुंह में भी बड़े-बड़े छाले आ गए थे। माना जा रहा है कि नाइट्रोजन उसके मुंह में चला गया। परिजन बच्ची को लेकर स्थानीय अस्पताल गए, जहां से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। लेकिन बचाया नहीं जा सका।

वाहिनी गुप्ता (7)

परिवार ने पेश की अच्छी मिसाल

अपनी बच्ची की असमय मौत से गम में डूबे परिवार ने इस दौरान भी अपनी सोच से समाज के सामने अच्छी मिसाल कायम की है। सात साल की वाहिनी की मौत के बाद परिजनों ने उसकी आंखें दान करने का फैसला किया, ताकि मासूम की आंखें किसी और की जिंदगी में उजाला कर सकें।

आज बुद्ध-पूर्णिमा, प्रदेश में रहेगी बैंकों की छुट्टी

नई दिल्ली, जेएनएन। सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर मध्यप्रदेश में बैंकों की छुट्टी रहेगी। इसके साथ ही त्रिपुरा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, झारखंड और हिमाचल प्रदेश में भी बैंक नहीं खुलेंगे। ये छुट्टी सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के बैंकों पर लागू होगी। दक्षिण भारत के राज्यों में एच्छिक अवकाश रखा गया है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार गुजरात और महाराष्ट्र में भी बैंक अपने स्तर पर छुट्टी रखने या न रखने का फैसला ले सकेंगे। उधर, दिल्ली, गोवा और पंजाब में बैंक खुले रहेंगे। बता दें कि बुद्ध पूर्णिमा भगवान गौतम बुद्ध की जयंती के तौर पर मनाई जाती है। इस दिन कई राज्यों में अवकाश रखा जाता है। ऐसे राज्यों में मध्यप्रदेश भी शामिल है, जहां बुद्ध पूर्णिमा पर अवकाश होता है।

सामरिक क्षमता | राजनाथ सिंह ने लखनऊ में किया सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की निर्माण इकाई का उद्घाटन

हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलों का होगा उत्पादन

लखनऊ, जेएनएन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। यह 300 करोड़ रुपए की इकाई हर साल 80 से 100 ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन की क्षमता रखती है।

इस अवसर पर राजनाथ ने ब्रह्मोस की ताकत बताते हुए कहा, यह दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है। लेकिन ब्रह्मोस सिर्फ एक हथियार नहीं है, यह अपने आप में एक संदेश है, हमारी सशस्त्र सेनाओं की शक्ति का, हमारे दुश्मनों के प्रति हमारे प्रतिरोध का और हमारी सीमाओं की रक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का।

राजनाथ ने इस अवसर पर डीआरडीओ, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इस प्रोजेक्ट से जुड़े हर व्यक्ति व संस्था को बधाई दी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार जब उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर के विजन को लेकर आगे बढ़ी थी, तो उस समय हमारे सामने अनेक बड़े लक्ष्य थे। उन तमाम लक्ष्यों में से हमारा एक उद्देश्य यह भी था कि हम उत्तर प्रदेश को एक बार फिर देश के प्रोडक्शन सेंटर के रूप में विकसित करें। यूपी डिफेंस कॉरिडोर लखनऊ सहित, कानपुर, झांसी, चित्रकूट, आगरा और अलीगढ़ से होकर गुजरता है और ये सभी नोड्स आने वाले समय में विकास के नए केंद्र बनकर उभरेंगे।

ब्रह्मोस मिसाइल की विशेषताएं

- यह दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो तीन से चार मिनट में अपना लक्ष्य ध्वस्त कर देती है।
- ब्रह्मोस की मारक क्षमता 290-400 किलोमीटर और गति मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) है।
- मिसाइल जमीन, हवा और समुद्र से लॉन्च की जा सकती है और फायर एंड फॉरगेट सिद्धांत पर काम करती है।
- यह दुश्मन के रडार से बचने में सक्षम है। हालांकि, चीन और अमेरिका के पास इसे कैच करने वाले रडार मौजूद हैं।
- दो-दो सेकंड के अंतराल पर एक लॉन्चर से एक बार में तीन मिसाइलों को अलग-अगल दिशा में दागा जा सकता है।
- मिसाइल इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और होमिंग रडार सीकर से लैस, जिससे लक्ष्य की पहचान आसान हो जाती है।
- अगर इसे किसी दूसरी मिसाइल को मार गिराने के लिए लॉन्च किया जाता है, तो यह लक्ष्य के हिसाब से सेटिल होती है।

साढ़े 3 साल में तैयार हुई यूनिट

ब्रह्मोस यूनिट लखनऊ से 30 किलोमीटर दूर भटगांव में है। यह यूनिट ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने 300 करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है। इससे 3000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके लिए 2021 में 80 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई थी। 26 दिसंबर 2021 को रक्षा मंत्री ने प्लांट का शिलान्यास किया था। सिर्फ साढ़े 3 साल में यह यूनिट बनकर तैयार हो गई। यह डीआरडीओ और रूस की सरकारी कंपनी एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया का संयुक्त उद्यम है। इसमें भारत की 50.5 और रूस की 49.5 हिस्सेदारी है।

सीजेआई बनने के बाद कोई भी पद आकर्षित नहीं कर सकता

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने रिटायर होने के बाद राजनीति में जाने से इंकार किया है। उन्होंने कहा- सीरजेआई के पद पर रहने के बाद व्यक्ति को कोई जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए। रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने ये बात कही।

अगले सीजेआई जस्टिस गवई का राजनीति में जाने से इंकार

जस्टिस गवई ने केशवानंद भारती मामले में दिए फैसले का हवाला देते हुए अपने बौद्ध धर्म, हाईकोर्ट के जजों के लिए संपत्ति घोषणा के महत्व और संविधान की सर्वोच्चता की भी बात की। उन्होंने कहा- पहलगाम आतंकी हमले के दौरान सीजेआई संजीव खन्ना देश में नहीं थे, इसलिए मैंने उनसे परमिशन लेकर कम्प्लीट कोर्ट बुलाई। हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए कोर्ट में दो मिनट का मौन रखने की घोषणा की गई।

बता दें कि भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना 13 मई को रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस बीआर गवई के नाम की आधिकारिक सिफारिश की थी। 29 अप्रैल को राष्ट्रपति ने गवई के नाम पर मुहर लगाई। वे 14 मई को शपथ लेकर देश के 52वें सीजेआई बनेंगे। जस्टिस गवई ने कहा कि देश का सीजेआई बनने के बाद ऐसा कोई पद नहीं होता तो आकर्षित करे। मैं रिटायर होने के बाद कोई पद नहीं लूंगा। जस्टिस गवई ने कहा- युद्ध किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है। इस देश के नागरिक होने के नाते हम सभी इस पूरी स्थिति को लेकर समान रूप से चिंतित थे। अब युद्ध विराम हो गया है, ये अच्छा कदम है।

संघ आंदोलित करता है, विचारों में क्रांति लाता है : धीरेंद्र शास्त्री

छतरपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिक्षा वर्ग का शुभारंभ

जागरण, छतरपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) महाकौशल प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन आज सिंचाई कॉलोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ। उद्घाटन समारोह में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, वर्ग सर्वाधिकारी नागेंद्र बहादुर सिंह और महाकौशल प्रांत के प्रांत प्रचारक बृजकांत उपस्थित रहे। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, संघ के लोग आंदोलन नहीं, बल्कि आंदोलित करते हैं। संघ की परंपरा में कठोरता और अनुशासन है, जो विचारों में क्रांति लाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि 15 दिनों के इस वर्ग में सीखे गए कार्यों को अपने पड़ोसियों और मित्रों तक पहुंचाएं, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव आए। उन्होंने क्षेत्रवाद, भाषावाद और जातिवाद को मूल समस्या बताते हुए इन पर काम करने की जरूरत पर जोर दिया। शास्त्री ने सफलता का मंत्र देते हुए कहा, बातों से नहीं, रातों से सफलता मिलती है। ब्रह्म मुहूर्त से पहले जागकर कड़ी मेहनत ही हमें सफल बनाएगी। वहीं प्रांत प्रचारक बृजकांत ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग सामूहिक साधना का प्रतीक है। उन्होंने संघ की शताब्दी वर्ष की यात्रा को चार चरणों में रेखांकित किया। संगठन निर्माण, समाज जीवन में विस्तार, सामाजिक आंदोलन और गतिविधियों का संचालन। उन्होंने कहा, संघ का विचार नित्य नूतन और चिर पुरातन है। सामूहिकता ही संघ की पहचान है। साधना से शक्ति मिलती है, जो समाज की विषमताओं को दूर करती है। परिवर्तन क्रांति से नहीं, संक्रांति से होता है, जो विचारों को बदलता है।

भगवान नरसिंह जयंती पर हुआ भव्य प्रकटोत्सव का आयोजन

छतरपुर। शहर के प्राचीन नरसिंह मंदिर में भगवान नरसिंह की जयंती के उपलक्ष्य में प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान नरसिंह का दूध-दही से अभिषेक किया गया, अखंड रामायण पाठ हुआ और पालकी में सवार भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जयंती के एक दिन पहले मंदिर में अखंड रामायण पाठ शुरू हुआ था, जो रविवार को पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। सुबह भगवान नरसिंह का अभिषेक किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद भगवान की पालकी शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। भक्त बृज किशोर मिश्रा ने बताया कि यह मंदिर प्राचीन है और हर वर्ष प्रकट उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। सुबह शोभायात्रा निकाली गई और शाम को मंदिर में विशेष कार्यक्रम हुए। भाजपा नेता पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन भव्य तरीके से किया गया। अखंड रामचरित मानस पाठ, भगवान का अभिषेक, नगर भ्रमण और भंडारे का कार्यक्रम हुआ। मंदिर समिति की ओर से सुरेंद्र महाराज ने बताया कि परंपरा के अनुसार यह आयोजन किया जा रहा है। कल रामायण बैठकी हुई थी, आज दूध-दही से अभिषेक हुआ और शोभायात्रा निकली और शाम को प्रसाद वितरण हुआ। आयोजन में वीरेंद्र महाराज, बृज किशोर मिश्रा, रविकांत महाराज, सुरेंद्र महाराज, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, भैया पाठक, अंबुज चांसोरिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

जिले के विभिन्न स्थानों में न्याय पथ अभियान के तहत

25 वर्ष तक के पुराने फरार इनामी आरोपी किए गए गिरफ्तार

छतरपुर। थाना नौगांव पुलिस ने ग्राम गरौंली में पृथक पृथक घरों में 7 वर्ष पूर्व के चोरी के 2 प्रकरण में लिप्त आरोपी राजेश गौड़ पिता भुजलाल उर्फ भुजऊ गौड़ निवासी दुबहा थाना सिमरिया जिला रीवा को गिरफ्तार किया। थाना नौगांव पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के प्रकरण के फरार आरोपी अखिलेश उर्फ अशोक मिश्रा पिता महादेवप्रसाद मिश्रा निवासी अलमपुरा थाना पलेरा जिला टीकमगढ़, हाल फ्रेंड्स कॉलोनी नौगांव को गिरफ्तार किया। न्याय पथ अभियान के तहत पूर्व में थाना नौगांव पुलिस द्वारा 25 वर्ष पुराने अपहरण, दुष्कर्म के प्रकरण के आरोपी, 17 वर्ष पुराने हत्या के प्रयास प्रकरण के आरोपी, थाना बमीठा पुलिस द्वारा 14 साल पुराने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के फरार आरोपी, मातगुवां पुलिस द्वारा 10 साल पुराने लूट एवं एनडीपीएस के आरोपी, जुझार नगर पुलिस द्वारा 25 वर्ष पुराने छेड़छाड़ तथा 3 वर्ष पुराने मारपीट अवैध हथियार के आरोपी, बिजावर पुलिस द्वारा 7 वर्ष पुराने चोरी के प्रकरण के आरोपी, थाना गौरिहार पुलिस द्वारा 17 वर्ष पुराने चोरी के आरोपी, थाना गढ़ी मलहरा पुलिस द्वारा 17 साल पुराने धोखाधड़ी प्रकरण के आरोपी तथा थाना ओरछा रोड पुलिस द्वारा 21 एवं 20 साल पुराने चोरी के प्रकरण के आरोपी सहित 32 प्रकरणों के एक लाख रुपये से अधिक के इनामी आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और लंबित मामलों के निपटारे के लिए पुलिस लगातार चला रही है अभियान।

14 और 28 मई को लगेंगे विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर

छतरपुर। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के निर्देशानुसार छतरपुर जिले के विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सटई रोड स्थित अधीक्षण अभियंता (संचालन/संधारण) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. कार्यालय, छतरपुर में 14 मई और 28 मई 2025 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा।

मदर्स डे पर विजन समूह द्वारा माई नदी में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ

कटनी। मातृ दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा निर्मित समूह विजन समूह द्वारा एक विशेष प्लास्टिक मुक्त श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कटनी की जीवनदायिनी माई नदी को समर्पित श्रम और सेवा की मिसाल पेश की गई। यह आयोजन जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर निगम कटनी के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत माई नदी घाट की सफाई की गई, जिसमें घाटों पर एकत्र पूजन सामग्री, प्लास्टिक कचरा, मूर्तियों के अवशेष और अन्य अपशिष्ट को सावधानीपूर्वक एकत्रित कर मानव श्रृंखला बनाकर निस्तारण हेतु भेजा गया। कार्यक्रम में विजन संस्था के स्वयंसेवकों, नगर निगम कर्मचारियों, पर्यावरण प्रेमियों और आमजन की सक्रिय भागीदारी रही। विजन संस्था के प्रतिनिधियों ने कहा कि मातृ दिवस केवल हमारी माँ के लिए नहीं बल्कि मां प्रकृति और नदियों जैसी हमारी माताओं के लिए भी समर्पित होना चाहिए। माई नदी का संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि हमें नदियों में पूजन सामग्री और प्लास्टिक कचरा प्रवाहित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए और इको फ्रेंडली विकल्पों को अपनाना चाहिए।

पार्षद बिट्टू की प्रेरणा ने बिटिया को दी दिशा

जिले में पहला और प्रदेश में नौवां स्थान किया हासिल

कटनी। अपने क्षेत्र के बच्चों में पढ़ाई लिए प्रेरित करने और उन्हें चमकते भविष्य की तरफ अग्रसर करने के उद्देश्य से पार्षद एडवोकेट मौसुफ बिट्टू ने जिले में टॉप करने वाले शासकीय स्कूल के बच्चों को सम्मानित करने के लिए स्मार्टफोन देने की जो घोषणा की। उसका असर कुछ ऐसा हुआ कि क्षेत्र में मौजूद कन्या हाई स्कूल की बिटिया ने इतिहास रच दिया। विदित हो कि पिछले साल भी इसी विद्यालय की एक छात्रा ने 12वीं में टॉप किया था। उसको भी श्री बिट्टू द्वारा स्माटफोन दिया था। इस वर्ष भी पार्षद द्वारा स्मार्टफोन देने की घोषणा में अपना नाम पुरस्कार प्राप्त करने वालों में दर्ज कराने की चाहत रखने वाली पूजा ने अपनी लगन और कड़े परिश्रम से न केवल जिले में बल्कि पूरे प्रदेश में लाखों छात्र छात्राओं को पछाड़ते हुए कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम में नौ वाँ स्थान हासिल किया। सिविल लाइन स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा पूजा पिता राजेश चौधरी ने विगत दिनों घोषित हुए दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में कुल 500 में से 492 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम और प्रदेश में नौवां स्थान हासिल किया। उसकी इस उपलब्धि के बाद पार्षद बिट्टू की मौजूदगी में स्कूल परिसर में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अपने गुरुजनों और पार्षद के हाथों सम्मान प्राप्त कर पूजा का चेहरा खिल उठा और उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पूजा ने कहा कि वैसे तो पढ़ाई लिखाई उसे अच्छी लगती है और वह भविष्य में डॉक्टर बनना चाहती है। स्थानीय पार्षद बिट्टू के द्वारा जिले में टॉप करने वाले शासकीय स्कूल के बच्चों को जिस भावना के साथ गत वर्ष से स्मार्टफोन प्रदान करने की शुरुआत की गई उससे उसे बेहद ऊर्जा मिली। परिणाम स्वरूप उसने न केवल जिले में बल्कि प्रदेश में भी कटनी का झंडा फहरा दिया। विदित हो कि ऐसा पहली बार इस विद्यालय में हुआ है कि विद्यालय की किसी छात्रा द्वारा पूरे जिले में दसवीं क्लास में टॉप किया हो और प्रदेश में 9 वां स्थान अर्जित किया हो पूजा की इस उपलब्धि पर पार्षद बिट्टू सहित प्राचार्य राजेश तिवारी, क्लास टीचर रेखा गुप्ता एवं स्कूल के अन्य स्टाफ ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे शुभकामनाएं दी और पुरस्कृत किया।

महाराजपुर थाने का काला कारनामा शिकायतकर्ता को अर्ध नग्न कर रातभर की मारपीट

80 हजार रु. लेकर छोड़ने के लगे आरोप

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय विधायक से लगाई न्याय की गुहार

छतरपुर। महाराजपुर थाना पुलिस पर लगे हैं बर्बरता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप। एक युवक को थाने के भीतर न सिर्फ बेरहमी से पीटा गया,बल्कि उससे मोटी रकम की रिश्वत भी वसूले गए। उत्तरप्रदेश के अजनर थाना क्षेत्र के बम्होडिया गाँव के रहने वाले अनिल यादव ने आरोप लगाया है कि वह जब अपनी जेसीबी मशीन की शिकायत लेकर महाराजपुर थाना पहुँचा, तो उसे ही वहां का कैदी बना दिया।अनिल के मुताबिक, थाना परिसर में उसे निर्वस्त्र कर घंटों पीटा गया। पीड़ित ने ये भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उसे छोड़ने के बदले एक लाख रुपये की मांग की। सोसल मीडिया पर एक ऑडिओ वायरल हो रहा है, मारमीट और लेनदेन की बाते चल रही है, राघव भास्कर समाचार इस ऑडिओ की पुष्टि नहीं करता है। अनिल के पिता ने जैसे-तैसे 80 हजार रुपये जुटाकर थाने पहुँचाएज़ बदले में उन्हें मिली एक मामूली सी 500 रुपये की रसीद। अब सवाल उठता है क्ष क्या पुलिस थाने अब उगाही का अड्डा बनते जा रहे हैं? इस पूरे मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है महाराजपुर के भाजपा विधायक कामाख्या प्रताप सिंह और समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष कपूर सिंह यादव ने पुलिस की इस बर्बरता की निंदा की है और सख्त कार्यवाही की बात कहीं है।

जघन्य हत्या के तीन आरोपियों को आजीवन कारावास

लवकुशनगर। लवकुशनगर की अपर सत्र न्यायालय ने जघन्य हत्या के मामले में तीन आरोपियों रवि बसोर, मुन्नू अहिरवार और जानकी अहिरवार को आजीवन कारावास तथा 500-500 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना न चुकाने पर प्रत्येक को एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामला जुझारनगर थाने का है, जहां 1 अप्रैल 2023 को मातादीन अहिरवार ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि वह खेती-किसानी करते हैं और उनकी मुन्नू अहिरवार से खेत की मेड़ को लेकर पुरानी रंजिश थी। उनका भाई दिस्सू उर्फ देशराज खाने-पीने का शौकीन था। 31 मार्च 2023 की रात करीब 11 बजे मुन्नू अहिरवार और रवि बसोर उनके कस्बे वाले मकान पर आए और दिस्सू को मुर्गा गोश्त की पार्टी के लिए अपने साथ ले गए। दिस्सू रात को घर नहीं लौटा। अगली सुबह करीब 8 बजे मोहल्ले वालों ने मातादीन को बताया कि पुरानी रंजिश के चलते मुन्नू अहिरवार, उनकी पत्नी जानकी और रवि बसोर ने मिलकर दिस्सू की मुन्नू के घर के कमरे में मारपीट कर हत्या कर दी। मातादीन ने मुन्नू के घर जाकर देखा तो दिस्सू मृत अवस्था में मिला। प्रकरण की पैरवी एडीपीओ किशोरीलाल प्रजापति ने की। अपर सत्र न्यायाधीश ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है।

छतरपुर पुलिस के रक्तांजली अभियान के तहत यातायात प्रभारी ने किया रक्तदान

छतरपुर। छतरपुर पुलिस द्वारा रक्तांजलि अभियान संचालित है, रक्त सहायता एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जो न केवल जरूरतमंदों की जान बचाता है, बल्कि देने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। पुलिस अधीक्षक छतरपुर श्री अगम जैन द्वारा रक्तांजलि अभियान में भागीदारी करने वाले पुलिस जवानों को प्रोत्साहन हेतु पुरुस्कृत किया जाता है। 11 मई की सुबह पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि जिला पन्ना में पदस्थ पुलिस आरक्षक जिनकी पत्नी मिशन अस्पताल छतरपुर में भर्ती हैं, प्रसव के दौरान रक्त की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना यातायात प्रभारी निरीक्षक बृहस्पति साकेत द्वारा शीघ्र ही अस्पताल पहुंचकर स्थिति को देखते हुए रक्त सहायता की गई। स्थिति सामान्य हुई, प्रसव उपरांत जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। परिजनों द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया।

मैरिज गार्डन किराये से देना है

कोष्ठा रीवा में मैरिज गार्डन किराये से देना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें:-
संपर्क करें : 6260806864
आरएन. 82088/(15/5)

पुलिस की नाइट कॉम्बिंग गस्त में एक सैकड़ा से अधिक वारंट तामील

गुंडा बदमाशों पर कसा शिकंजा, तीन सैकड़ा से अधिक पुलिस अधिकारी कर्मचारी रहे तैनात

कटनी। जिले में पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के नेतृत्व में कटनी पुलिस ने नाइट कॉम्बिंग गस्त ऑपरेशन चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने 326 से अधिक अधिकारी कर्मचारियों की मदद से वारंटियों, आदतन अपराधियों और फरार अपराधियों को चैक किया और गिरफ्तार किया। कॉम्बिंग गस्त के दौरान पुलिस ने 106 से ज्यादा वारंटों को तामील कराया, जिनमें 24 फरार स्थायी वारंट, 82 गिरफ्तारी वारंट और जमानती वारंट शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने 76 से अधिक गुंडा बदमाशों को चेक किया और 63 से अधिक निगरानी बदमाशों को चेक कर उनकी जीवन यापन के तौर तरीकों को जाना। कॉम्बिंग गस्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब परिवहन और विक्रय पर रोक लगाने के लिए 54 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी के प्रकरण पंजीबद्ध किए। इसके अलावाए पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 1 आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया और जुआ अधिनियम के तहत 3 प्रकरण कायम किए। परिशांति भंग करने वालों के विरुद्ध पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत 10 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की। इसके अलावा पुलिस ने धारा 126, 135 बीएनएसएस के तहत 95 व्यक्तियों के विरुद्ध और धारा 129 बीएनएसएस के तहत 24 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की। कटनी पुलिस के द्वारा गुण्डे, बदमाशों, वारंटियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। पुलिस का उद्देश्य जनता में सुरक्षा की भावना और अपराधियों में भय का वातावरण उत्पन्न करना है। इस कार्रवाई से कटनी जिले में अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ेगी।

त्रिस्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ

कटनी। वर्तमान में भारत एवं पाकिस्तान के तनाव पूर्ण परिदृश्य में आपातकाल एवं किसी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन के नेतृत्व में कटनी पुलिस की पूर्व तैयारी का जायजा लेने मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

कार्यालय नगर परिषद चाकघाट, जिला- रीवा (म.प्र.)
(cmochakghat@mpurban.gov.in)
No./470/E-Tender/N.P./2025 — Chakghat, Date 29.04.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद चाकघाट में विद्युत सामग्री, जल प्रदाया सामग्री, हैण्डपम्प सामग्री, सफाई सामग्री एवं सबमर्सिबल मोटर पम्प परम्मत वित्त वर्ष 2025-26 हेतु दरों की आवश्यकता है। जिस हेतु पंजीकृत सप्लायरों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से तालिका में वर्णित कार्य की ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम एवं विवरण	अनुमानित लागत	निविदा फार्म का शुल्क	अमानत राशि
01	2025_UAD_419696_1	विद्युत सामग्री	20.00 लाख	2000.00	15000-00
02	2025_UAD_419690_1	जल प्रदाय सामग्री	15.00 लाख	2000.00	11250-00
03	2025_UAD_419684_1	हैण्डपम्प सामग्री	12.00 लाख	2000.00	9000-00
04	2025_UAD_419693_1	सफाई सामग्री/स्वास्थ्य सामग्री	20.00 लाख	2000.00	15000-00
05	2025_UAD_419692_1	स्टेशनरी	05.00 लाख	2000.00	5000-00
06	2025_UAD_419699_1	लोक निर्माण सामग्री	15.00 लाख	2000.00	11250-00

उक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र दिनांक 01.05.2025 को सायं 05:30 बजे से दिनांक 31.05.2025 को सायं 05:30 तक वेबसाईट पर ऑन लाईन भुगतान कर प्राप्त हो सकेंगे। विस्तृत निविदा सूचना तथा अन्य जानकारी वेबसाइट http://www.mpeproc.gov.in/uadd पर देखी जा सकती है।

विभव कुमार जायसवाल
अध्यक्ष
नगर परिषद चाकघाट

(संजय कुमार सिंह)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चाकघाट

निविदा- सूचना

संभागीय कृषि यंत्री कृषि अभियांत्रिकी रीवा-शहडोल संभाग सतना (म.प्र.)
ईमेल- agriengrsta@rediffmail.com

निविदा विज्ञप्ति (द्वितीय आमंत्रण)
(मेस संचालन हेतु पंजीकृत संस्थाओं से निविदा आमंत्रित करने बावत)

क्रमांक/ — संभाग
दिनांक- 09.05.2025

संभागीय कार्यालय कृषि यंत्री के केंद्र का नाम – **सतना** स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण अंतर्गत मैस केटरिंग कार्य हेतु एक वर्ष 2025-26 की अवधि के लिए मेस संचालन हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य तथा संस्थाओं की पात्रता का पूर्ण विवरण ई.ओ.आई. प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

निविदा क्रमांक	विवरण	निविदा प्रपत्र जारी/क्रय करने की प्रारंभ तिथि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	धरोहर राशि (रुपये)	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि
01/2025	संभागीय कार्यालय **कृषि यंत्री** के केंद्र का नाम - **सतना** स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण अंतर्गत मेस संचालन के लिए केटरिंग एजेंसी के चयन हेतु निविदा आमंत्रण	14/05/2025	2,000/-	2,00,000/-	05/06/2025

1. इच्छुक व्यक्ति निविदा प्रपत्र तथा निविदा की शर्तों की प्रति संभागीय कार्यालय कृषि यंत्री सतना दिनांक 14/05/2025 से निर्धारित मूल्य का भुगतान कर प्राप्त कर सकते हैं।
2. निविदा का अनुमानित मूल्य राशि रुपये 40 लाख (राशि रुपये चालीस लाख मात्र) वार्षिक है।
3. निविदा प्रपत्र डाक द्वारा दिनांक 02/06/2025 तक क्रय किया जा सकेगा ।

जी-12716/25

कृषि यंत्री,
संभागीय कार्यालय
सतना (म.प्र.)

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लेकसिटी हॉस्पिटल
बी-27, कस्तूरबा नगर, चेतक ब्रिज के पास, भोपाल (म.प्र.)
e-mail: lakecityhospital@gmail.com | www.lakecityhospital.net
www.youtube.com/dranandjayantkale
+91 9111933376, +91 95229 69980
जले मरीजों के विकृतियों (contracture) जैसे हाथों की उंगलियों का टेढ़ापन, अंगूठे का चिपकना, कलाई में विकृति, कोहनी का चिपकना, कंधे का चिपकना, गर्दन का चिपकना, पैरों की उंगलियों के विकार, टखने का चिपकना, घुटने का चिपकना, इत्यादि के ऑपरेशन/प्लास्टिक सर्जरी
डॉ. आनंद जयंत काले एम.एस.,एमसीएच (प्लास्टिक सर्जन)
जन्मजात कटे होंठ तालू के मुफ्त ऑपरेशन
Smiletrain योजना के अंतर्गत 3000 से ज्यादा सफल ऑपरेशन किए जा चुके हैं
जन्म से कटे होंठ और कटे तालु के मुफ्त ऑपरेशन
● जले मरीजों का इलाज मुफ्त
● जले मरीजों के विकार, विकृतियों के आपरेशन मुफ्त
जले मरीजों के विकारों के आपरेशन मुफ्त ऑपरेशन
ReSurge
जले मरीजों के विकार विकृतियों के चिन्हित ऑपरेशन रीसर्ज के अंतर्गत नि:शुल्क किए जा रहे हैं

पुलिस ने दो आरोपियों से 3 किलो 700 ग्राम मादक पदार्थ गांजा जब्त

कटनी। विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी अपनी पुलिस टीम के साथ पृथक-पृथक रेड कार्यवाही करते हुये मादक पदार्थ गांजा की जब्ती कर तीन आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी। थाना प्रभारी रितेश शर्मा ने खुलासा करते हुए बताया कि नशीले पदार्थ बेचने वालों के विरूद्ध कार्यवाही कर नशा पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया। आदेश के फलस्वरूप दिनांक 10 मई को थाना विजयराघवगढ़ पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में अलग-अलग दो स्थानों पर छापामार कार्यवाही करते हुये दो आरोपियों से 3 किलो 700 ग्राम गांजा जब्त कर दोनों आरोपियों की के विरूद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया। ग्राम हिनौता निर्माणाधीन नवीन पुल के नीचे ग्राम खिरवा नम्बर 1 निवासी भोला चौधरी के कब्जे से 1 किलो 600 ग्राम मादक पदार्थ गांजा तथा ग्राम टीकर नर्सरी मेन रोड के किनारे ग्राम घुनौर निवासी रंजेश पारधी 2 किलो 100 ग्राम गांजा बेचने की फिराक में बैठा पाया गया दोनों पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला रजिस्टर्ड किया गया। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी रीतेश शर्मा, सउनि जय सिंह ठाकुर, सउनि जयराम साकेत, आरक्षक अंजनी झा, आरक्षक नीतेश सिंह, आरक्षक चालक मज्जू कोल, मुखबिर एवं स्वतंत्र साक्षियों की एवं मुखबिर की मुख्य भूमिका रही।

प्रारूप – क
कार्यालय कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा) जिला – मऊगंज म.प्र.

क्रमांक/219/भू अर्जन/2024 — दिनांक 19.12.2024

प्रति,
रामबच्चा पिता रामनाथ
ग्राम घुरेहटा कला, तह. मऊगंज
जिला-मऊगंज (म.प्र.)

विषयः- राज्य शासन के विभाग/उपक्रम जल संसाधन विभाग की मऊगंज बांध परियोजना के लिये भूमि की आवश्यकता होने के कारण आपके धारणाधिकार की भूमि क्रय करने हेतु प्रस्ताव।

1. राज्य शासन के विभाग/उपक्रम जल संसाधन विभाग मऊगंज बांध परियोजना के लिये आपके धारणाधिकार की भूमि की आवश्यकता होने से राज्य शासन/उपक्रम निम्न भूमि क्रय करना चाहता है:-

भूमि एवं परिसम्पत्ति का विवरण

1	भूमि का विवरण (खसरा/भू-खण्ड क्रमांक, क्षेत्रफल, ग्राम एवं तहसील जहां भूमि स्थित है, चतुर्सीमा सहित)	घुरेहटा कला तह. मऊगंज ख.क्र. 3698/1/3487 रकवा 10.971 हे.
2	वर्ष................ के लिये कलेक्टर द्वारा जारी की गयी गाइड लाइन के आधार पर संगणित बाजार मूल्य	2075800/हे. 22773602.00
3	उक्त भूमि पर स्थित स्थावर परिसम्पत्ति का विवरण यदि कोई है	निरंक
4	स्थावर सम्पत्ति का संबंधित विभाग द्वारा आंकलित मूल्य	निरंक
5	कूल मूल्य (2+4)	22773602.00
6	कुज मूल्य के समतुल्य पुनर्वास अनुदान	22773602.00
7	कुल प्रस्तावित राशि (6+6)	45547204.00

2. उपरोक्त विवरण अनुसार आपके द्वारा धारित भूमि/भू-खण्ड और उस पर स्थित स्थावर परिसम्पत्ति का कुल बाजार मूल्य रूपये दो करोड़ सत्ताइस लाख तिहत्तर हजार छः सौ दो होता है। यदि आप उक्त भूमि राज्य शासन/उपक्रम के पक्ष में विक्रय करने हेतु सहमत है तो प्रतिफल के रूप में आपके ऊपर दिये गये विवरण में उल्लेखित मूल्य एवं पुनर्वास अनुदान मिलाकर कुल राशि रूपये चार करोड़ पचपन लाख सैंतालिस हजार दो सौ चार दी जाना प्रस्तावित है। आपसे अपेक्षा है कि, राज्य शासन के पक्ष मे उक्त विवरण अनुसार भूमि/भू-खण्ड उस पर स्थित स्थावर सम्पत्ति सहित विक्रय करने हेतु अपनी सहमति प्रारूप-ख में जो कि, इस प्रस्ताव के साथ संलग्न है, प्रस्ताव प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत करें।
3. यदि उक्तानुसार प्रारूप-ख में आपकी ओर प्रस्ताव की स्वीकृति प्रस्तुति की जाती है तो विषयांकित परियोजना के लिए राज्य शासन/उपक्रम के पक्ष में आपके धारणाधिकार की उक्त भूमि/भू-खण्ड उस पर स्थित स्थावर सम्पत्ति सहित क्रय की जायेगी।
4. आपकी स्वीकृति प्राप्त होने पर धारणाधिकार विषयक जांच की जायेगी और यदि भूमि/भू-खण्ड आपके स्वच्छ धारणाधिकार में पाया जाता है तो आपको एक वर्ष के भीतर विक्रय विलेख निष्पादित करना होगा। प्रतिफल की राशि विक्रय विलेख निष्पादन के समय आपको भुगतान की जायेगी।

जी-12719/25

जिला कलेक्टर
जिला – मऊगंज

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग क्र. 01 रीवा
दूरभाष (फोन) 07662-297030
संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति क्र. 01/2025-26

क्रमांक 149 /ग्रा.यां.से./2025 — रीवा, दिनांक 08.05.2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से Cover-3 (तीन लिफाफा पद्वति) राशि रू. 50 लाख से अधिक एवं Cover-2 (दो लिफाफा पद्वति) राशि रू. 50 लाख तक के आधार पर ऑनलाईन प्रतिशत दर निविदा प्रपत्र एपेडिक्स 2.10 अनुसार निविदायें लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्यो का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

क्र.	ग्रा.यां.से. संभागीय कार्यालय	सिस्टम आई.डी. नम्बर	कार्य का प्रकार	कार्यो की संख्या	निर्माण कार्यो की अनुमानित लागत (लाख)	रिमार्क
1	संभाग क्र. 01 रीवा	2025_RES_422120	खेल कूद मैदान फेस-1 शा.उ.मा.वि. बैकुण्ठपुर (बालक) ज.पं. सिरमौर, खेल कूद मैदान फेस-1 शा.उ.मा.वि. गढ़ (बालक) ज.पं. गंगेव एवं खेल कूद मैदान फेस-1 शा.उ.मा.वि. सेमरिया (बालक) ज. पं. सिरमौर	03	12.27	प्रथम 11.04. 2022
2	संभाग क्र. 01 रीवा	2025_RES_422121	खेल कूद मैदान फेस-1 शा.उ.मा.वि. गुढ़ ज.पं. रायपुर कुर्च, खेल कूद मैदान फेस-1 शा. प्रा.शा. माडल बेसिक स्कूल धोबिया टंकी रीवा एवं खेल कूद मैदान फेस-1 शा.उ.मा.वि. मनिकवार ज.पं. रायपुर कर्चु	03	12.27	प्रथम 11.04. 2022
			कुल योग :-		24.54	

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक 09.05.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 23.05.2025 समय 17:30 बजे शाम तक क्रय एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाईन दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। रूपये 50.00 लाख के अन्दर तक के कार्य की निविदा कवर "अ" (Cover-1), एवं "स" (Cover-3) तथा रूपये 50.00 लाख एवं अधिक तक के कार्य की निविदा कवर "अ" (Cover-1), "ब" (Cover-2) एवं "स" (Cover-3) ऑनलाइन ही जमा/अपलोड (Submit) करने होगें। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

संशोधन की सूचना अलग से प्रकाशित नहीं की जावेगी। संशोधन संबंधी सूचनाए केवल वेबसाईट पर ही अपलोड की जावेगी। समस्त निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम दिवस की प्रतीक्षा न करें। शीघ्रातिशीघ्र विड जमा करें। वेबसाईट में किसी प्रकार की असुविधा के लिए विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

जी-12700/25

कार्यपालन यंत्री,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभग क्र. 01 रीवा

सीधी जागरण
दैनिक जागरण रीवा 12 मई 2025 www.dainikjagranmpcg.com
11 राज्य 31 संस्करण

सूर्य उदय - अस्त
06.39 अस्त : आज
05.23 उदय : कल

शहर का तापमान
39.0 0 अधिकत
26.0 0 न्यूनतम

मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

हिरन नदी को पुर्नजीवित करने अनूठी पहल

जागरण पहल

हिरन नदी के उद्गम स्थल झोरा पहरी में जन सहयोग से हुई साफ-सफाई

नदी को पुर्नजीवित करने शासन से मदद की दरकार

जागरण, सीधी

शहर की पुरानी हिरन नदी के उद्गम स्थल झोरा पहरी में आज जिला व्यापारी संघ अध्यक्ष लालचंद गुप्ता एवं स्थानीय समितियों के सहयोग से साफ-सफाई का अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान समीपी ग्राम पंचायत खैरही अंतर्गत पहाड़ के नीचे से निकली हिरन नदी के उद्गम स्थल पर साफ-सफाई का अभियान चलाया गया। जन भागीदारी से हिरन नदी के उद्गम स्थल की सफाई के अभियान में स्थानीय समितियों के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी शामिल रहे। हिरन नदी के उद्गम स्थल को पुर्नजीवित करने के लिए लोगों ने फावड़ा उठाकर घंटों जल स्त्रोत को पुर्नजीवित करने की अनूठी पहल शुरू की। दरअसल हिरन नदी के उद्गम स्थल में उसका जल पहाड़ के नीचे गड्ढों में प्राकृतिक रूप से पहुंचता है। उसके बाद पानी आगे के लिए बढ़ता है। हिरन नदी के उद्गम स्थल की उपेक्षा के चलते वर्तमान में उसके जल स्त्रोत मिट्टी के नीचे दब गए हैं। ऐसे में उसे नदी का स्वरूप उद्गम स्थल से देने के लिए जेसीबी मशीन की जरूरत है। मध्य प्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्तमान में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं साफ-सफाई के लिए जो अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है उसके तहत हिरन नदी के उद्गम स्थल को भी प्राथमिकता से जोड़ना आवश्यक है। हिरन नदी के उद्गम स्थल में साफ-सफाई के लिए जुटे लोगों का कहना था कि सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान में यदि हिरन नदी के उद्गम स्थल को पुर्नजीवित करने के लिए जेसीबी मशीन से खुदाई का कार्य करा दिया जाए तो यह नदी के रूप में आगे प्रवाहित होने लगेगी। नदी के प्रवाह क्षेत्र में जगह-जगह काफी अतिक्रमण हो जाने के कारण कई स्थानों में तो उसका नदी का स्वरूप ही बाहर से गायब हो गया है। ऐसे में हिरन नदी के समूचे प्रवाहित स्थल को तलाश कर वहां खुदाई कराने की आवश्यकता है। जिससे हिरन नदी के उद्गम स्थल से नदी के समूचे जल स्त्रोत खुलकर पानी का प्रवाह आगे शुरू कर सकें। मई के महीन में पहाड़ के नीचे हिरन नदी के उद्गम स्थल में उसके जल स्त्रोत जीवित हैं। यदि उनकी वास्तविक रूप से जेसीबी मशीन से साफ-सफाई करा दिया जाए तो पानी की तेज धार आगे के लिए बढ़ने लगेगी।

उद्गम स्थल से नदी को पुर्नजीवित करने होना चाहिए कार्य

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत खैरही अंतर्गत झोरा पहरी में हिरन नदी का उद्गम स्थल है। हिरन नदी के उद्गम स्थल से करीब 5 किलोमीटर क्षेत्र में जेसीबी के माध्यम से नदी का प्रवाह स्थल बना दिया जाए तो यह बड़ी नदी के रूप में फिर से आस्तित्व में आ सकती है। उद्गम स्थल से हिरन नदी कई स्थानों में भूमिगत है। उसके जल स्त्रोत भूमि के अंदर से प्रवाहित होकर बीच-बीच में नाले के रूप में बहते हुए नजर आते हैं। शहर के सर्वोदय चौक के समीप से हिरन नदी का आस्तित्व बड़े क्षेत्र के रूप में है। यह दीगर बात है कि सर्वोदय चौक के समीप से ही हिरन नदी के दोनो तटों पर कुछ सालों से मकान बनाने की होड़ मची हुई है। हिरन नदी के दोनो तटों पर लोगों द्वारा भारी अतिक्रमण किया गया है। मकान का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए अतिक्रमणकारियों द्वारा सुनियोजित तरीके से नदी को पाटने का सिलसिला भी शुरू किया गया है। राजस्व विभाग द्वारा पहली मर्तबा हिरन नदी के अतिक्रमण पर उसकी सीमा को चिन्हित करने के लिए सीमांकन का कार्य किया गया। सीमांकन के कार्य में करीब तीन दर्जन अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया गया है। चिन्हित किए गए अतिक्रमणों को भी बेदखल करने की कार्यवाही जल्द करने की मांग शहरवासियों द्वारा की जा रही है।

सरकार से नदी को पुर्नजीवित करने होगी मांग: लालचंद

जिला व्यापारी संघ अध्यक्ष लालचंद गुप्ता ने हिरन नदी के उद्गम स्थल झोरा पहरी में जन सहयोग से साफ-सफाई के दौरान कहा कि हिरन नदी पहले जल से काफी समृद्ध नदी थी। लोगों के स्वार्थ के चलते जगह-जगह उसके जल स्त्रोत बंद हो गए। हिरन नदी के उद्गम स्थल में ही जल स्त्रोत काफी दब गए हैं। आज भीषण गर्मी में मई के महीने में ही उद्गम स्थल से काफी पानी आ रहा है। उद्गम स्थल पर नदी के पुर्नजीवित करने के लिए यहां वृहद स्तर पर जेसीबी मशीन से खुदाई करने की आवश्यकता है। उनके द्वारा हिरन नदी के उद्गम स्थल के संबंध में पूरी जानकारी शासन को भेंजी जाएगी। जिससे हिरन नदी को उद्गम स्थल से पुर्नजीवित कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही शुरू हो सके। हिरन नदी आगे चकदही, उसके आगे हिरन नदी के नाम से जानी जाती है। हिरन नहर की सुविधा भी सिंचाई के लिए पूर्व में बनाई गई थी।

मुख्यमंत्री 15 को आएंगे सीधी, ली गई तैयारी बैठक

जागरण, सीधी। जिले में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने कहा कि आगामी 15 मई को मुख्यमंत्री महोदय का जिला मुख्यालय तथा मझौली में कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री सीधी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन तथा मझौली में जनजातीय सम्मेलन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के भ्रमण के दौरान निर्धारित प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कार्यक्रम से जुड़ी जिम्मेदारियां संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया है। कलेक्टर ने जिले में किए जाने वाले भूमिपूजन तथा लोकार्पण की सूची तत्काल कलेक्टर कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही हितलाभ वितरण संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल तथा हेलीपैड के निर्माण संबंधी समस्त कार्यवाहियां निर्धारित समय-सीमा तथा सुरक्षा मापदण्डों का पालन करते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही कार्यक्रम स्थल में पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मौसम के दृष्टिगत उचित संख्या में चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मुख्यमंत्री के भ्रमण के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलष द्विवेदी, उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी आशुतोष द्विवेदी, रोशनी ठाकुर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

शासन से जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करायें: अनुराग

जागरण, सीधी। देश की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जिलों में सिविल डिफेंस प्लान एवं शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। सिविल डिफेंस कार्यक्रम व्यवस्थित करें तथा सजगता और सतर्कता बरतें। मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन की सभी तैयारियाँ दुरूस्त रखते हुए वर्नलेवल क्षेत्रों का चिन्हांकन कर कार्ययोजनानुसार व्यवस्थायें करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में सायरन की व्यवस्था हो ताकि आपात स्थिति में सायरन सभी को सुनाई दे। आपदा प्रबंधन की तैयारियों की संभागीय समीक्षा प्रतिदिवस की जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत से 2 स्वयंसेवकों व प्रत्येक नगरीय निकाय वार्डो से 2 से 5 सिविल डिफेंस वालेंटियर्स बनाये जांय। इनमें भूतपूर्व सैनिकों, सीनियर एनसीसी के सदस्य, एनएसएस के सदस्य व निजी सुरक्षा एजेंसियों के लोगों को प्राथमिकता दी जाय। एनआईसी में आयोजित वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलष द्विवेदी, उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी आशुतोष द्विवेदी, रोशनी ठाकुर, जिला होमगार्ड कमांडेंट सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीजफायर पर देश को क्या मिला बताए सरकार : पंकज

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया के उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि सीजफायर की खबर सुकून देती है। हमारे सैनिकों की बहादुरी और अनुशासन ने एक बार फिर देश का मान बढ़ाया है। अब जिम्मेदारी हमारी भी है कि अफवाहों से दूर रहें और शांति के इस मौके को मजबूती से थामे रखें। सैनिकों के बलिदान का सम्मान यही है, एकजुट रहना, संयम रखना। पंकज ने आगे कहा कि देश का बच्चा बच्चा जानना चाहता है कि हिन्दुस्तान पाकिस्तान युद्ध में देश ने क्या खोया क्या पाया। युद्ध हिन्दुस्तान लड़ रहा था पर शांति वार्ता हुई लेकिन इसकी घोषणा दुनिया के दूसरे छोर बैठे अमेरिका के राष्ट्रपति ने कि इसे क्या माना जाए। जब इंदिरा गांधी 1971 नवंबर में अमेरिका के दौरे पर थीं। व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति निक्सन से मुलाकात हुई। बातचीत शुरू होते ही निक्सन ने घमंड में डूबकर चेतावनी दे डाली अगर भारत ने पाकिस्तान के मामले में नाक घुसाई, तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा। इंदिरा गांधी ने बिना किसी उत्तेजना के बेहद गरिमामयी अंदाज में जवाब दिया भारत-अमेरिका को मित्र मानता है, मालिक नहीं। हम अपनी किस्मत खुद लिखते हैं और इतना कहकर वे बैठक छोड़कर उठ गईं। ये कोई फिल्मी डायलॉग नहीं था, ये वो शब्द थे जो इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति की आंखों में आंखें डालकर, वाइट हाउस में कहे थे। बाद में इस पूरी मुलाकात का जिक्र अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने अपनी आत्मकथा व्हाईट हाउस ईयर्स में किया। उस दिन बैठक के बाद मीडिया को साझा संबोधन होना था पर इंदिरा गांधी बाहर निकलते ही कार्यक्रम रद्द करके सीधे अपनी कार की ओर बढ़ गईं। कार का दरवाजा बंद करते वक्त किसिंजर ने कहा मैडम, आपको नहीं लगता कि राष्ट्रपति के प्रति थोड़ा और धैर्य दिखवाना चाहिए था। इंदिरा गांधी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया धन्यवाद मिस्टर सेक्रेटरी, भारत भले ही विकासशील देश हो, लेकिन हमारी रीढ़ की हड्डी मजबूत है।

गोपाल दास मंदिर में हुआ हनुमान चालीसा पाठ

जागरण, सीधी। श्रीगुरु बजरंग संघ के तत्वाधान में भारत हिंदू राष्ट्र एवं रविवार गुरुकुल की स्थापना राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय शनिवार सामूहिक हनुमान चालीसा अभियान प्रत्येक शनिवार सुबह 9 बजे एक दिन एक समय एक साथ की विश्व व्यापी सफलता हेतु आयोजन किया गया। श्री गुरु बजरंग संघ की ओर से श्री श्री 1008 श्री स्वामी श्री गोपाल दास जी महाराज आश्रम दक्षिण मुखी हनुमान जी में हनुमान चालीसा हेतु राजेश सिंह गहरवार को आपकी योग्यता कर्मठता एवं सनातन के प्रति आपके समर्पण को देखते हुए नगर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दिन शनिवार दिनांक 10 मई 2025 हनुमान चालीसा में राजेश सिंह गहरवार, शंकर द्विवेदी, महेंद्र श्रॉफ, रमेश गुप्ता, दीपक सिंह बघेल की उपस्थिति में बृहद हनुमान चालीसा हुई।

अवैध नशे के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने की कार्यवाही

जागरण, सीधी। अवैध नशे के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस ने 15 हजार रूपये कीमती 1.5 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त कर प्रकरण पंजीबद्ध किया। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा भापुसे के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती गायत्री तिवारी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कोतवाली निरी पुष्पेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही करते हुये 1.5 किलोग्राम गांजा जप्त कर प्रकरण पंजीबद्ध करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी कोतवाली को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि एक व्यक्ति झोले में अवैध मादक पदार्थ गांजा लिये ऊची हवेली मैदान मे खड़ा है। सूचना प्राप्त होते ही थाना प्रभारी कोतवाली नें वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया तथा उनके निर्देशानुसार पुलिस टीम का गठन कर मुखबिर के सूचना की तस्दीक तथा कार्यवाही हेतु रवाना किया। पुलिस टीम मुखबिर के बताये अनुसार अमहा पहुंची जहां एक व्यक्ति जिसके बाये हाथ मे पट्टी बधी थी, एक झोला लिये मैदान मे खड़ा था, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पूंछने पर अपना नाम रितेश सोनी पिता मनोज सोनी उम्र 33 वर्ष निवासी अमहा का होना बताया। तत्पश्चात संदेही आरोपी की तलाशी ली एवं झोले को खोल कर देखा गया, जिसमे मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया। जिसका तौल करने पर कुल 1.5 किलो ग्राम कीमती करीबन 15000 रूपये का होना पाया गया, जिसे विधिवत जप्त किया गया एवं आरोपी उक्त का यह कृत्य धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय पाये जाने से आरोपी रितेश सोनी पिता मनोज सोनी उम्र 33 वर्ष निवासी अमहा कोतवाली सीधी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया एवं मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई पश्चात न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। समस्त कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा, सउनि राजमणि रजक, प्रधान आरक्षक रणबहादुर सिंह, तिलकराज सिंह, ममता पाठक, आरक्षक बालेन्द्र सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अबोध विद्यालय के 10वीं का परीक्षा परिणाम रहा उत्कृष्ट

जागरण, सीधी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा कक्षा 10 वीं के घोषित परीक्षा में शहर की बहुचर्चित विद्यालय अबोध बाल शिक्षा निकेतन हाई स्कूल सीधी का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिखाया कि लगन, अनुशासन और समर्पण से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं। विद्यालय से परीक्षा में 62 छात्र सम्मिलित हुए जिसमें 53 छात्र प्रथम श्रेणी एवं 6 छात्र द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। हम गर्व के साथ उन विद्यार्थियों की सूची प्रस्तुत कर रहे हैं जिन्होंने कक्षा 10 की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किया। विद्यालय की छात्रा हर्षिता द्विवेदी ने 95 प्रतिशत के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके साथ ही श्रीयांश द्विवेदी 94.8 प्रतिशत विकास साहू 93.6 प्रतिशत, रूपेश पटेल 93.5 प्रतिशत, सुहानी सिंह 93.2 प्रतिशत, विनायक सिंह 93 प्रतिशत, सेजल सिंह 92.2 प्रतिशत, अर्चना यादव 91.4 प्रतिशत, अंक अर्जित कर विद्यालय को गौरवांवित कर अनुशासन, संकल्प और आत्मविश्वास की मिशाल पेश की है। छात्रों की सफलता का श्रेय विद्यालय के अध्यापकों और अभिभावकों को भी जाता है। विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर विद्यालय के प्रबंधक राम सिंह तोमर और सौरभ सिंह, प्राचार्या दीपिका सिंह, प्रधानाचार्य द्वारिका प्रसाद मिश्रा, वरिष्ठ शिक्षिका अर्चना द्विवेदी, भाग्या सिंह, दिनेश मिश्रा, अजय गुप्ता, रमेश कुमार, मो. समीर खान सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने छात्रों के उज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सीधी पुलिस ने कॉबिंग गस्त में 47 को किया गिरफ्तार

जागरण, सीधी। साप्ताहिक कॉम्बिग गश्त में सीधी पुलिस नें 47 आरोपियों को गिरफ्तार कर 25 गुण्डा बदमाश व 14 निगरानी बदमाशों को चेक कर चेताया एवं भविष्य मे अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों से रहने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं समस्त अनुभागों के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन एवं समस्त थाना/चौकी के थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में दिनांक 10-11 मई 2025 के दरम्यानी रात जिले भर में विशेष अभियान चलाकर 7 स्थाई वारंट एवं 40 गिरफ्तारी वारंट कुल 47 वारंट तामील किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया हैं। साथ ही गस्त के दौरान 25 गुण्डा बदमाश एवं 14 निगरानी बदमाशों को कांबिंग गस्त के दौरान चेक कर भविष्य में अपराध कारित न करने की हिदायत दी गई है। कॉम्बिग गश्त में थाना कोतवाली ने 1 स्थाई वारंट एवं 4 गिरफ्तारी वारंट, थाना जमोड़ी ने 6 गिरफ्तारी वारंट, थाना चुरहट ने 1 स्थाई एवं 4 गिरफ्तारी वारंट, थाना रामपुर नैकिन ने 1 स्थाई वारंट एवं 4 गिरफ्तारी वारंट, थाना कमर्जी ने 3 गिरफ्तारी वारंट, थाना अमिलिया ने 1 स्थाई तथा 7 गिरफ्तारी वारंट, थाना बहरी ने 1 स्थाई व 4 गिरफ्तारी, थाना मझौली ने 3 गिरफ्तारी वारंट तथा थाना कुसमी ने 1 स्थाई तथा 1 गिरफ्तारी वारंट, थाना मड़वास नें 1 स्थाई तथा 1 गिरफ्तारी एवं थाना सेमरिया नें 3 गिरफ्तारी वारंट तामील करते हुए आरोपियों को गिरफ्त मे लिया है। सीधी पुलिस द्वारा सप्ताह में कम से कम एक बार फरार आरोपियों के धर पकड़ एवं गुंडा-निगरानी बदमाश के तलाशी हेतु कॉम्बिग गश्त अभियान चलाया जाता है, जिसमे विभिन्न अपराधों जैसे हत्या, लूट, डकैती, मारपीट, आबकारी आदि जैसे अपराधों के प्रकरणों मे जो आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुए है उनके विरुद्ध न्यायालय द्वारा स्थाई/गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। इसी क्रम में अभियान स्तर पर कार्रवाई करते हुये सीधी पुलिस द्वारा जिले भर में सप्ताहिक कांबिंग गस्त चलाकर एक दिन में 47 फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

अपाक्स संगठन द्वारा प्रज्ञा को किया गया सम्मानित

जागरण, सीधी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित दसवीं बोर्ड की परीक्षा में मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कु. प्रज्ञा जायसवाल सुपुत्री विनय कुमार जायसवाल निवासी ग्राम निगरी का मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संगठन अपाक्स इकाई रीवा संभाग के संभागीय अध्यक्ष राकेश कुमार जायसवाल जिला अध्यक्ष सीधी श्रीराम सोनी संभागीय सह कोषाध्यक्ष देवेश पटेल, जिला कोषाध्यक्ष सीधी शिवमूरत साहू एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा प्रज्ञा जयसवाल के गृह ग्राम निगरी पहुंचकर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

आदि शंकराचार्य की जयंती पर व्याख्यानमाला आयोजित

जागरण, सीधी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खंड सिहावल जिला सीधी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक पतुलखी के सभागार में जगत गुरु आदि शंकराचार्य के 1237 वीं जन्म जयंती के अवसर पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रख्यात मानस मर्मग्य पंडित भागवत प्रसाद पाठक, अध्यक्षता कृषि वैज्ञानिक महेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती शशिकला पाठक जनपद सदस्य एवं ब्लॉक समन्वयक अनिल पाठक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पं.भागवत प्रसाद पाठक ने आधुनिक भारत में जगत गुरु शंकराचार्य जी के अवधारणा एवं एकात्मता की भावना पर और नदियों पेड़ों के नि:स्वार्थ सेवा भावना पर अपना व्याख्यान दिया। कृषि वैज्ञानिक महेंद्र सिंह ने वेदांत और भारतीय दर्शन के महत्व एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि शशिकला पाठक द्वारा उपस्थिति सभी बच्चों को आदि शंकराचार्य जी के मार्गदर्शन मे चलने और अनुशरण करने से नेतृत्व का विकास होने के बारे में बताया।

गणेश स्कूल के समर कैंप में हर्षोल्लास से मना मदर्स डे

जागरण, सीधी। जीवन में ममता की सबसे सुंदर मूरत मां होती है। उनकी त्याग और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। स्थानीय श्री गणेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल पड़रा में चल रहा 15 दिवसीय समर कैंप रविवार को मदर्स डे के नाम रहा। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों के साथ-साथ उनकी माताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सेलिब्रेशन की शुरुआत बच्चों द्वारा मम्मियों के चरण वंदन से हुई। इसके बाद बच्चों ने मेरी मां सॉन्ग पर मैशअप डांस परफॉर्मेंस दी। अगले परफॉर्मेंस में गिटार के साथ मम्मियों को तू कितनी अच्छी है मैशअप सॉन्ग को डेडीकेट किया। प्रोग्राम की अगली कड़ी में मम्मियों के लिए ब्लाइंड फोल्ड, अजब गेम की गजब कहानी जैसे गेम्स आयोजित किए गए।

RUKMINI RISING STAR HIGH SCHOOL SIDHI
Admission open for session 2025-26 NUR. TO 10TH

Sr.	Subject	No of vacancy
1.	Math	01
2.	Social science	01
3.	English	01
4.	Computer	01
5.	Sanskrit	01

Address:- Infront of Ramagovind palace Collage Stadium Road North Karaundiya sidhi
Mob. No.- 7024967935, 6264798158, 7898612068

पुलिस ने 8 गुमशुदा को ढूंढ़कर परिजनों को किया सुपुर्द

6 नाबालिग तथा 2 बालिग गुमशुदा हुए दस्तयाब

राजकोट, रायबरेली, कोटा, सिंगरौली तथा जिले के कई क्षेत्रों में पहुंची पुलिस

जागरण, सीधी

सीधी पुलिस ने 8 गुमशुदा को ढूंढ़कर परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस ने 6 नाबालिक तथा 2 बालिक गुमशुदा को दस्तयाब किया। गुमशुदा को राजकोट, रायबरेली, राजस्थान, सिंगरौली तथा जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से दस्तयाब किया गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा गुमशुदा बालिकाओं के दस्तयाबी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तत्वाधान में पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रवीन्द्र वर्मा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव व समस्त अनुभागों के पुलिस अनुविभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में सीधी पुलिस ने 5 नाबालिक किशोरियों 1 गुम महिला तथा एक नाबालिक किशोर व एक बालिक गुमशुदा समेत 8 लोगो को ढूंढ़कर वैधानिक कार्रवाई पश्चात परिजनों को सुपुर्द किया है। चौकी प्रभारी खड्डी सउनि नीरज साकेत के नेतृत्व में खड्डी पुलिस नें नाबालिक किशोरी को ढूंढ़कर 1100 किलोमीटर दूर राजकोट गुजरात से दस्तयाब कर सीधी लाई। चौकी खड्डी मे एक परिजन ने लगभग ढाई माह पूर्व रिपोर्ट किया था कि उनकी नाबालिक किशोरी घर से लापता है। आस पड़ोस तथा रिश्तेदारी मे कहीं पता नहीं चल रहा है। रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए खड्डी पुलिस किशोरी का निरंतर पता तलाश करती रही जिसे राजकोट गुजरात से दस्तयाब कर वापस चौकी लाई एवं वैधानिक कार्रवाई पश्चात परिजनों को सौंप दिया है। समस्त कार्रवाई में चौकी प्रभारी खड्डी सउनि नीरज साकेत, सउनि रामदास साकेत, आरक्षक रविंद्र सिंह तथा साइबर सेल सीधी से आरक्षक कृष्ण मुरारी द्विवेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसी क्रम में चौकी प्रभारी पथरौला उनि प्रीति वर्मा के नेतृत्व में पथरौला पुलिस ने 10 दिवस पूर्व लापता हुई नाबालिक किशोरी को ढूंढ़कर उत्तरप्रदेश के रायबरेली से दस्तयाब करते हुए चौकी लाई जिसे वैधानिक कार्रवाई पश्चात परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। समस्त कार्रवाई में चौकी प्रभारी उनि प्रीती वर्मा, सउनि बीपी वर्मा, आरक्षक संजय पटेल तथा साइबर सेल से आरक्षक कृष्ण मुरारी द्विवेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। थाना प्रभारी मड़वास उनि केदार परौहा के नेतृत्व में मड़वास पुलिस ने 2 गुम व्यक्तियों को ढूंढकर परिजनों को सौंप दिया है। जिसमें थाना मड़वास में क्रमशः 20 तथा 29 अप्रैल को दो व्यक्तियों ने रिपोर्ट किया था जिसमे एक की पत्नी तथा एक व्यक्ति का पुत्र लापता हो गया था। दोनों मामलो मे मड़वास पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध किया एवं मड़वास पुलिस की दो टीमें रवाना की गई जो उक्त दोनों गुमशुदा को ढूंढ़कर थाना लाई। जिन्हे परिजनों के हवाले किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मड़वास उनि केदार परौहा, सउनि राजकुमार सिंह तथा आर राकेश पटेल का योगदान रहा। इसी क्रम में थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में रामपुर नैकिन पुलिस ने लगभग एक माह पूर्व लापता हुए नाबालिक किशोर को दस्तयाब कर थाना लाई जिसे वैधानिक कार्रवाई के पश्चात परिजनों को सौंप दिया गया। कार्रवाई में निरीक्षक सुधांशु तिवारी, उनि चक्रधर प्रजापति तथा प्रधान आरक्षक प्रसन्न मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

फाइल फोटो

कोटा राजस्थान तथा चितरंगी से दस्तयाबी

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस नें लापता हुई दो किशोरियों को कोटा राजस्थान तथा चितरंगी सिंगरौली से दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जिसमें एक मामले मे परिजन के रिपोर्ट पर महज 24 घंटो के भीतर किशोरी को चितरंगी सिंगरौली से दस्तयाब किया गया तथा दूसरे मामले में लगभग दो माह पूर्व लापता हुई। किशोरी को राजस्थान के कोटा से दस्तयाब किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा, उनि राजमणि अहिरवार, सउनि बीएल यादव, प्रधान आरक्षक विकास पाण्डेय, आरक्षक बालेन्द्र सिंह, राजकुमार मिश्रा, संतोष सिंह, महिला आरक्षक सुनीता पटेल तथा साइबर सेल से कृष्ण मुरारी द्विवेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं उनि विकास सिंह के नेतृत्व मे बम्हनी पुलिस नें लापता किशोरी को 48 घंटों के भीतर दस्तयाब करते हुए परिजनों के सुपुर्द किया। समस्त कार्रवाई में उनि विकास सिंह, सउनि मनसुखलाल वर्मा, प्रआर संजय अहिरवार, आरक्षक सुशील तथा दीपेंद्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ईश्वर की खोज के लिए मां ने किया प्रेरित

एक बार ध्रुव नामक लड़का हुआ करता था जो राजा उत्तानपाद और रानी सुनीति का बेटा और मनु का पोता था। उसके पिता की सुरुचि नामक एक और रानी और उससे उत्तम नामक एक और बेटा था। सुरुचि और उत्तम राजा उत्तानपाद के प्रिय थे। लेकिन बड़ा बेटा होने के कारण ध्रुव अपने पिता के सिंहासन का उत्तराधिकारी था। इस वजह से सुरुचि उससे जलती थी।

● देवदत्त पटनायक ●

एक दिन उत्तम को अपने पिता की गोद में बैठा देखकर ध्रुव में भी यह कामना जाग उठी। वह उनकी गोद में बैठने जा ही रहा था, जब उसकी सौतेली मां सुरुचि ने उसे गोद से नीचे खींच लिया। उसे डांटते हुए कहा कि केवल उत्तम ही उनके पिता की गोद में बैठ सकता है। ध्रुव को भगा दिया गया और राजा उत्तानपाद चुपचाप देखते रहे। अत्यंत दुखी होकर ध्रुव अपनी मां के पास गया। उसे सांत्वना देते हुए सुनीति ने कहा कि उसे पिता की गोद में बैठने के बजाय भगवान की गोद में बैठने की इच्छा रखनी चाहिए, क्योंकि उसके पिता नश्वर हैं, भगवान अमर हैं। नन्हे ध्रुव ने अपनी मां से पूछा कि वह भगवान को कैसे खोज सकता है? इस पर सुनीति ने बताया कि भगवान विश्व में हर जगह उपस्थित हैं और यह कि अपना पूरा ध्यान उन पर केंद्रित करने पर भगवान उसके पास आ जाएंगे। उसे बस निरंतर भगवान के बारे में सोचना आवश्यक था।

ध्रुव ने अपनी मां की सलाह को गंभीरता से लिया। एक स्थान पर बैठकर वह लगातार भगवान के बारे में सोचने लगा। उसने अपने मन को इतना केंद्रित किया कि अपने आस-पास के विश्व को भी नज़रअंदाज़ कर दिया। उसने अपनी भूख और इच्छाओं को नियंत्रण में कर लिया। बालक की एकाग्रता देखकर सभी चौंक गए। आख़िरकार स्वयं विष्णु उसके सामने प्रकट हुए और उससे पूछा कि वह क्या चाहता है। ध्रुव ने पूछा कि क्या वे वास्तव में भगवान हैं। विष्णु ने हां कहा तो ध्रुव ने कहा, 'तो क्या मैं आपकी गोद में बैठ सकता हूं? मैं नहीं चाहता कि कोई मुझे आपकी गोद से नीचे उतारे।' विष्णु ने ध्रुव की इच्छा पूरी की। इसलिए यह माना जाता है कि आज भी बालक ध्रुव ध्रुवतारा अर्थात पोल स्टार के रूप में भगवान की गोद में विराजमान है।

इस कहानी की कई परतें हैं। एक स्तर पर यह कारण को बताने वाली कथा है। आखिर ध्रुवतारा आकाश में क्यों स्थित है? पुराणशास्त्र के अनुसार ध्रुवतारा विष्णु की गोद में बैठा नन्हा ध्रुव है। दूसरे स्तर पर यह एक रूपकात्मक कहानी है। इसमें एक पिता अपने दोनों बेटों को समान महत्व और प्रेम देने के लिए तैयार नहीं हैं। राजा के इस पक्षपात के कारण वे बेटों से समान प्रेम नहीं करते, जिससे उनके राज्य में असंतोष पैदा होता है। इस प्रकार इस कहानी में मानव व्यवहार और आचरण का वर्णन है। रूपक के उपयोग से वह बताती है कि कैसे मानवीय इच्छाओं से भौतिक संसार में पीड़ा का निर्माण होता है। इस इच्छा को दूर करने का एकमात्र तरीका भगवान का भक्त बनना है। यह कहानी भक्ति परंपरा से आई है, जो 1500 साल पहले भारत में उभरी और जिसका 500 साल पहले विस्तार हुआ। इस कहानी को बहुधा बालकथा के रूप में सुनाया जाता है, इस कहावत के साथ कि उत्तर की ओर देखकर हम ध्रुव की दृढ़ भक्ति के बारे में जान सकते हैं, जो न केवल भगवान को पृथ्वी पर लाया, बल्कि ध्रुव को स्वर्ग तक उन्नत किया।

'ज्ञान' पर 'नियंत्रण' से शोध, प्लेसमेंट और रैंकिंग में गिरावट

● पी. चिदंबरम ●

> विश्वविद्यालयों पर व्यापक नियंत्रण से उच्च शिक्षा को कोई लाभ हुआ है? कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय दुनिया के शीर्ष सौ विश्वविद्यालयों (क्यूएस द्वारा तैयार) में स्थान नहीं बना पाया है। सर्वोच्च 'रैंक' वाला भारतीय विश्वविद्यालय आइआइटी, बांबे है, जिसने 118वां स्थान प्राप्त किया है।

विश्वविद्यालय अपनी स्वतंत्रता का त्याग नहीं करेगा, न अपने संवैधानिक अधिकारों को छोड़ेगा। इसके प्रशासन का विधान संघीय सरकार की शक्ति से परे है और यह ज्ञान की खोज, उत्पादन और प्रसार के लिए समर्पित एक निजी संस्थान के तौर पर हमारे मूल्यों को खतरे में डालता है। कोई भी सरकार- चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में हो- यह तय नहीं कर सकती कि निजी विश्वविद्यालय क्या पढ़ा सकते हैं, वे किसे प्रवेश दे सकते हैं, किसे काम पर रख सकते हैं, और वे किस क्षेत्र में अध्ययन और जांच कर सकते हैं।'

विश्वविद्यालय प्रशासन में कथित हस्तक्षेप के जवाब में किस भारतीय विश्वविद्यालय के कुलपति ने ऐसा कहा? इसका उत्तर है- 'किसी ने नहीं'। ये शब्द हावर्ड विश्वविद्यालय (संयुक्त राज्य अमेरिका से भी पुराना) के अध्यक्ष एलन गार्बर के हैं। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की अवहेलना की, जो मानते हैं कि वे पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को 2.2 अरब अमेरिकी डालर के अनुदान और छह करोड़ अमेरिकी डालर के अनुबंधों को रोक कर जवाबी कार्रवाई की, लेकिन विश्वविद्यालय ने झुकने से इनकार कर दिया। पिछले महीने कोलंबिया विश्वविद्यालय को 40 करोड़ अमेरिकी डालर की संघीय धनराशि देने से मना कर दिया गया, जिसके कारण उसे हार माननी पड़ी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की वेबसाइट के अनुसार, 25 जनवरी, 2023 तक भारत में 1074 विश्वविद्यालय थे, जिसका ब्योरा इस प्रकार है- राज्य विश्वविद्यालय- 460; मान्य विश्वविद्यालय- 128; केंद्रीय विश्वविद्यालय- 56; निजी विश्वविद्यालय- 430; कुल- 1074; इस संख्या में, आजादी से बहुत पहले, 1857 में स्थापित सबसे पुराने तीन विश्वविद्यालय शामिल हैं- कलकत्ता, मद्रास और बांबे। वैसे, यूजीसी और राज्यपाल-कुलपति के बीच मतभेदों के कारण, मद्रास विश्वविद्यालय अगस्त 2023 से बिना कुलपति के चल रहा है। संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और जिस तरह यूजीसी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 को लागू किया है, उसके चलते भारतीय विश्वविद्यालयों को कोई स्वायत्तता नहीं मिल पाई है। यह अधिनियम 'विश्वविद्यालयों में मानकों के समन्वय और निर्धारण के लिए प्रावधान करने' के लिए बनाया गया था। धारा 12 में यूजीसी को विश्वविद्यालयों में शिक्षण, परीक्षा और शोध के मानक निर्धारित करने और रखरखाव के लिए विश्वविद्यालयों को 'अनुदान' आबंटित करने और वितरित करने का अधिकार दिया गया है। 1984 में, इसमें धारा 12ए जोड़ी गई और धारा 14 में संशोधन किया गया, जिसने यूजीसी की शक्तियों का व्यापक विस्तार हुआ। धन की शक्ति के कारण यूजीसी को विश्वविद्यालयों के हर कार्य में दखल देने में सक्षम बनाया है। इन शक्तियों का उपयोग करते हुए, यूजीसी ने ऐसे 'विनियम' बनाए, जिसके कारण व्यावहारिक रूप से विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता खत्म हो गई है।

यूजीसी 'सर्वोच्च' है

यूजीसी (और यूजीसी के माध्यम से वैचारिक रूप से पक्षपाती केंद्र सरकार) का नियंत्रण शिक्षकों की नियुक्ति, पाठ्यक्रम के डिजाइन, शोध के क्षेत्रों, परीक्षाओं के डिजाइन और संचालन आदि तक फैला हुआ है। यूजीसी के कुछ हस्तक्षेपकारी नियमों पर नजर डालें।

सभी शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की योग्यता और नियुक्ति पर नियम-

- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)
- राष्ट्रीय पात्रता और प्रवेश परीक्षा (नीट);
- संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई);
- सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी);
- सीखने के परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम रूपरेखा (एलओसीएफ);
- चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस); और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा (एनआइआरएफ)।

चूंकि कुलपति कुछ 'अवशिष्ट' शक्तियों का प्रयोग करते थे, इसलिए यूजीसी ने कुलपतियों के चयन और नियुक्ति को नियंत्रित करने का फैसला किया। मेरे विचार में, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों के चयन और नियुक्ति में यूजीसी की कोई भूमिका नहीं है, खासकर कुलपति की नियुक्ति में। अगर इसकी अनुमति दी जाती है, तो यह विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीयकरण की दिशा में अंतिम कदम होगा। क्या विश्वविद्यालयों पर व्यापक नियंत्रण से उच्च शिक्षा को कोई लाभ हुआ है? कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय दुनिया के शीर्ष सौ विश्वविद्यालयों (क्यूएस द्वारा तैयार) में स्थान नहीं बना पाया है। सर्वोच्च 'रैंक' वाला भारतीय विश्वविद्यालय आइआइटी, बांबे है, जिसने 118वां स्थान प्राप्त किया है। संसद में एक जवाब में, सरकार ने खुलासा किया कि 21 अक्तूबर, 2024 तक, केवल केंद्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्त शैक्षिक पदों की संख्या 5,182 थी। शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति ने पाया कि आइआइटी स्नातकों के 'प्लेसमेंट' में गिरावट आई है। 2021-22 और 2023-24 के बीच 'प्लेसमेंट' में दस फीसद से अधिक की गिरावट आई है। एनआइटी स्नातकों के 'प्लेसमेंट' में भी 10.77 फीसद की गिरावट आई है। डा सीवी रमन, विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार (1930) पाने वाले एकमात्र भारतीय विश्वविद्यालय के उत्पाद थे। भारतीय विश्वविद्यालय कई बीमारियों से ग्रस्त हैं- कोई धर्मादा निधि नहीं, पूर्व छात्रों को कम सहायता, अपर्याप्त अनुदान और शोध अनुबंध, शैक्षणिक स्वतंत्रता की कमी, विशेष रूप से यूजीसी द्वारा अत्यधिक विनियमन, कुलाधिपति (राज्यपाल) और प्रो चांसलर (आमतौर पर शिक्षामंत्री) द्वारा हस्तक्षेप, और राजनेताओं और नौकरशाहों द्वारा हस्तक्षेप। शैक्षणिक स्वतंत्रता की कमी को एक उदाहरण से स्पष्ट किया जा सकता है- अब तक दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम चलाने वाले विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों सहित कहीं से भी छात्रों को दाखिला दे सकते थे। हाल ही में यूजीसी के एक विनियमन ने 'कैचमेंट एरिया' को राज्य के एक या दो जिलों तक सीमित कर दिया है, जहां विश्वविद्यालय स्थित है। विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं है और छात्र के पास दूरस्थ शिक्षा प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालयों का कोई विकल्प नहीं है। सबसे अधिक बुरी खबर यह है कि शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए जगह कम होती जा रही है। असहिष्णु समूहों ने जेएनयू, डीयू, जामिया मिल्लिया, एएमयू, जादवपुर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू सहित कई अन्य विश्वविद्यालयों (और उनके शिक्षकों और छात्रों) पर मौखिक और शारीरिक हमले किए गए हैं। जब तक यूजीसी अधिनियम को निरस्त नहीं किया जाता, पुनः परिकल्पित नहीं किया जाता और पुनः लागू नहीं किया जाता, तब तक विश्वविद्यालय की स्वायत्तता एक दूर की कौड़ी ही साबित होगी। जब तक पूर्व छात्रों के समर्थन से धर्मादा निधि नहीं बनाई जाती, तब तक शैक्षणिक स्वतंत्रता भ्रामक बनी रहेगी। आत्मनिर्भर सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के बजाय, धनी परिवारों और कारपोरेट्स (अपवादों के साथ) द्वारा प्रचारित और वित्तपोषित निजी विश्वविद्यालयों का प्रसार होगा। इरादा परोपकार का हो सकता है, लेकिन इसका नतीजा वाणिज्यिक होगा।

प्लेबॉय राजनीतिज्ञ नहीं हैं उमर अब्दुल्ला

● शोभा डे ●

अगर मैं अब राज्य का दर्जा मांगता हूं तो मुझ पर लानत हो..., जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए नृशंस आतंकवादी हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। उन्होंने आगे कहा, जब मैं परिवारों से मिला तो मेरे पास शब्द नहीं थे... वे बच्चे जिन्होंने अपने पिता को खून में लथपथ देखा... वह महिला जिसकी कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। 59 साल की उम्र में उमर इतिहास के एक अनोखे दौर से गुज़र रहे हैं। सिर्फ़ कश्मीरी नहीं, बल्कि भारतीय के तौर पर एक साथ खड़े होने का उनका आह्वान उनके संबोधन का सबसे उत्साहजनक हिस्सा था। उन्होंने माना कि वे बंदूक वाले आतंकवादी को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अगर लोग हमारे साथ हैं तो आतंकवाद को ज़रूर खत्म कर सकते हैं। उमर ने साहसपूर्वक और स्पष्ट रूप से कहा कि वह समय अब आ गया है।

यही वह बात है जो आहत और दुखी देश एक ऐसे नेता से सुनना चाहता है जो तात्कालिक प्रतिशोध की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शांति की बात कर रहा है। यह व्यक्ति केंद्र पर तंज कस सकता था और बड़ी सुरक्षा चूक के लिए अधिकारियों को दोषी ठहरा सकता था, जिसकी वजह से पहलगाम की बेमिसाल खूबसूरती का आनंद ले रहे निहत्थे लोगों की जान चली गई। उनके लिए यह राज्य का दर्जा मांगने और ऐसी मांग के समर्थकों से समर्थन हासिल करने का एक बेहतरीन राजनीतिक अवसर हो सकता था। लेकिन बजाए इन सबके, सामने आई उनकी वह परिपक्व प्रतिक्रिया, जिसमें सहानुभूति दिखाने के साथ घिनौने दोषारोपण के खेल का नामों निशान न था। इस प्रतिक्रया ने उमर के आलोचकों और विरोधियों को जीत लिया है। उमर की दिलचस्प राजनीतिक यात्रा किसी मनोरंजक फिल्म पटकथाओं की तरह है। निश्चित रूप से, इनके लिए भी एक बायोपिक का इंतजार है? पीढ़ियों से एक तेजतर्रार, जीवन में बड़े व्यक्ति रहे उनके पिता फारूक अब्दुल्ला भी घातक हमलों के बाद अपनी टिप्पणी से लोगों का दिल नहीं जीत पाए। पहलगाम घटना के बाद भारत को पाकिस्तान को कैसे जवाब देना चाहिए, यह पूछे जाने पर उन्होंने मजाक उड़ाते हुए कहा, मोदी से पूछो। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता के रूप में, संभावित रूप से भड़काऊ स्थिति को शांत करने में उनके विचार महत्वपूर्ण थे। लेकिन फारूक ने सवाल को टालकर पूर्वानुमानित रास्ता चुना। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम के रूप में, जिन्होंने कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत का लगातार समर्थन किया है, उनकी राय राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा उत्सुकता से मांगी जाती है। दुखद परिस्थितियों को देखते हुए हमले की पूरी तरह निंदा करना सही रास्ता होता। कुछ साल पहले, श्रीनगर में एक संक्षिप्त छुट्टी के दौरान, मैंने उमर से मिलने की इच्छा जताई थी – यह एक आकस्मिक सामाजिक मुलाकात से ज्यादा कुछ नहीं था। मैं उनके पिता को थोड़ा-बहुत जानती थी और मेरा बेटा श्रीनगर के गोल्फ कोर्स में उनसे [फारूक] मिलकर रोमांचित था। उमर नाश्ते पर मिलने के लिए सहमत हो गए थे, क्योंकि हम उसी दोपहर को जा रहे थे। किले जैसी सुरक्षा के साथ विशाल अब्दुल्ला एस्टेट में प्रवेश करना अपने आप में एक अनुभव था। उनके चुनावी हलफनामे के अनुसार, उमर के पास अपना कोई घर, जमीन, कार या कोई अन्य अचल संपत्ति नहीं है – लेकिन वे हमेशा एक अरबपति की तरह रहते हैं। कश्मीरी कहवा और कुकीज़ के साथ, हम सुरुचिपूर्ण परिवेश में विनम्रता से बातें करते रहे, सतर्क सुरक्षा कर्मियों ने सावधानी से हमारी निगरानी की। जो बात सबसे अलग थी, वह उमर का बच्चों जैसा आकर्षण या सुडौल शरीर नहीं था – बल्कि वह जुनून था जिसके साथ वे घाटी के बारे में बात करते थे। यह स्पष्ट था कि वे राजनीतिक खेल नहीं खेल रहे थे, बल्कि वे गहराई से जुड़े हुए थे। और अपने राज्य के भविष्य में एक प्रतिबद्ध हितधारक थे। यह कोई प्लेबॉय राजनेता नहीं था जो अपने विशेष पद का लाभ उठा रहा हो। इतने सालों बाद, एक बार फिर मैंने उसी भावना का अनुभव किया, जब मैंने एक घायल जगह से उनकी समझदारी भरी आवाज़ सुनी – हमारा प्यारा कश्मीर, जो भारत का गौरव है। उमर अपने लोगों का साहस और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करना जारी रखें।

> उमर ने साहसपूर्वक और स्पष्ट रूप से कहा कि वह समय अब आ गया है। यही वह बात है जो आहत और दुखी देश एक ऐसे नेता से सुनना चाहता है जो तात्कालिक प्रतिशोध की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शांति की बात कर रहा है। यह व्यक्ति केंद्र पर तंज कस सकता था और बड़ी सुरक्षा चूक के लिए अधिकारियों को दोषी ठहरा सकता था।

मो. रफी अपने अतीत को कभी नहीं भूले...

गायकी की दुनिया में सबसे ऊंचा मुकाम बनाने वाले मोहम्मद रफी अपने करियर के शुरुआती दिनों में, स्टूडियो तक पैदल ही जाते थे, क्योंकि उनके पास लोकल रेल के टिकिट के पैसे भी नहीं होते थे। और कई बार ऐसा भी होता था कि उन्हें रेलवे स्टेशन पर समय बिताना पड़ता था, ताकि रिकॉर्डिंग रद्द न हो जाए। एक बार नौशाद ने किसी कारण से अपने गाने की रिकॉर्डिंग रद्द कर दी जिसमें मोहम्मद रफी कोरस गायक थे। बाकी सभी कलाकार एक-एक करके स्टूडियो से चले गए लेकिन रफी अभी भी हाथ जोड़कर चुपचाप खड़े थे।

रफी को देखकर नौशाद साहब ने उनसे पूछा- आप अभी तक यहां क्यों खड़े हैं? तब रफी साहब ने इधर-उधर देखा और बहुत झिझक के साथ जवाब दिया- जनाब मेरे पास केवल एक ही रुपया था जिससे मैं यहां तक तो आ गया, लेकिन वापस जाने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है...। यह सुनकर नौशाद ने उन्हें वापस लौटने के लिए एक रुपया दिया, लेकिन रफी ने वह रुपया खर्च नहीं किया और फिर से पैदल ही लौट गए। कुछ वर्षों के बाद जब मोहम्मद रफ़ी एक स्थापित गायक बन गए, तो उन्होंने उस रुपये को अपने ड्राइंग रूम में एक सुनहरे फ्रेम में रख दिया। एक इंटरव्यू में रफी ने कहा था कि वह रुपया उनके संघर्षों का गवाह है। इस प्रकार, वह अपने अतीत को कभी नहीं भूले।

दवा की उम्र निकल गई तो खुद बन जाएगी मर्ज

● विवेक एस अग्रवाल ●

> कई दवाएं समय पार करने के बाद विषैली हो जाती हैं। इसलिए दवाओं का तर्कसंगत उपयोग के बाद सही ढंग से निस्तारण भी किया जाए।

बीमारी का इलाज कराने तक तो दवा अमृत है, लेकिन अवधि पार होने या आवश्यकता से अधिक खरीदे जाने की अवस्था में इसके निस्तारण की मौजूदा प्रक्रिया न सिर्फ पर्यावरण को, अपितु लोगों को भी प्रभावित करती है। आम तौर पर भारत में बिना डॉक्टर की सलाह दवाइयां खरीदने का चलन है। थोड़ी-सी दवा लेने के बाद लाभ होने पर दवा को रोक देने का भी चलन है। ऐसे में आम तौर पर घर में रखी हुई दवाओं की उम्र समाप्त हो जाती है, फिर वो दवा इलाज देने की जगह बीमार करने लगती है। सामान्यतः लोगों को यह एहसास भी नहीं होता कि अनुपयोगी दवा को कूड़ा समझकर फेंक देने से क्या-क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं। यह एक गंभीर समस्या है, जिसमें लगातार वृद्धि हो रही है। जाहिर है, इसका एक कारण जानकारी का अभाव है, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा की जाने वाली पैकिंग नीति भी इसके लिए कम दोषी नहीं है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, घरों पर एकत्रित हो रही दवाओं में लगभग 30 फीसदी दर्द निवारक, 17 फीसदी विटामिन और 11 फीसदी मरहम या अन्य गोलियां पाई जाती हैं, जो अनुपयोगी होने के कारण बाद में फेंक दी जाती हैं। एक अन्य सर्वे के अनुसार, भारत में हर घर से 10 से 70 प्रतिशत अनुपयोगी एवं अवधि पार दवाइयां फेंक दी जाती हैं। इनमें भी लगभग तीन-चौथाई घरों में तो विगत तीन वर्षों में खरीदी गई लगभग 70 फीसदी दवाओं को कूड़े के साथ निस्तारित किया गया। दवाओं के सेवन के बारे में विज्ञापन एवं जागरूकता अभियान तो चलते रहते हैं, लेकिन इनके निस्तारण को लेकर जानकारियों का अभाव है। गौरतलब है कि सामान्य तौर पर दवाओं के निर्माण में अनेक रासायनिक पदार्थों के साथ ही जीवांश जैसे हार्मोन्स, हेपेरिन, इन्सुलिन जैसे पदार्थ भी मिलाए जाते हैं। कुछ कैप्सूल पौधों से उत्पन्न स्टार्च आदि से बनते हैं, तो बड़ी मात्रा में कैप्सूल का निर्माण जीवों की त्वचा, हड्डियों एवं अन्य ऊतकों से बने जेलेटिन द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त निर्माण की प्रक्रिया में और भी कई प्रकार के जीवों से उत्पन्न अवयव उपयोग में लाए जाते हैं। दवाओं के निर्माण में लगे ये रसायन एवं जैविक अंश शारीरिक क्रिया को प्रभावित करने में पूर्णतः सक्षम होते हैं। ये दवाइयां बीमारी के समय तो शरीर को राहत पहुंचाती हैं, लेकिन बिना परामर्श के सेवन नवीन विकृतियों को आमंत्रण देती है। इसी प्रकार दवाओं की अवधि पार होने पर उनमें आए बदलाव और विघटन के कारण सेवन करने पर नुकसान की आशंका प्रबल हो जाती है। वैसे तो दवाओं का उपभोग मात्र चिकित्सकीय परामर्श के अधीन ही होना चाहिए, लेकिन विक्रय पर अंकुश नहीं होने के कारण वे सहज उपलब्ध हो जाती हैं। वर्तमान दौर में जब ऑनलाइन दवाइयां घर में सुलभ हो रही हैं, जिससे नियम-कायदों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं, क्योंकि इन प्लेटफॉर्म से बिना चिकित्सक की पर्ची की जांच के, मात्र टेलीफोन वेरिफिकेशन के आधार पर दवाइयां उपलब्ध करा दी जाती हैं। दवाइयां जहां एक ओर अनौचित्यपूर्ण उपयोग के कारण मानव को नुकसान पहुंचाती हैं, वहीं इनके अवैज्ञानिक निस्तारण से भूमि, जल और वायु भी प्रदूषित हुए बिना नहीं रहते। आम कचरे के साथ निस्तारण की अवस्था में ये दवाइयां रासायनिक प्रवृत्ति के कारण कचरे और भूमि में व्यापक परिवर्तन लाने के साथ कचरे से उत्पन्न मृदा अथवा खाद के माध्यम से वानस्पतिकी को भी प्रभावित करती हैं। इस निस्तारण की प्रक्रिया में जीव-जंतुओं और पशु-पक्षियों द्वारा भी निस्तारित दवा को ग्रहण कर लिया जाता है, नतीजतन उनमें जैविक परिवर्तन एवं उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) होना भी पाया गया है। जैविक परिवर्तन से ग्रसित पशु-पक्षियों का मानव द्वारा भक्षण करने पर मानव स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है, जो भविष्य के लिए एक गंभीर आशंका को जन्म देता है। यह भी पाया गया है कि कुछ दवाइयां जहां अपनी निर्धारित अवधि में एक बीमारी का इलाज करती हैं, वही अवधि पार होने पर वह विघटित होकर उसके समकक्ष दूसरी बीमारी का कारक बन जाती हैं। इसी प्रकार, अनेक दवाइयां अवधि पार होने के साथ ही विषैले पदार्थ में तब्दील हो जाती हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि दवाओं का मात्र तर्कसंगत उपयोग तो किया ही जाए, उनका सही ढंग से निस्तारण भी किया जाए। दुर्भाग्यवश अभी इसके लिए सरकारी या गैर-सरकारी स्तर पर पहल नहीं हो रही है। पूर्व में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा दवा बैंक का काफी प्रचलन था, जहां बची हुई दवाओं का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाता था। निर्माताओं, विक्रेताओं पर नियंत्रण के साथ उपभोक्ताओं के स्तर पर भी व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। दवाइयां मात्र चिकित्सकीय परामर्श से ही ली जाएं, निर्धारित पूर्ण खुराक ली जाए एवं उपयोग के बाद बची हुई दवा को, यदि दवा बैंक जैसी व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, तो उसे अस्पताल के जैविक कचरे के साथ उच्च तापमान पर जलाने हेतु भेज दिया जाए।

संक्षिप्त खबरें

बारहवीं के समकक्ष होगा पॉलिटेक्निक कोर्स

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में दाखिले को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत पॉलिटेक्निक का दो साल पूरा करने वाले विद्यार्थियों को 12वीं पास के समकक्ष माना जाएगा। यह प्रस्ताव माध्यमिक शिक्षा मंडल को भेजा गया है और यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो शैक्षणिक सत्र 2025-26 से यह व्यवस्था लागू हो सकती है। तकनीकी शिक्षा विभाग वर्तमान में नये कोर्स को तैयार कर प्रवेश कराने के लिए काउंसलिंग की तैयारी में जुटा हुआ है। वर्तमान में पॉलिटेक्निक डिप्लोमा तीन साल का होता है और इसे करने के बाद विद्यार्थी सीधे बीई के सेकंड ईयर में प्रवेश के पात्र होते हैं, लेकिन अब तक पॉलिटेक्निक करने वालों को कॉमर्स, आर्ट्स या अन्य मेन स्ट्रीम्स में प्रवेश नहीं मिल पाता है, जिससे वे मुख्यधारा की उच्च शिक्षा से कट जाते थे। इसके चलते कई विद्यार्थी पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेने से हिचकिचाते हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा संस्थानों में दाखिले घटे हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के मुताबिक कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा।

स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों को किया नमन

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 मई 1857 की ऐतिहासिक क्रांति दिवस पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों और देशभक्तों को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, जब मां भारती की स्वतंत्रता का बिगुल पहली बार फूंका गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आज उन सभी विभूतियों, सेनानियों और पराक्रमी शूरवीरों को कोटि-कोटि नमन, जिन्होंने मातृभूमि को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 मई 1857 के दिन को भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता की चेतना का जागरण दिवस बताया।

मनोज कुमार पर केंद्रित फिल्म समारोह 14 से

जागरण, भोपाल। बहुकला केन्द्र भारत भवन में 14 मई से एकाग्र फिल्म समारोह का आयोजन किया जा रहा है। 18 मई तक चलने वाले इस फिल्म समारोह में महान फिल्मकार, अभिनेता और निर्देशक मनोज कुमार पर केंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन होगा। फिल्म समारोह में प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्मों को प्रदर्शित किया जायेगा।

डांगुरली बैराज व बाघ नदी पर वियर निर्माण पर बनी सैद्धांतिक सहमति

मंत्रालय में हुई अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की बैठक, मप्र-महाराष्ट्र ने मिलकर लिए कई अहम फैसले

विशेष संवाददाता, भोपाल। मंत्रालय में शनिवार को मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की बैठक हुई। जिसमें दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्री, वहां के जल संसाधन मंत्री के अलावा विभागीय अधिकारी भो मौजूद रहे। चर्चा के बाद ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना के एमओयू पर हस्ताक्षर की सहमति बनी। इसी के साथ बैठक में बाणगंगा नदी पर डांगुरली बैराज का निर्माण, बाघ नदी पर वियर का निर्माण और लावाघोघरी-तोतलाडोह जल विनिमय योजना पर भी चर्चा की गई, जिन पर दोनों राज्यों के बीच सैद्धांतिक सहमति बनी।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों की संयुक्त परियोजना है। इस योजना से मध्यप्रदेश के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में एवं महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई प्रस्तावित है. योजना में भूजल भंडारण का विस्तार किया जाएगा, जिससे प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा तहसीलें लाभान्वित होंगी।

साहसी योद्धाओं के स्वर्णिम इतिहास पर दोनों राज्यों को गर्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मराठा राजशाही का संबंध मध्यप्रदेश से रहा है। साहसी योद्धा बाजीराव पेशवा सहित होलकर, शिंदे (सिंधिया), तात्या टोपे, रानी लक्ष्मी बाई, अप्पाजी भोंसले से जुड़े इतिहास के गौरवशाली दस्तावेजों के संकलन और डिजिटलाइजेशन के कार्य भी किए जायेंगे। इसी क्रम में मोडी लिपि की पांडुलिपियों को संरक्षित करने और उनके प्रकाशन में दोनों राज्य सहभागिता कर सकते हैं। प्रदेश में मोडी लिपि के लगभग 21 लाख दस्तावेज संरक्षित किए जा चुके हैं।

परियोजना में मुख्य रूप से चार जल संरचनाएं की गईं प्रस्तावित

खरिया गुटीघाट बांध स्थल पर लो डायवर्सन वियरः यह वियर दोनों राज्यों की सीमा पर मध्य प्रदेश की खंडवा जिले की खालवा तहसील एवं महाराष्ट्र की अमरावती तहसील में प्रस्तावित है. इसकी जल भराव क्षमता 8.31 टीएमसी प्रस्तावित है।

दाई तट नहर प्रथम चरणः प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियहर दाएं तट से 221 किलोमीटर लंबी नहर प्रस्तावित है, जो मध्य प्रदेश में 110 किलोमीटर बनेगी. इस नहर से मध्य प्रदेश के 55 हजार 89 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

बाई तट नहर प्रथम चरणः प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के बाएं तट से 135.64 किलोमीटर लंबी नहर प्रस्तावित है जो मध्यप्रदेश में 100.42 किलोमीटर बनेगी। इस नहर से मध्यप्रदेश के 44 हजार 993 हेक्टर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है।

बाईं तट नहर द्वितीय चरणः यह नहर बाईं तट नहर प्रथम चरण के आर डी 90.89 किमी से 14 किलोमीटर लम्बी टनल के माध्यम से प्रवाहित होगी। इसकी लंबाई 123.97 किलोमीटर होगी, जिससे केवल महाराष्ट्र के 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। इससे किसानों को फायदा होगा।

जबलपुर-नागपुर कॉरिडोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश से फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स तथा कृषि उत्पादन का महाराष्ट्र के विभिन्न बंदरगाहों के माध्यम से काफी निर्यात होता है। महाराष्ट्र के विभिन्न बंदरगाहों में एक डेडिकेटेड निर्यात सुविधा प्रकोष्ठ के गठन की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। जबलपुर से नागपुर के मध्य एक डेडिकेटेड फ्रंट कॉरिडोर बन जाने से मध्य भारत क्षेत्र में माल परिवहन में भाड़ा, समय और लागत की अत्यधिक बचत संभव होगी।

आध्यात्मिक और पर्यटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनेक तीर्थ दोनों राज्यों और देश के नागरिकों के आस्था केंद्र हैं। मप्र के दोनों ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर और श्री ओंकारेश्वर को महाराष्ट्र के ज्योतिर्लिंग श्री त्र्यंबकेश्वर, श्री भीमाशंकर व श्री घृष्णेश्वर से जोड़कर धार्मिक पर्यटन सर्किट विकसित किया जा सकता है। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर का महाराष्ट्र से संबंध था। बुनकर समाज के हित में महेश्वर सहित मालवा के अन्य स्थानों पर प्रशिक्षण और व्यवसाय उन्नयन के प्रयास किए जा रहे हैं। लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के सांस्कृतिक, धार्मिक और सुशासन क्षेत्र के योगदान से दोनों प्रदेशों के प्रमुख नगरों में लाइट एण्ड साउंड शो, नाटक मंचन के माध्यम से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करवाया जा सकता है। आगामी 20 मई को राजवाड़ा इंदौर में कैबिनेट बैठक का आयोजन लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के सम्मान में हो रहा है।

भारत-पाक में तनाव के बीच प्रदेशभर में साइबर हमले का जोखिम बरकरार

पीएचक्यू ने जारी की गाइडलाइन, जारी रहेगी सोशल मीडिया पर निगरानी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भारत-पाक में तनाव के बीच साइबर हमले का जोखिम बरकरार है। खासतौर पर पड़ोसी मुल्क प्रदेश की सरकारी एजेंसियों, सैन्य कर्मी संस्थानों और बुनियादी ढांचों को निशाना बना सकते हैं। इसे लेकर शनिवार को पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में प्रदेश के नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए भारत-पाक संघर्ष को लेकर वाट्सएप, टेलीग्राम, ईमेल, रील और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर वायरल फेक जानकारी से अलर्ट रहने को कहा है। पीएचक्यू के अनुसार मोबाइल या अन्य साधनों के जरिए वीडियो, फोटो, इमेज के साथ अगर डॉट ईएक्सई या फिर डॉट एपीके लगा हुआ आए तो उस मैसेज को खोलें नहीं। यह विरोधी देश की फिशिंग मेल, फेक लॉगइन पेज और मेलिशियस अटैचमेंट जैसी साइबर रणनीति का हिस्सा हो सकती है। एडवाइजरी के मुताबिक कुछ साइबर अपराधी समाचार

अथवा सूचनाओं से संबंधित विशेष अपडेट, संघर्ष संबंधी जानकारी के लीक फुटेज जैसे संदेश के साथ इसे यूआरएल लिंक या अज्ञात नंबरों से लोगों को भेज रहे हैं। लोगों को चकमा देने के लिए ये साइबर अपराधी लिंक को मिलते जुलते नामों से बनाकर लोगों के मोबाइल पर भेजकर व्यक्तिगत डेटा चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी शेयर की तो होगी कार्रवाई

शनिवार को भोपाल के कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सोशल मीडिया के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। कलेक्टर ने अपने आदेश में लिखा है कि सोशल मीडिया माध्यमों पर अपुष्ट और भ्रामक सूचनाएं, पोस्ट, वीडियो, रील्स अपलोड और फॉरवर्ड किये जाने की सूचनाएं लगातार मिल रही है। ऐसे में अब कोई भी व्यक्ति या संस्था सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स आदि) पर भ्रामक या आपत्तिजनक कंटेंट न तो अपलोड करे और न ही इसे फॉरवर्ड और वायरल करे। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एडवाइजरी के जरिए ऐसे करें बचाव

- वाट्सएप या टेलीग्राम पर अनजान फोन नंबर से भेजे गए वीडियो या इमेज फाइल को ओपन न करें।
- ऐसे मैसेज को तत्काल डिलीट करें और किसी को फॉरवर्ड न करें।
- केवल गूगल प्ले स्टोर से ही एप इंस्टॉल करें।
- विवादित अपडेट या संवेदनशील फुटेज का दावा करने वाले लिंक पर क्लिक न करें।
- अगर किसी वाट्सएप ग्रुप में भड़काऊ या झूठा कंटेंट शेयर हो रहा है तो संदिग्ध ग्रुप से एग्जिट हो जाएं और इसे रिपोर्ट करें। इसके बाद ग्रुप को डिलीट कर दें।
- सभी लोग अपने वाट्सएप की सेटिंग के अंदर स्टोरेज और डाटा पर जाकर फोटो, वीडियो डॉक्यूमेंट ऑटो डाउनलोड को तत्काल डिसेबल करें।
- अकाउंट हैक होने से बचाने के लिए वाट्सएप सेटिंग में जाकर 2 स्टेप वेरिफिकेशन इनेबल करें।
- किसी भी दुष्प्रचार भरे संदेश या गतिविधि की शिकायत 1930 या ष्वद्बह्ष्द्बद्दद्द.द्ध1.द्बह्ल पर भी करें। और किसी भी तरह का हृअक्क किसी के साथ शेयर न करें।
- अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए ईमेल न खोलें।
- अनचाहे ईमेल से आए अटैचमेंट को डाउनलोड करने या ओपन करने के ऑप्शन पर क्लिक न करें।
- सभी ईमेल खातों में भी 2 फैक्टर ऑथेंटिकेशन इनेबल करें।
- केवल अपडेट एंटीवायरस का उपयोग करें और स्पैम फिल्टर को इनेबल कर दें।
- भारत-पाक संघर्ष पर अपडेट या सूचनाएं जानने के लिए केवल सत्यापित समाचार चैनल और सोशल मीडिया हैंडल का ही उपयोग करें।
- संवेदनशील समाचारों की पुष्टि के लिए फैक्ट चेकर का उपयोग करें।
- क्लाउड स्टोरेज और महत्वपूर्ण डाटा का नियमित बैकअप लें।
- किसी भी असत्यापित सामग्री कंटेंट को शेयर न करें।

भोपाल-रूस के स्मोलेंस्क शहर के बीच सिस्टर सिटी समझौता

दोनों शहर करेंगे सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश की राजधानी भोपाल और रूस के ऐतिहासिक शहर स्मोलेंस्क अब सिस्टर सिटी बन गए हैं। रूस के स्मोलेंस्क में विक्ट्री डे परेड के मौके पर वहं के मेयर एलेक्जेंडर नोवीकोव ने भोपाल की महापौर मालती राय के साथ इस संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनों शहर अब आपसी सहयोग के जरिए दूसरे के साथ सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देंगे। ये एमपी के किसी भी शहर का किसी अन्य राष्ट्र के साथ इस तरह का पहला एमओयू है। भोपाल और स्मोलेंस्क दोनों ही शहरों में काफी हद तक समानता है। दोनों ही शहरों में झीलें, हरियाली और सांस्कृतिक विरासत का भंडार है। इस दौरान दोनों शहरों के महापौरों ने कहा कि अब दोनों शहर साथ मिलकर इस साझा विरासत को भी आगे बढ़ाएंगे। भोपाल की महापौर मालती राय समेत राजधआनी के एक प्रतिनिधिमंडल को रूस ने विक्ट्री डे कार्यक्रम में बतौर अतिथि आमंत्रित किया था। स्मोलेंस्क में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर निगम की अपर आयुक्त टीना यादव, एमपी चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव प्रवीण आचार्य और रूस में भारत के प्रतिनिधि प्रभांशु श्रोत्रिय भी इस दौरान मौजूद रहे। भोपाल में बड़ा तालाब के किनारे होगा अगला आयोजन इस दौरान भोपाल की मेयर ने बताया कि दोनों सिस्टर सिटीज के लिए जल्द ही भोपाल के बड़े तालाब के किनारे एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, इसमें स्मोलेंस्क के गवर्नर, मेयर और अन्य अधिकारियों को भी बुलाया जाएगा। भोपाल स्वच्छ भारत मिशन के तहत दो बार देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर रहा है और दो बार सस्टेनेबल कैपिटल का खिताब भी जीत चुका है। इसके अलावा भोपाल को देश की सबसे स्वच्छ राजधानी का दर्जा भी हासिल है। इस अनुबंध के जरिए अब भोपाल के विद्यार्थी स्मोलेंस्क में उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण ले सकेंगे और वहां के विद्यार्थी भोपाल आकर पढ़ सकेंगे। इसके अलावा दोनों शहरों के बीच लोक-कला और परंपरा, पर्यटन, हस्तशिल्प और लघु उद्योग के साथ तकनीकी सहयोग भी होगा। इसका फायदा दोनों शहरों को मिलेगा।

बुजुर्ग को लिफ्ट देने का कहकर कार में बिठाया, किडनैप कर मांगे 10 लाख

जागरण, मुरैना। शहर के पोरसा में एक बुजुर्ग को किडनैप करने का मामला सामने आया है। कुछ लोगों ने बुजुर्ग को किडनैप कर लिया। आरोपी उसे एक मकान में ले गए, जहां उन्होंने दो महिलाओं के साथ उसके फोटो लिए और बुजुर्ग को दुष्कर्म की धमकी देकर 10 लाख रुपए मांगे। इस दौरान उसकी जेब में रखे 78 हजार रुपए भी लूट लिए।आरोपियों के सामने ही बुजुर्ग ने बेटे को फोन कर अपने अकाउंट में रुपए ट्रांसफर करने के लिए कहा। इसके बाद आरोपी रुपए निकालने बुजुर्ग को बैंक ले गए। जब बेटे को शक हुआ तो वह भी बैंक पहुंच गया और पुलिस को सूचना दी। परिजन को देखकर आरोपी बैंक से भाग निकले। बैंक पहुंची पुलिस को बुजुर्ग और उसके बेटे ने मामले की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। बुजुर्ग कल्याण सिंह तोमर (60) ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को मैं बस से अपने घर पोरसा से विजयपुर जा रहा था। मुरैना के वैरियर क्षेत्र में जैसे ही बस से उतरा, एक कार आकर रुकी। उसमें सवार लोगों ने विजयपुर तक लिफ्ट देने की बात कही। मैं कार में बैठ गया। वे मुझे जौरा में एक मकान में ले गए। यहां दो महिलाओं के साथ मेरे फोटो लिए। इसके बाद रेप के मामले में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख की मांग की।

ठेकेदारी करता है बुजुर्ग

बुजुर्ग ने बताया कि वह ठेकेदारी करता है। श्योपुर जिले के विजयपुर में उनका सड़क का ठेका चल रहा है, इसलिए 78 हजार रुपए लेकर जा रहे थे। वहीं, 4 दिन पहले बुजुर्ग के बेटे का लगन फलदान कार्यक्रम हुआ है। कुछ दिन में उसकी शादी होने वाली है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

परिजनों की सूचना के बाद कोतवाली पुलिस बैंक पहुंची। इसके बाद कल्याण सिंह सिविल लाइन थाने में आवेदन देने पहुंचे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में पति ने की पत्नी के प्रेमी की हत्या, थाने पहुंचकर किया सरेंडर

दिनभर पत्नी और उसके प्रेमी के साथ घूमा

जागरण, इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र के श्रीराम नगर में शनिवार अलसुबह एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी राजू यादव खुद थाने पहुंचा और पूरी घटना पुलिस को बताकर सरेंडर कर दिया। मामला एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर से जुड़ा है, जिसमें आरोपी की पत्नी ने पति को छोड़ मृतक के साथ रहने लगी थी। मृतक की पहचान बाबू सोना बैरागी (33), निवासी श्रीराम नगर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला था और पिछले कुछ महीनों से इंदौर में एक क्लाउड किचन में कुक के तौर पर काम कर रहा था। पुलिस ने शव को एमवाय अस्पताल भिजवाया और आरोपी को हिरासत में ले लिया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि आरोपी राजू यादव मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। उसकी पत्नी का बाबू सोना बैरागी से प्रेम-प्रसंग था। वह पति को छोड़कर बाबू के साथ रहने लगी थी।

हिरासत में आरोपी से पूछताछ जारी

घटना का खुलासा होने के बाद पुलिस ने आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इस वारदात में कोई और भी शामिल था। मैनेजर विकास सिंह ठाकुर ने बताया कि बाबू पिछले चार-पांच महीने से क्लाउड किचन में बतौर कुक के तौर पर काम कर रहा था।

आरटीओ का पूर्व आरक्षक सौरभ हाईकोर्ट की शरण में

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस पीके अग्रवाल की एकलपीठ ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भ्रष्टाचार के प्रकरण में आरोपित बनाए गए आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जमानत अर्जी पर सुनवाई 19 मई तक के लिए बढ़ा दी है। दरअसल प्रिवेंशन आफ मनी लाड्रिंग एक्ट (पीएमएल एक्ट) के तहत प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मामले में भोपाल की जिला सत्र न्यायालय ने 24 अप्रैल 2025 को जमानत अर्जी निरस्त कर दी थी। उल्लेखनीय है कि 17 दिसंबर को सौरभ के ठिकानों पर छापेमारी में उसके घर से करोड़ों रुपये कैश और दो क्विटल चांदी की सिल्लियां भी मिली थीं। उसके दोस्त की कार से 54 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये से अधिक कैश बरामद हुआ था। इस मामले में आयकर विभाग, लोकायुक्त, डायरेक्टोरेट आफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस, ईडी और ग्वालियर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। ईडी द्वारा दर्ज मामले में जमानत का लाभ पाने यह अर्जी हाईकोर्ट में दायर की गई है। सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से अधिवक्ता दीपेश जोशी, कासिम अली और ईडी की ओर से अधिवक्ता विक्रम सिंह खड़े हुए। जिसके बाद न्यायालय ने मामले की सुनवाई 19 मई तक के लिये बढ़ा दी।

डीआरएम सहित अन्य से मांगा जवाब

जबलपुर। रेलवे के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी द्वारा सेवानवृत्ति के 10 दिन पूर्व रिकवरी निकालने को केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण में चुनौती दी है।

आंदोलन के एक सप्ताह में भेजे पांच हजार पोस्टकार्ड

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच ने प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ देने के आदेश शासन से प्रसारित करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम पोस्टकार्ड आंदोलन के तहत एक सप्ताह में 5000 पोस्टकार्ड विभिन्न जिलों से भेज दिए हैं। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि 9 साल से प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं दिया जा रहा है। डेढ़ लाख कर्मचारी बिना पदोन्नति सेवानिवृत हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने अप्रैल में घोषणा करी थी कि शीघ्र ही पदोन्नति का लाभ देने के आदेश प्रसारित किए जाएंगे, लेकिन अभी तक आदेश प्रसारित नहीं किए हैं। जिस कारण प्रदेश के साढे सात लाख कर्मचारियों में असंतोष का वातावरण निर्मित हो गया है। प्रदेश के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ न देने के आदेश सुप्रीम कोर्ट हाई कोर्ट एवं सामान्य प्रशासन विभाग ने भी जारी नहीं किए हैं, फिर भी 9 साल से अघोषित रूप से पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगी है। मप्र कर्मचारी मंच ने प्रदेश के 55 जिलों से मुख्यमंत्री यादव के नाम पदोन्नति का लाभ प्रदेश के कर्मचारियों को देने के आदेश प्रसारित करने की मांग का लिखा हुआ पोस्टकार्ड लिखना तीन मई शुरू कर किया था।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार मां-बेटे को रौंदा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार मां-बेटे को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई, जबकि किशोरी की हालत गंभीर है। तीनों शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। सूखी सेवनिया निवासी 40 वर्षीय देवी सिंह पिता बटनलाल खेती किसानी करते थे। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे वह अपनी मां प्रेम बाई (70) और बेटी देवी (14) को बाइक पर बैठाकर एक शादी समारोह में शामिल होने बैरसिया जा रहे थे। वे ग्राम रतुआ में पचौरी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे कि सामने से आई कार क्रमांक एमपी 67 सी 4630 के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर, चालक थाने पहुंचा और कार छोड़कर भाग निकला। रिश्तेदारों ने पहुंचाया अस्पताल देवी सिंह के साथ अन्य रिश्तेदार भी शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे जो कि पीछे आ रहे थे। उन्होंने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया। देवी सिंह को बैरसिया सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी रात में मौत हो गई। घायल प्रेम बाई और किशोरी को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। यहां इलाज के दौरान मां ने भी दम तोड़ दिया। किशोरी की हालत भी नाजुक बताई जा रही है। उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आयोजन | शोधार्थियों के नवाचारी विचार से लेकर दस्तावेजीकरण तक की यात्रा में सहयोग करेगा आरजीपीवी

शिक्षा के माध्यम से ही होगा समाज के प्रश्नों के समाधान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। समाज के प्रश्नों के समाधान, शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। विशेषकर ग्रामीण भारत में विद्यमान प्रश्नों का समाधान, शिक्षा के माध्यम से ही निकालना होगा। इसके लिए हमें अपने दायित्व का भान करने की आवश्यकता है। भारतीय समाज में हर विद्या-हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुनः शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता हैं। विश्व मंच पर भारतीय ज्ञान को तथ्यपूर्ण प्रमाण के रूप में दिखाने के लिए, शोध एवं अध्ययन को दस्तावेज से समृद्ध करना होगा। इसके लिए पूर्वजों के ज्ञान के प्रति स्वत्व का भाव जागृत करना होगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में इनोवेट एमपी मिशन की दृष्टि से सृजित सृजन कार्यक्रम के प्रदर्शनी शुभारम्भ कार्यक्रम में कही। मंत्री परमार ने कहा कि ग्रामीण भारत के विद्यार्थी, नवाचारी दृष्टि के साथ आगे आ रहे हैं। समाज के प्रश्नों के समाधानकारक नवाचारों के लिए विद्यार्थी आगे आ रहे है। विद्यार्थियों के नवाचारी शोधों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के साथ साथ, उनके नवाचारों के दस्तावेजीकरण के लिए यह अभिनव पहल की गई है। विद्यार्थियों के नवाचारी विचार से लेकर दस्तावेजीकरण तक की यात्रा में आरजीपीवी सहयोग करेगा। मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा पर, प्रदेश में तीव्र गति से क्रियान्वयन हो रहा है। हर विद्या हर क्षेत्र में, भारतीय ज्ञान परम्परा पर पुनर्चिंतन हो रहा है। ईसा के पहले के भारत के समृद्ध ज्ञान पर, शोध एवं अध्ययन जारी है। भारत में हजारों वर्ष पूर्व इंजीनियरिंग और तकनीकी सहित हर क्षेत्र में काम हुए हैं, इसके प्रमाण विश्वमंच पर मिल रहे हैं। मंत्री परमार ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य की चुनौतियों को समझकर, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 के लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ना होगा। आज के युवा विद्यार्थी ही, वर्ष 2047 का विकसित भारत गढ़ेंगे।

150 प्रोजेक्ट को मिला स्थान

तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार ने सृजन के तहत शोधार्थी विद्यार्थियों के चयनित नवाचारी प्रोजेक्ट पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मंत्री परमार ने सृजन कार्यक्रम की स्मारिका का विमोचन भी किया। इस दौरान मंत्री मंत्री परमार ने शोधार्थियों के नवाचारी प्रोजेक्ट का अवलोकन कर, उनका मनोबलवर्धन भी किया। इस प्रदर्शनी में 1600 से अधिक प्रोजेक्ट आए थे। इसमें से 150 नवाचारी प्रोजेक्ट को प्रदर्शन के लिए स्थान दिया गया है।

नवाचार से निलेकगा लोक कल्याण का समाधान

सचिव तकनीकी शिक्षा रघुराज राजेन्द्रन ने कहा कि समाज की चुनौतियों के समाधान उद्यमी और नवाचारी ही कर सकते है। उद्यमियों और नवाचारियों को स्वयं को प्रेरित करने से ही लोककल्याण के लिए समाधान निकलेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजीव त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थियों के रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना, सृजन का उद्देश्य है। इसके लिए विद्यार्थियों को, समस्याओं और चुनौतियों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है। डॉ त्रिपाठी ने कहा कि सृजन, जीवंत तकनीकी कार्यक्रम बनेगा। कार्यक्रम में एनआईटीटीटीआर निदेशक डॉ चंद्रचारु त्रिपाठी, एसजीएसआईटीएस इंदौर के निदेशक प्रो नीतेश पुरोहित, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मोहन सेन एवं यूआईटी आरजीपीवी के निदेशक डॉ सुधीर सिंह भदौरिया सहित प्रदेश भर के प्रतिभागी शोधार्थी, उनके मेंटर्स, निर्णायक मंडल के सदस्यगण एवं अन्य विद्वतजन उपस्थित थे। रविवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर सृजन कार्यक्रम का समापन होगा।

ऑपरेशन सिंदूरः कंधार, पुलवामा हमले के टॉप-5 आतंकी भी ढेर

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक में मारे गए आतंकियों की लिस्ट 4 दिन बाद आई सामने

नई दिल्ली, जेएनएन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाते हुए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इसके बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ गया है। वहीं, अब भारत सरकार ने बताया है कि ऑपरेशन सिंदूर में उन्होंने 5 आतंकवादियों को मार गिराया है। सरकार ने उन आतंकियों के नाम भी सार्वजनिक किए हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) प्रमुख मसूद अजहर के साले हाफिज मोहम्मद जमील और मोहम्मद यूसुफ अजहर उन पांच आतंकवादियों में शामिल थे, जिन्हें भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी स्थलों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर नामक इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालयों को निशाना बनाया गया था। मिसाइलों का उपयोग करके किए गए ये हमले पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किए गए थे।

भारत ने नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनायाः भारत ने जिन नौ ठिकानों को निशाना बनाया था, उनमें से पांच पीओके में थे (मुजफ्फराबाद और कोटली में दो-दो स्थल और भीमबेर में एक), और चार पाकिस्तान में थे (सियालकोट में दो, मुरीदके और बहावलपुर में एक-एक)। जिन नौ स्थानों को निशाना बनाया गया, उनमें लाहौर के पास मुरीदके में मरकज़ तैयबा था, जो लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय था, जहां 26/11 के आतंकवादी अजमल कसाब और लश्कर स्काउट डेविड कोलमैन हेडली को प्रशिक्षित किया गया था। इसके साथ ही निशाना बनाए गए अन्य स्थानों में बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद मरकज़ सुभानल्लाह, सियालकोट में सरजल, सियालकोट में महमोना जोया, मुजफ्फराबाद में सवाई नाला, मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल, कोटली में गुलपुर, कोटली में अब्बास और भिम्बर थे।

पाक में तख्तापलट की आशंका!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान में सेना और सियासी नेतृत्व में भारी मतभेद उभर आए हैं। जहां पाकिस्तान के विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री ने युद्धविराम की पुष्टि की, वहीं सेना ने स्पष्ट रूप से निर्देशों की अवहेलना करते हुए गोलाबारी तेज कर दी है। खुफिया रिपोर्ट्स में पाकिस्तान में तख्तापलट की संभावना जताई गई है। सेना का रुख सियासी नेतृत्व से अलग होता जा रहा है, जिससे दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए ये आतंकवादी

वहीं, जिन आतंकियों को इसमें मारा गया उनमें मुदस्सर खादियान खास, उर्फ मुदस्सर, उर्फ अबू जुंदाल, हाफिज मुहम्मद जमील, मोहम्मद यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहब, खालिद उर्फ अबू अकाशा और मोहम्मद हसन खान।

- **मुदस्सर खादियान खास, उर्फ मुदस्सर, उर्फ अबू जुंदालः** लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध, वह मुरीदके में मरकज तैयबा का प्रभारी था।
- **हाफिज मुहम्मद जमील :** जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा यह आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का सबसे बड़ा साला है। सूत्रों के मुताबिक, वह बहावलपुर में मरकज सुभान अल्लाह का प्रभारी था और कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के लिए धन उगाही में शामिल था।
- **मोहम्मद यूसुफ अजहर उर्फ उस्ताद जी उर्फ मोहम्मद सलीम उर्फ घोसी साहबः** जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा यह शख्स भी मसूद अजहर का साला है और आतंकी संगठन के लिए हथियारों की ट्रेनिंग का काम करता था। वह आईसी-814 अपहरण मामले में वांछित है और कथित तौर पर जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों में भी शामिल रहा है।
- **खालिद उर्फ अबू अकाशा :** लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा यह आतंकी जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों में शामिल रहा है। वह कथित तौर पर अफगानिस्तान से हथियारों की तस्करी में शामिल था।
- **मोहम्मद हसन खानः** जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा यह शख्स पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशनल कमांडर मुफ्ती असगर खान कश्मीरी का बेटा है। सूत्रों के मुताबिक, उसने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों के समन्वय में भी अहम भूमिका निभाई है।

फिर हमला किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगेः सेना

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के ऐलान के बाद शनिवार शाम को रक्षा मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें आर्मी से कर्नल सोफिया कुरैशी, एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह और नेवी से कमोडोर रघु आर नायर मौजूद थे। 9 मिनट की ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया ने पाकिस्तान की तरफ से गलत सूचनाएं फैलाने की जानकारी दी। वहीं कमोडोर नायर ने कहा कि भारत की सेनाएं पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं। अगर फिर हमला हुआ, तो हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। कर्नल कुरैशी ने कहा, अब मैं आपको पाकिस्तान की मिस इन्फॉर्मेशन कैंपेन के बारे में जानकारी दूंगी। पहला उसने अपने जेएफ-17 से हमारे एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल बेस को नुकसान पहुंचाया।

रक्षा मंत्रालय का बयान गलत सूचनाएं फैला रहा पाक

भारत ने ऐसे तोड़ी पाकिस्तानी सेना की रीढ़, 5 अहम सैन्य ठिकाने किए तबाह

पाक के सबसे अहम रावलपिंडी, नूरखान एयरबेस पर भारत ने किया हमला

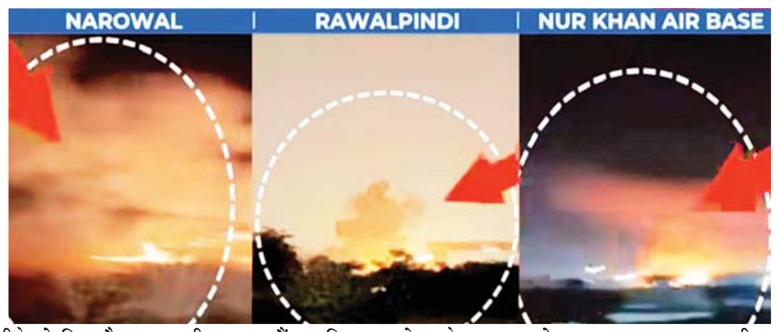

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन से चल रहे तनाव और हवाई हमलों के बीच शनिवार को युद्ध विराम हो गया। हालांकि, सीमा पर हालात गंभीर हैं। इसके पहले शुक्रवार रात और शनिवार सुबह तक पाकिस्तान की ओर से भारत के कई शहरों पर हमले किए गए, जिनका जवाब भारतीय सेना ने बेहद सटीक और प्रभावशाली तरीके से दिया है। जम्मू, श्रीनगर, पठानकोट और पोखरण जैसे संवेदनशील इलाकों में पाकिस्तानी ड्रोन हमलों की कोशिशें नाकाम कर दी गई हैं। भारतीय वायुसेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई प्रमुख सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, इनमें मुरीद चकवाल, शोरकोट, रहीमयार खान, चुनियां, नूर खान और सुक्कुर एयरबेस शामिल हैं। पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी के अनुसार, इन ठिकानों पर भारत ने एयर-टू-सर्फेस मिसाइलें दागीं, जिससे भारी नुकसान हुआ। सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि भारत की इस कार्रवाई में तकनीकी संस्थापन, कमांड और कंट्रोल सेंटर, रडार साइट्स और हथियार भंडारण को भारी नुकसान पहुंचा।

रणनीतिक ठिकाने ध्वस्त कर भारतीय सेना ने तोड़ी पाक की रीढ़

चकवाल ज़िले में स्थित यह एयरबेस इस्लामाबाद से करीब 120 किमी की दूरी पर है। यहां पाकिस्तान के उन्नत ड्रोन जैसे शाहपार-1 और बैराकटर टीबी2 तैनात हैं। भारत पर हुए कई ड्रोन हमलों की योजना यहीं से बनी थी। भारतीय हमले ने इस रणनीतिक ठिकाने को गंभीर नुकसान पहुंचाया।

- **सुक्कुर एयरबेस/पीएएफ भोलारी (सिंध):** कराची और हैदराबाद के बीच स्थित यह नया ऑपरेशनल एयरबेस है, जहां से एफ-16 ए/बी ब्लॉक 15 एडीएफ फाइटर जेट्स संचालित किए जाते हैं। यह पाकिस्तान की साउदर्न एयर कमांड का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- **चुनियां एयरबेस (पंजाब):** लाहौर से करीब 70 किमी दूर स्थित यह एयरबेस पाकिस्तान एयरफोर्स की वायुरक्षा प्रणाली का अहम हिस्सा है। यह भारत के नजदीक होने के कारण सैन्य दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में आता है।
- **नूर खान एयरबेस (रावलपिंडी):** पूर्व में चकला एयरबेस के नाम से जाना जाने वाला यह बेस वीआईपी मूवमेंट और सैन्य लॉजिस्टिक अभियानों का मुख्य केंद्र है। यह पाकिस्तान वायुसेना की 'लाइफलाइन' माना जाता है।
- **रफीकी एयरबेस, शोरकोट (पंजाब):** झंग ज़िले के पास स्थित यह एयरबेस जेएफ-17 थंडर और मिराज जैसे लड़ाकू विमानों का संचालन करता है। यह सेंट्रल एयर कमांड के अंतर्गत आता है और इसकी लंबी रनवे और तकनीकी सुविधाएं इसे अत्यंत अहम बनाती हैं।
- **रहीम यार खान एयरबेस (पंजाब):** दक्षिणी पंजाब में स्थित यह एयरबेस भारत के नज़दीक है और यहां से पूर्वी सीमाओं पर तेजी से कार्रवाई की जा सकती है। 10 मई 2025 की रात यहां मिसाइल हमले के बाद एक बड़ा गड्ढा देखा गया, जो इस पर हुए सैन्य हमले की पुष्टि करता है।
- **पाकिस्तान की 'आंख, कान और दिमाग' पर सीधा प्रहारः** इन सैन्य अड्डों को निशाना बनाकर भारत ने पाकिस्तान की निगरानी प्रणाली (आंख), संचार व्यवस्था (कान) और निर्णय लेने की क्षमता (दिमाग) को गंभीर क्षति पहुंचाई है। यह कार्रवाई पाकिस्तानी सैन्य रणनीति के तीन प्रमुख स्तंभों को हिला देने वाली मानी जा रही है।

सरगोधा में है पाकिस्तान का परमाणु हथियार भंडार

भारत के टारगेट से दूर नहीं दुश्मन के खुफिया ठिकाने

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान युद्ध के बीच दोनों देशों के परमाणु हथियारों को लेकर चर्चा फिर चल पड़ी है। सबको ये जानने की उत्सकुता है कि हर वक्त परमाणु बम हमले की धमकी देने वाला पाकिस्तान आखिर इन्हें कहां छिपाकर रखता है। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तान ने सरगोधा में परमाणु हथियारों का भंडार बनाकर रखा है। पाकिस्तान के पास जो एफ-16 लड़ाकू विमान हैं वो सरगोधा (मुशाफ) वायुसेना स्टेशन और शहबाज एयरबेस (जैकोबाबाद) पर तैनात हैं, जो सरगोधा वेपंस स्टोरेज कांप्लेक्स की रखवाली करते हैं। पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार ले जाने वाली मिसाइलें भी हैं। पाकिस्तान के पास एटमी वॉरहेड के तौर पर इस्तेमाल लायक शाहीन-1/ए, (हत्फ-4), नास्र (हत्फ-9), अब्दाली (हत्फ-2), गजनवी (हत्फ-3), गौरी (हत्फ-5) और शाहीन-2 (हत्फ-6) मिसाइलें हैं। वो चीन की मदद से शाहीन-3 और अबाबील मिसाइल पर भी शोध विकास कार्य में लगा है। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स की 11 सितंबर 2023 को रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी, इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान सेना की छावनी, एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि उसने परमाणु हथियार कहां छिपा रखे हैं। पाकिस्तान के काहूटा और गडवाल में परमाणु संवर्धन संयंत्र हैं। इन जगहों पर परमाणु हथियारों में इस्तेमाल यूरेनियम तैयार किया जाता है। पाकिस्तान में काहूटा, वाह, चश्मा और खुशाब, नीलोर, फतेह जंग में परमाणु हथियारों में प्रयुक्त रेडियोएक्टिव पदार्थ तैयार किया जाता है। पाकिस्तान ने पंजाब के खुशाब परमाणु संयंत्र में 4 हैवी वॉटर प्लूटोनियम प्रोडक्शन रिएक्टर लगाए हैं। खुशाब में परमाणु बम तैयार करने में प्रयुक्त प्लूटोनियम तैयार होता है। इस्लामाबाद के पास काला चिट्टा दार की पहाड़ियों में फतेह जंग में भी ऐसा खुफिया संयंत्र है। यहां पाकिस्तान परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल और लांचर्स तैयार करता है। लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों से जुड़ा सिस्टम यहां तैयार होता है। 2023 की सैटेलाइट तस्वीरों में नस्र, शाहीन और बाबर मिसाइलों के लिए ढांचा यहां देखा गया था। पाकिस्तान तरनावा और तक्षशिला में मिसाइल लांचर का सिस्टम बनाता है, इस्लामाबाद के पश्चिमोत्तर में वाह क्षेत्र में पाकिस्तान की ऑर्डिनेंस फैक्टरी हैं।

भारत के पास ज्यादा हथियार

भारत के पास पाकिस्तान से कुछ ज्यादा 180 के करीब परमाणु हथियार हैं। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की रिपोर्ट में ये अनुमान जताया गया है। पाकिस्तान जहां युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ नहीं हैं, वहीं भारत ने कहा है कि वो पहले ऐसे नाभिकीय हथियारों का प्रयोग नहीं करेगा। हालांकि, पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम में चीन बड़ा सहयोगी है। पाकिस्तान के परमाणु संयंत्रों को बनाने और अपग्रेड करने में वो मदद करता आया है।

बदले हालात में भारत के पांच कदम

1. **सीमित लेकिन निर्णायक सैन्य कार्रवाईः** भारत सीमित दायरे में एक बार फिर 'एयर स्ट्राइक' जैसे ऑपरेशन कर सकता है। खासकर उन आतंकी ठिकानों या पाकिस्तानी सेना की अग्रिम चौकियों को निशाना बनाएंगे, जहां से हमला हुआ।
2. **सीमा पर पूर्ण सैन्य तैनाती और जवाबी फायरिंगः** एलओसी पर भारत अपनी आक्रामकता और तैनाती को बढ़ा सकता है, जिससे पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश जाए कि भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है।
3. **कूटनीतिक मोर्चे पर आक्रामक अभियानः** भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र, जी20, एससीओ जैसे मंचों पर पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता और उसकी सेना के आतंकियों से संबंधों को उजागर किया जा सकता है।
5. **आंतरिक सुरक्षा और नागरिक चेतावनी प्रणालीः** देश के संवेदनशील क्षेत्रों में ब्लैकआउट, अलर्ट और एन्टी-ड्रोन तकनीक की तैनाती के साथ-साथ आम नागरिकों को सतर्क करने के लिए 'सायरन अलर्ट सिस्टम' और आपातकालीन तैयारियों को गति दी जाएगी।

बलूच लड़ाकों ने कलात शहर पर किया कब्जा, पाक में 39 स्थानों पर हमला

नई दिल्ली। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने शनिवार को घोषणा की कि उसके कुलीन 'फतेह दस्ते' ने बलूचिस्तान के कलात जिले में मंगोचर शहर पर कब्ज़ा कर लिया है। एक नाटकीय अभियान के बाद खज़िनाई राजमार्ग को अवरुद्ध करना और स्थानीय पुलिस कर्मियों को अस्थायी रूप से हिरासत में लेना शामिल था। एक बयान में समूह ने कहा कि गिरफ़्तार किए गए पुलिस अधिकारियों को रिहा कर दिया गया है। खुद को पाकिस्तानी कब्जे के खिलाफ़ एक स्वतंत्रता आंदोलन कहने वाले बीएलए ने इस युद्धाभ्यास को अशांत प्रांत में एक व्यापक, समन्वित हमले का हिस्सा बताया। समूह के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने 10 मई को एक सार्वजनिक बयान में कहा, हम बलूचिस्तान में 39 अलग-अलग स्थानों पर हुए हमलों की जिम्मेदारी लेते हैं। ये ऑपरेशन अभी भी जारी हैं। उन्होंने कहा कि हमलों में पुलिस स्टेशनों पर कब्जा, राजमार्गों की नाकाबंदी, मुखबिरों की गिरफ्तारी और बलूचिस्तान की खनिज संपदा के दोहन में मदद करने के आरोपी सैन्य काफिलों पर हमले शामिल हैं। ये घटनाक्रम प्रांत में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ बीएलए के सशस्त्र अभियान में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाते हैं, जो लंबे समय से अलगाववादी गतिविधि और राज्य विरोधी विद्रोह का केंद्र रहा है। बीएलए बलों ने कथित तौर पर प्रमुख मार्गों और सरकारी ठिकानों को निशाना बनाया, जिसका उद्देश्य राज्य नियंत्रण को बाधित करना और कब्जे वाले बलूचिस्तान में प्रतीकात्मक प्रभुत्व प्रदर्शित करना था। पाकिस्तानी अधिकारियों ने शनिवार के दावों पर अभी तक कोई औपचारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है, और व्यवधान की पूरी सीमा अभी भी अपुष्ट है। प्रवक्ता के अनुसार बीएलए की ओर से जल्द ही एक अधिक विस्तृत बयान आने की उम्मीद है। समूह ने चेतावनी दी है कि अगर प्राकृतिक संसाधनों की लूट और सैन्य दमन जारी रहा तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अफगानिस्तान इलाके में भारत से मिसाइल हमले के आरोप गलत

नई दिल्ली। भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं ने पिछले 12 घंटों में मिसाइलों का इस्तेमाल कर एक-दूसरे के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। विदेश सचिव ने कहा कि वायुसेना अड्डों को नष्ट करने के पाक के दावे पूरी तरह झूठे हैं। भारत को बदनाम करने की पाकिस्तान नापाक हरकत एक बार फिर सबके सामने उजागर हो गई है। अफगानिस्तान ने खुद भारत की ओर से अफगान क्षेत्र पर मिसाइल हमलों के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खवारिज्मी ने कहा, ऐसे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। भारत की ओर से अफगान इलाके में कोई हमला नहीं किया गया है। इससे पहले, पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया था कि भारत के पाकिस्तान पर मिसाइल हमलों में अफगान क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पाकिस्तान के इस आरोप को झूठा बताया कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान पर हमला किया है।

अफगानिस्तान ने पाक के आरोप को नकारा

'ऑपरेशन सिंदूर' के बहाने पैसा कमाने की कोशिश, मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पूरे पाकिस्तान को हिला कर रख दिया है। भारत की जवाबी कार्रवाई की हर कोई तारीफ कर रहा है, वहीं ऑपरेशन पर अब फिल्म बनने जा रही है और इसका टाइटल 'ऑपरेशन सिंदूर' रखा गया है, जिसका पहला पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। इस बीच मेकर्स की इस अनाउंसमेंट से कई यूजर्स खुश नहीं हैं, जिसके बाद फिल्म के डायरेक्टर उत्तम माहेश्वरी ने माफी मांगी है। मालूम हो कि निकी विक्की भगनानी फिल्म्स और द कंटेंट इंजीनियर ने आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम की नई फिल्म की घोषणा की है, जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की कार्रवाई पर बनी है। वहीं इसके बाद से भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव के बीच इस पोस्टर के जारी होने से लोग भड़क गए और फिल्म मेकर्स की आलोचना की है। इस फिल्म के निर्देशक उत्तम माहेश्वरी ने लोगों की आलोचना के बाद अब सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। सोशल मीडिया पर उन्होंने बयान जारी किया है, जिसमें उन्होंने क्लियर कहा कि उनका उद्देश्य कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। उन्होंने लिखा कि हमारे भारतीय सैनिकों के वीरता से प्रेरित आधारित फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' की घोषणा के लिए मैं ईमानदारी से माफी चाहता हूं, इसका उद्देश्य कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या भड़काना नहीं था। उन्होंने कहा, मैं हमारे जवानों के साहस, बलिदान और शक्ति से काफी प्रभावित हुआ और बस इस कहानी को सबके सामने लाना चाहता था।

दुनिया के लिए पाकिस्तान खतरा छीना जाए परमाणु बमः ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के निरस्त्रीकरण की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान को पूरी दुनिया की सलामती के लिए बड़ा खतरा बताया और कहा कि अब वैश्विक नेताओं को मिलकर यह फैसला करना होगा कि क्या एक नाकाम, चरमपंथी मुल्क को न्यूक्लियर हथियार रखने की इजाजत मिलनी चाहिए। ओवैसी ने हालात पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि श्रीनगर एयरपोर्ट तक ड्रोन पहुंच रहे हैं, अस्पतालों पर हमले हो रहे हैं और हमारे फौजी जान की बाजी लगाकर मुल्क की हिफाजत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम जंग नहीं चाहते, लेकिन अगर कोई हमें लड़ाई के लिए मजबूर करेगा, तो फिर हम पीछे नहीं हटेंगे।' सभी भारतीयों से अपील की वे राजनीति से उठकर सेना के साथ मजबूती से खड़े हों, क्योंकि यह सिर्फ सीमा पर नहीं, बल्कि हर घर, नागरिक की सुरक्षा की लड़ाई है।

आईएमएफ पर भी भड़के : ओवैसी ने आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान को एक अरब डॉलर का कर्ज दिए जाने पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा, 'ये आईएमएफ नहीं, ये इंटरनेशनल टेररिस्ट फंड बन गया है। अमेरिका, जर्मनी, जापान जैसे मुल्क कैसे मान गए जब हमारी जमीन पर हमला हो रहा है?' उन्होंने पाकिस्तान पर इस्लाम के नाम पर कट्टरता फैलाने और भारत में हिंदू-मुस्लिमों के बीच फूट डालने की साजिशें करने का आरोप भी लगाया। ओवैसी ने कहा कि बहावलपुर और मुरीदके जैसे शहर, जहां से अमेरिका में हुए आतंकी हमलों के सुराग मिलते हैं, उनके पीछे सीधा हाथ पाकिस्तानी फौज का है।

बांग्लादेशः हसीना की पार्टी पर प्रतिबंध की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने पर त्वरित निर्णय लेगी। यूनुस के कार्यालय द्वारा एक बयान में यह घोषणा तब की गई, जब छात्र नेतृत्व वाली एनसीपी कार्यकर्ताओं ने उनके आवास के सामने रैली निकाली और हसीना की पार्टी को भंग करने की मांग की। एनसीपी नेतृत्व ने छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, जिसके चलते पिछले साल 5 अगस्त को हसीना को बाहर कर दिया गया था और यूनुस ने 8 अगस्त को पदभार संभाला था। अंतरिम सरकार ने बयान में कहा है कि राजनीतिक दलों, संगठनों और लोगों की ओर से आतंकवादी गतिविधियों के आरोपों पर अवामी लीग को भंग करने की मांग पर विचार कर रही है। सरकार ने विभिन्न दलों के साथ संपर्क स्थापित किया है और उनके साथ परामर्श करके जल्दी निर्णय लेगी। एनसीपी ने गुरुवार आधी रात के बाद यूनुस के आधिकारिक आवास जमुना के पास अस्थायी मंच बनाया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने घटनास्थल पर शुक्रवार की नमाज भी अदा की। सरकार का यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुक्रवार को जमात-ए-इस्लाम, इसके छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबिर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे विभिन्न इस्लामी दलों और समूहों के नेता भी एनसीपी की रैली में शामिल हुए। बयान में सभी से निर्णय होने तक संयम बरतने का आग्रह किया गया और कहा गया कि सरकार ने आतंकवादी छात्र लीग को भंग कर दिया है। जिसे अवामी लीग का अग्रणी संगठन माना जाता है। एनसीपी नेता सरजिस आलम ने रैली में कहा, हमारा आंदोलन शुरू हो गया है। यह अभियान एक दिन या एक महीने तक भी जारी रह सकता है। अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा होने तक हमें सड़क पर ही रहना होगा।

आयोजन | राजधानी में दो दिवसीय स्ट्रोएंटरोलॉजी सम्मेलन 'वैसोकॉन 2025' का शुभारंभ

जीआई ब्लीडिंग की गंभीरता का पूर्वानुमान लगा सकता है एआई

जागरणण, भोपाल। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग, वेस्कुलर थ्रॉम्बोसिस या मेसेंटेरिक इस्केमिया जैसे रोग अक्सर अचानक होते हैं। इसलिए लक्षणों को गंभीरता से लेना, क्लिनिकल अलर्टनेस बनाए रखना और प्राथमिक जांचों को शीघ्र करना ही 'पिक इन टाइम' का मूल है। जीआई ब्लीड जैसे वराइसेल हेमोरेज में समय पर एंडोस्कोपी से ही जीवन बचाया जा सकता है। यह जानकारी दो दिवसीय 'वैसोकॉन 2025' कांफ्रेंस में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ संजय कुमार ने दी। कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ संजय सिंह ने 'वैसोकॉन 2025' में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी और वीडियो केस डेमोंस्ट्रेशन में बताया किस तरह आधुनिक तकनीक रोगियों के जीवन को बेहतर बना सकती है। एआई आज जीआई ब्लीडिंग की गंभीरता का पूर्वानुमान लगा सकता है, जिससे डॉक्टर बेहतर निर्णय ले सकते हैं। आईसीयू निर्णयों में क्लिनिकल स्कोरिंग सिस्टम अब मशीन लर्निंग (एआई) से हो रहे हैं। ब्लड बैंक प्रथाओं, डायग्नोस्टिक तकनीकों और उपचार विधियों में प्रगति हुई है, जिससे इन स्थितियों के प्रबंधन में सुधार आया है। मीडिया प्रभारी डॉ आईके चुघ ने बताया कि कोर्टयार्ड बाय मैरियट 10-11 मई को आयोजित 'वैसोकॉन 2025' में देशभर से गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट, हेमेटोलॉजिस्ट और सर्जन शामिल हो रहे है। कांफ्रेंस में पेट और लिवर से जुड़ी बीमारियों में ब्लीडिंग और थ्रोम्बोसिस की समस्याओं और उनके इलाज पर चर्चा की जा रही है।

नसों की प्रॉब्लम पर नहीं होता डिस्कस

नसों की जो प्रॉब्लम है, उस पर ज्यादा डिस्कस नहीं होता। इसकी जानकारी गेस्ट्रो इंट्रोलॉजिस्ट में कम है। 'वैसोकॉन 2025' कांफ्रेंस में डॉक्टरों ने विस्तार से चर्चा की। इसमें गेस्ट्रो इंट्रोलॉजिस्ट के अलावा जीआई सर्जन, इंटरवेंशन रेडियोलॉजिस्ट, हीमोटोलॉजिस्ट, सर्जन सभी को इनवॉल्व किया गया है। इस कांफ्रेंस से इसकी जागरूकता बढ़ेगी जो इलाज में मददगार होगी। ■ **डॉ एसपी मिश्रा**, प्रयागराज

ब्लीडिंग रोकने नए एंडोस्कोपी एसेसरीज

पेट, छोटी आंत या बड़ी आंत से अगर ब्लीडिंग हो रही है तो नए एंडोस्कोपी एसेसरीज आती है जिनका उपयोग किस प्रकार ब्लीडिंग रोकने में किया जा सकता है इसकी जानकारी दी गई। इससे पेशेंट को सर्जरी नहीं करानी पड़ती। इस सेमीनार में इस तरह की नई तकनीकें बताई जा रही हैं और उस पर चर्चा हो रही है। ■ **डा. स्वपनिल पेंढारकर**, डीएनबी गेस्ट्रो, उज्जैन

इंटेस्टाइनल में ब्लीडिंग पर हुई चर्चा

इंटेस्टाइनल ट्रेक में ब्लीडिंग होती है जिसके अलग-अलग लक्षण होते हैं उनके बारे में चर्चा की गई। इसके साथ ही जितनी बीमारियों से इंटेस्टाइनल में ब्लीडिंग होती है उसके बारे में बताया गया। इन पेशेंट को कैसे आइडेंटीफाई किया जाए, कैसे मैनेज किया जाए इसे विस्तार से बताया गया। सर्जरी में जो नए डेवलपमेंट हुए है उनके बारे में भी जानकारी दी गई। ■ **डॉ सलीम नाईक**, जीआई सर्जन, दिल्ली

छोटी आंत के अंदरूनी हिस्से के लिए कैप्सूल जांच सटीक

कैप्सूल जांच दर्द रहित होती है और इसमें चीरा नहीं लगता है। यह छोटी आंत के अंदरूनी हिस्से की जांच करने में मदद करता है, जो पारंपरिक एंडोस्कोपी से मुश्किल होता है। यह रक्तस्राव, सूजन, पॉलीप्स, ट्यूमर और अन्य बीमारियों का पता लगाने में मदद करता है।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

शिविर में 683 खिलाड़ी ले रहे हैं प्रशिक्षण

जागरण, पन्ना । पन्ना पुलिस विभाग द्वारा संचालित खेल एवं युवक कल्याण विभाग के तत्वाधान में पन्ना में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय छत्रसाल स्टेडियम नजर बाग मैदान पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया स प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर सुरेश कुमारए विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण थोटाए अतिरिक्त ।क्श्र अरविंद शर्मा ए ब्श्रड रीतिका मिश्रा पाठकए क्ब। अध्यक्ष सुरेंद्र सिंहए नेशनल मिनिरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक धर्मेंद्र सिन्हा उपस्थित रहेस

शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर सुरेश कुमार ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें खिलाड़ी के तौर पर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रहनेए खेल भावना और टीम भावना का संन्देश दिया स इस बीच उन्होंने छत्रसाल खेल मैदान को मिनी स्टेडियम की तरह सजाने संवारने के लिए खेल एवं युवक कल्याण विभाग के खेल अधिकारी एसण्डीओण्पीण्शिव प्रताप सिंह बघेल के प्रयासों की सराहना भी कीस पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण एस थोटा खिलाड़ियों से खेल के साथ. साथ देश और समाज की सेवा के लिए आगे आने का भी आव्हान किया स उन्होंने बालिका खिलाड़ियों को हाल ही में चर्चित भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तरह देश का शौर्य बढ़ाने की बात कही ।

इन खेलों में दिया जा रहा है प्रशिक्षण : खेल अधिकारी ॅक्.च् शिव प्रताप सिंह बघेल ने प्रतिवेदन वाचन करते हुए बतलाया की एक माह तक चलने वाले इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में खो.खो एकबड्डीए एथलेटिक्सए फुटबॉलए वॉलीबॉलए मार्शल आर्ट हॉकी और मलखंम्ब के कुल मिलाकर 683 खिलाड़ियों को योग्य और विशेषज्ञ खेल प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा हैस जिसमें 8 वर्ष से 18 वर्ष तक की उम्र के बालक और बालिकाएं शामिल हैस इसके अलावा अजयगढ़ विकासखंड में 120 एगुनौर में 60 एपवई में 45 और शाहनगर में 50 खिलाड़ियों को खेल एवं युवक कल्याण विभाग की ओर से विभिन्न खेलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिविर का समापन 31 मई को होगा इस अवसर पर खेल एवं युवक कल्याण विभाग के खेल अधिकारी एसडीओपी शिव प्रताप सिंह बघेल के द्वारा 200 खिलाड़ियों को अपनी ओर से पूरी खेलकिट भी प्रदान की गई जिसकी सभी अतिथियों ने तारीफ की स इस शिविर में खिलाड़ियों के लिए नगर की विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं समाजसेवी और गणमान्य नागरिकों द्वारा प्रतिदिन उचित एवं पौष्टिक स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की जा रही है। खेल प्रशिक्षण शिविर उद्घाटन समारोह में पन्ना नगर निरीक्षक रोहित मिश्राएयातायात प्रभारी नीलमलक्ष्यकारए शिवकुमार मिश्र एअमर बहादुर सिंहए ध्रुव प्रताप सिंह राजकुमार रिछारियाए पुष्पेंद्र चंद यादवए लॉरेंस पहलवान सिंह एराहुल गुर्जर मुस्तकीम खानए प्रकाश अहिरवारए निधि रायए ममता चौधरी एराजा भैयाए अनु चौधरीए इरफान खानए हर्षिता विश्वकर्मा सीतेश दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

हज पर जाने वाले जायरीनों ने भारत मुल्क के लिए की दुआ

टीकमगढ़ । ह्ज के लिए रबाना हुये जायरीन टीकमगढ़ से मक्का मदीना तक का सफर तय किया है। जायरीन रहीस खान और उनकी पत्नी नूरजहाँ खान का स्थानीय लोगों ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत कर रवाना किया। टीकमगढ़ नगर से कामिल खान आमिल खान के मम्मी पापा हज पर जा रहे है सभी लोगों ने उनके घर जा कर उनका फूलमाला डाल कर उनका स्वागत किया। शहर से होते हुए नजरबाग़ पर हजरत दाता इलाहिसाह बाबा की दरगाह पर हाजरी देकर ललितपुर स्टेशन के लिए रवाना हुए हज यात्रियों को विदा करने के लिए भारी संख्या में लोग टीकमगढ़ के नजरबाग पहुंचे उनका फूल माला पहना कर स्वागत किया गया और भारत देश के लिए मक्का मदीना में दुआ करने के लिए कहा इसके बाद ललितपुर स्टेशन के लिए रबाना हुये ललितपुर स्टेशन पर भी हज पर जाने बालो का फूलमाला पहनाकर मुंबई के लिए रवाना किया गया है। मुंबई एयरपोर्ट से हज के लिये जाने बाले लोग मक्का मदीना के लिए रवाना होंगे ।

पन्ना पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध लगातार की जा रही प्रभावी कार्यवाही

पन्ना । पुलिस अधीक्षक पन्ना साईं कृष्णा एसण्थोटा द्वारा जिले के समस्त थानाध्चौकी प्रभारियों को अवैध शराब का निर्माणए परिवहनए भण्डारण एवं विक्रय करने वाले व्यक्तियो एवं अवैध शस्त्र रखने वाले व्यक्तियो पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना चौहान एवं समस्त एसडीओपी पन्ना के मार्गदर्शन मे विशेष अभियान चलाकर शख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य मे थाना प्रभारी सलेहा द्वारा कार्यवाही हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया जिसके फलस्वरुप दिनांक 10.11ध्05ध्25 की दरम्यानी रात्रि को थाना प्रभारी सलेहा को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पटना तमोली सलेहा.पवई बाईपास मार्ग पर एक व्यक्ति दो झालों मे भारी मात्रा मे अवैध शराब कहीं बाहर ले जाने के फिराक मे रखे हुये है। थाना प्रभारी के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियो को मुखबिर सूचना से अवगत काराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं एसण्डीण्ओण्पीण् गुनौर एसण्पीण् सिंह बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सलेहा उनिण् भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व मे मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही हेतु पुलिस टीम रवाना की गई।

जिला स्तरीय समस्त स्वास्थ्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

रीवा। स्वास्थ्य सुविधाओं तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य की आधारभूत संरचना के उन्नयन के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति बढ़ाने हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान में खड़े अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच हो सुनिश्चित करने के निर्देश सीएमएचओ डॉ.संजीव शुक्ला द्वारा दिए गए।

प्रधानमंत्री को तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहिए : शिव सिंह

जागरण, रीवा। भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले कई दिनों से चल रहे जवाबी हमलों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के बाद दोनों देशों के बीच सीज फायर लागू हो गया है। अब दोनों देशों के बीच जमीन हवा और समुद्र पर सभी तरह की गोलाबारी और सैन्य कार्यवाही रोक दी गई है। यह भी कहा गया है कि दोनों देशों के बीच डीजीएमओ लेवल की बातचीत आगामी 12 मई को होगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह ने कहा कि डीजीएमओ लेवल की बातचीत के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहिए, क्योंकि पहलगाम घटना के बाद पाकिस्तान के खिलाफ पूरा देश सरकार और सेना के साथ खड़ा था। अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद क्या यह मान लिया जाए कि पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ आतंकवाद की कार्यवाही स्थाई तौर पर बंद कर देगा, इसलिए सर्वदलीय बैठक के बाद ही देश हित में फैसला लेना चाहिए।

पशुपालन मंत्री ने मऊगंज के विकास कार्यों सहित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

रीवा। पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं प्रभारी मंत्री मऊगंज लखन पटेल ने रीवा सर्किट हाउस में मऊगंज जिले में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजनों तक लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में किए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि जिले में जल संरक्षण के कार्य तीव्र गति से पूरे कराए जाएं। उन्होंने जिले में संचालित विकास कार्यों की भी जानकारी प्राप्त की तथा कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, जिला भाजपाध्यक्ष डॉ राजेन्द्र मिश्र, कलेक्टर संजय कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी उपस्थित रहे।

संवेदनशील स्थानों और संस्थानों की निगरानी के निर्देश

जागरण, सतना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस ने पुलिस मुख्यालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के अनुसार वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए जिले में विस्फोटक पदार्थों का उपयोग करने वाले व बेचने वाले तथा इनसे जुडे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों पर कडी निगरानी बनाये रखने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारी और थाना प्रभारी को जारी निर्देश में कहा गया है कि जिले के सभी उप खण्ड स्तर पर एसडीएम और एसडीओपी तहसील स्तर पर संबंधित अधिकारिता वाले कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तथा टीआई और थाना प्रभारी संयुक्त रूप से टीम बनाकर अपने-अपने क्षेत्र में विस्फोटक अधिनियम 1984 एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 तथा विस्फोटक नियम 2008 में दिये गये प्रावधानों का कडाई से पालन सुनिश्चित करायें।

आत्मिक आनंद की नींव है नैतिक मूल्य

शिक्षकों हेतु आनंद सभा आवासीय प्रशिक्षण शुरू

जागरण, रीवा। राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से रीवा एवं शहडोल संभाग के विभिन्न संदीपनी विद्यालयों से आये शिक्षकों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण उत्कृष्ठ विद्यालय मार्तंड स्कूल क्रमांक 1 में शुरू हो गया। उद्घाटन सत्र में राज्य के रिसोर्स पर्सन उदय जाटव, दिल्ली से रिसोर्स पर्सन आभा मिश्रा, राज्य आनंद संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमलेश प्रसाद तिवारी, संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा के.पी.तिवारी, मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान के जिला संपर्क व्यक्ति डॉ मुकेश येंगल, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा प्रसाद गुप्ता, उत्कृष्ठ विद्यालय के प्राचार्य जे पी जायसवाल, प्राचार्य देवराज सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता शिवेश श्रीवास्तव सहित रीवा एवं शहडोल संभाग के महिला एवं पुरुष शिक्षक शामिल हैं। सार्वभौमिक मूल्यों पर आधारित 6 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के रीवा व शहडोल संभाग के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों को संबोधित करते हुए संयुक्त संचालक शिक्षा ने आनंद विभाग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से प्रदेश के शिक्षकों के साथ ही लाखों विद्यार्थी लाभांवित होंगे। आनंद संस्थान भोपाल के कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमलेश तिवारी ने आनंद संस्थान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण शुरू होने से पूर्व तैयारी बैठक में राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग के निदेशक सत्य प्रकाश आर्य ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराते हुए कहा था कि शिक्षक प्रशिक्षणार्थी नैतिक मूल्यों को केवल सीख कर दूसरों को सिखाने का भाव बिल्कुल ना रखें, पहले स्वयं की दैनिक दिनचर्या इन मूल्यों पर जीकर देखें। हमारा उद्देश्य दूसरों को सिखाने का नहीं पहले खुद के जीवन में उतारना है। पांच बैच में होने वाले प्रशिक्षण सत्रों में प्रत्येक बैच में 100 शिक्षकों को नामांकित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में भोपाल से आनंद विभाग के डॉ कमलेश तिवारी, प्रशिक्षित वालेंटियर आशा अहिरवार, शमा बानों, रीवा के जिला संपर्क व्यक्ति डॉ मुकेश येंगल, एस के स्कूल के प्राचार्य डॉ मिथिलेश सिंह गहरवार, आनंद सहयोगी शाहिद परवेज़, शिवानंद सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

युवक के साथ मारपीट का वीडियो हुआ वायरल

शहर के अस्पताल चौराहा के पास की घटना

जागरण, रीवा। शहर के अस्पताल चौराहे के समीप एक युवक का नाम पूछ कर उसके साथ गाली गलौज करते हुए बेरहमी से पिटाई की गई । पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पीड़ित युवक सनी धोबिया टंकी के पास का रहवासी बताया गया है। बताया गया कि युवक हमेशा की तरह दुकान बंद होने के बाद कचरा बीनने के लिए निकला था, तभी कुछ युवकों उसके पास पहुंचे और उसका नाम पूछा, जिसके बाद अश्लील गालियां देते हुए उसकी पिटाई करने लगे। मारपीट का वीडियो आरोपियों के बीच में ही किसी ने बनाया जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो चुका है। घटना बीती रात तकरीबन 11 बजे की बताई जा रही है। बताया गया है कि युवक दुकान बंद होने के बाद दुकान के बाहर पड़े कचरे को एकत्रित कर रहा था, इस दौरान वहां कुछ युवक पहुंच गए और उसका नाम पूछने के बाद मारपीट करने लगे। आरोपियों ने मारपीट करते हुए उसका वीडियो भी बनाया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि 4 से 5 की सं या में युवक पीड़ित के साथ मारपीट कर रहे हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विकासखण्डों में करेंगे समीक्षा

रीवा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर विकासखण्डों में आयोजित बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक 11 मई को दोपहर बाद 3 बजे से त्योंथर तथा 12 मई को सुबह 11 बजे से रीवा विकासखण्ड कार्यालय में आयोजित की गई है। इसी तरह 12 मई को दोपहर 3 बजे से विकासखण्ड कार्यालय नईगढ़ी तथा 14 मई को विकासखण्ड कार्यालय मऊगंज में दोपहर बाद 3 बजे से बैठक आरंभ होगी। इन बैठकों में जल गंगा संवर्धन अभियान, मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल व्यवस्था, सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा समग्र ई केवाईसी अपडेशन की समीक्षा की जाएगी। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उचित मूल्य दुकान बदरांव व कोनियाखुर्द निलंबित

रीवा। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी में लापरवाही बरतने पर दो उचित मूल्य दुकानों को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार एसडीएम सिरमौर आरके सिन्हा ने ममता स्वसहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान बदरांव को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। एसडीएम त्योंथर संजय जैन ने सेवा सहकारी समिति कुठिला द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान कुठिला को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। इन दुकानों से खाद्यान्न वितरण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। उचित मूल्य दुकान बदरांव को सेवा सहकारी समिति बदरांव तथा उचित मूल्य दुकान कोनियाखुर्द को कोटराखुर्द से संबद्ध कर दिया गया है।

भारतीय सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी

रीवा। भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर भारतीय सैनिकों के सम्मान में आज 11 मई को शाम 4:30 बजे से तिरंगा यात्रा स्वामी विवेकानन्द पार्क से प्रारंभ होकर जय स्तम्भ चौराहे में भारत माता की आरती के साथ सम्पन्न होगी। यह तिरंगा यात्रा भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता के मार्गदर्शन व नेतृत्व निकाली जाएगी।

क्या मिलेगा पीने का पानी या होंगी पानी की त्राहि-त्राहि, नपा सीएमओ ने दिलाया भरोसा

भीषण गर्मी में गहराया जल संकट हैडपंप है लेकिन पानी नहीं, नल लाइन है पानी की पूर्ति नहीं

जागरण, टीकमगढ़। भीषण गर्मी में लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। हम आपको बता दे कि नगर की तरकीबन डेढ़ लाख से अधिक की आबादी है और नगर में कुल 11 हजार नल कनेक्शन हैं भीषड़ गर्मी के कारण जमीनी जलस्तर काफी नीचे जाने से करीब हैंडपंप पूरी तरह से बंद हो गए और जो चालू है उनमें मरम्मत का काम नहीं हुआ जिससे जंग का पानी आ रहा है। लोगो का कहना है कि वह पीने की पानी की समस्या से जूझ रहे है। और पानी पाताल नाप रहा है। इसके अतिरिक्त जिन हैंडपंपों का जल स्तर अत्यधिक नीचे जा चुका है उनको करीब 15 मिनिट चलाने के बाद पानी निकलता है।

नपा अंतर्गत क्या क्या है सुविधा कितना है लोगो को लाभ : जानकारी के मुताबिक हम आपको बता दे कि की नपा अंतर्गत पानी की पूर्ति करने के लिए अब तक कुल 530 हैडपंप है। जिसमें 450 चालू व 80 हैंडपम्प बंद पड़े है। अगर हम बात करे नल सप्लाई की तो करीब 60: लोगों एक दिन छोड़कर 40: लोगों दो दिन के अंतराल में पानी मुहैय्या कराया जाता है। जबकि कुल आठ पानी की टंकिया है सूत्र बताते है कि कुछ टंकिया पूरी तरह से नहीं भर्ती जिससे नल का जल घर घर नहीं पहुंचता है। और नल लाइन के अंतिम छोड़ पर रहने वाले हितग्राहियों को तो पानी मिलता बड़ी मुश्किल से है। क्योंकि आगे की लाईनों में टिल्लू मोटर आसपास का जल खींच लेता है। जिससे कुछ लोगों को जल नहीं मिल पाता है।

क्या कहते वार्ड वस्ती के लोग

अनगड़ा वस्ती के लोगो ने अपनी परेशानी को मीडिया अवगत करते हुए बताया कि उनकी वस्ती में पानी की कोई सुविधा नहीं है। हैंडपम्प है कुछ खराब पड़े है और कुछ पर भीड़ लग जाती है जिससे उनके दैनिक जीवन पर भी प्रभाव पड़ता है। वही कुछ हैंडपम्प में जंग का पानी आता है जो केवल कपड़े व अन्य खर्चे के पानी में उपयोगी होता है। पीने के पानी की समस्या बनी रहती हैं।

जागरण टीम के नपा सीएमओ से सीधे सवाल जवाब

सवाल : जल समस्या से परेशान लोगों ने मीडिया से शिकायत की है कि पानी की समस्या है ?

जवाब : अभी आंधी तूफान के कारण विद्युत आपूर्ति ठप्प होने से सप्लाई अनियमित हुई थी लेकिन अब वह वापस पटरी पर आ गई है। जैसे पहले रूटीन से सप्लाई चालू की जाती थी वैसे ही चालू की गई है।

सवाल : लोगो का कहना है दो से तीन दिन में नल आते है पानी नहीं भर पाता है

जवाब : जिस तरह से स्थापित प्रक्रिया 70: एरिया में अल्ट्राटेनिज्म और 30: एरिया में दो दिन छोड़कर तीसरे दिन पानी दिया जाता है। वो यथावत रहेगा और नए जो अमृत 2०0 के प्रॉजेक्ट है। उसकी जो क्षमता और बाकी मशीनरी है उनका जब काम करा लिया जाएगा। नई लाइनों को डाल दिया जायेगा तब हम इस समस्या में सुधार कराएंगे।

सवाल : भीषड़ गर्मी में नपा के द्वारा क्या व्यवस्था की गई है।

जवाब : इस बार जो हमारा सोर्स है बारीघाट का वहां पर पानी की उपलब्धता पर्याप्त है और गर्मियों में उम्मीद हम कर रहे है इस बार लोगों को पीने के पानी की परेशानी नहीं होगी। और रूटीनवे में पानी जो खर्च हो रहा है। उसको रीफिल करने के लिए जो कुंडेश्वर साइड से पानी आता था उसको वापस से भराने की व्यवस्था की है। जो हमारा अनुपयोगी पानी था जिसे फालतू में फेंक दिया जाता था उस पानी को वापस वरीघाट के सोर्स में ले जा रहे है। जिससे पानी की क्षमता और बढ़ गई है।

सवाल : विद्युत बाधित होने पर हेड़पंप लोगों का सहारा होता है। वही खराब पड़े है उसके लिए क्या करेंगे

जबान: आपके द्वारा जिन स्थानों को बताया गया है। उन्हें दिखवाया जाएगा और साथ ही नपा भी प्रयास करेगी और अभियान चलाकर शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा ।

पुरानी टेहरी निवासीयों ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पुरानी पाइप लाइन है जिसमें करीब 2 से तीन दिन के अंतराल में पानी आता है। जो पानी की जरूरत को पूरा नहीं कर पाता है मजबूरन भीषड़ गर्मी में भरी दोपहर में हैंडपम्प का सहारा लेना पड़ता है।

नए बस स्टैंड पर समिति ने निःशुल्क पेय जल की सुविधा : झांसी छतरपुर पलेरा जतारा ललितपुर सहित अन्य आसपास के क्षेत्र से चलने वाली बसों में सवार राहगीरों ने भी पीने के पानी पर नाराजगी जाहिर की है उनका कहना था कि नपा द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं की गई हैं। पीने के पानी के लिए भी उन्हें पैसे खर्च करना पड़ते हैं। लेकिन हम आपको बता की नपा में पदस्थ जानकारों को तरस नहीं आता है। ऐसे में एक समिति आगे आई और उसने निःशुल्क प्याऊ सुविधा

क्या मिलेगा पानी : हलाकि नगर पालिका सीएणएमणओ ओमपाल भदौरिया ने पूरा विश्वास जताया है की पानी सप्लाई जिस स्थित हो रही हैं वैसे ही होती रहेंगी लेकिन अभी एक दिन की आंधी में पानी सप्लाई ठप्प हुई और गर्मी के मौसम में कई बार बिजली सप्लाई बाधित होती हैं और आंधी भी आती हैं ऐसे में पानी की सप्लाई कैसे होती हैं बही एक महीने में 15 सौ किलो से ज्यादा फिटकरी का इस्तेमाल होता हैं लेकिन कई गन्दा बदबूदार पानी आता हैं नगर पालिका ने अगर पानी की सप्लाई को लेकर अभी ध्यान नहीं दिया ।

इनका कहना हैं : *जल संकट को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष सरोज राजपूत ने बताया कि पहले एक दिन छोड़ एक दिन नल आया करते थे अब दो दिन या तीन दिन में नल आने की जानकारी लगी है। गर्मी का मौसम पानी अतिआवश्यक है। उन्होंने कहा कि वह अभी बाहर है इस संबंध में सीएमओ से बात करेंगी और बेहतर पानी की सुविधा मुहैय्या कराएंगी*

सरोज राजपूतएभाजपा जिला अध्यक्ष

हर आपात स्थिति के लिए सजग और तैयार है स्वास्थ्य विभाग

रीवा। वर्तमान परिस्थितियों तथा आसन्न कठिनाईयों को देखते हुए रीवा जिले में स्वास्थ्य विभाग हर आपात स्थिति के लिए सजग और पूरी तैयार है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार जिला और विकासखण्ड स्तर पर आपात स्थिति के लिए उपचार की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। जिला स्तर पर रैपिड एक्शन टीम, दवाईयों तथा उपकरणों के साथ 24 घण्टे तैनात है। रीवा शहर की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को स्थाई प्राथमिक उपचार केन्द्र के रूप में निर्धारित कर दिया गया है। सभी बीएमओ तथा अन्य मेडिकल आफीसरों को जिले की आपातकाल रेफरल व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। आपातकालीन उपचार सुविधा के लिए 108 एंबुलेंस तथा सभी जननी सुरक्षा योजना के वाहनों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। इनमें चिकित्साकर्मी तथा टेक्नीशियन जीवनरक्षक दवाओं के साथ तैनात कर दिए गए हैं। जो वाहन सुधार योग्य हैं उनमें तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी तरह की आपात सेवा की आवश्यकता होने पर 108 एंबुलेंस पर फोन किया जा सकता है। सेवा प्राप्त होने में किसी भी तरह की कठिनाई होने पर 108 सेवा के नोडल अधिकारी ऋषिराज गौतम के मोबाइल नम्बर 9425608569 पर संपर्क करके वांछित सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि शासन के निर्देशों के अनुसार सभी चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। सभी चिकित्सक और चिकित्सा कर्मी अनिवार्य रूप से निर्धारित मुख्यालय में उपस्थित रहें। आवश्यकता होने पर आपातकालीन उपचार सुविधा तत्काल उपलब्ध कराएं।

राजस्व एवं पुलिस अधिकारी संयुक्त रूप से आंतरिक सुरक्षा योजना को प्राथमिकता के आधार पर करे तैयार : शुक्ला

सिविल डिफेंस के संबंध में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की कलेक्टर द्वारा ली गई बैठक

जागरण बैढ़न। वर्तमान परिदृष्य को दृष्टिगत रखते हुये गृह मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के संवेदनशील स्थानों संस्थानों के सुरक्षा योजना के संबंध में कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला सिविल डिफेंस के संबंध में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की कलेक्टर द्वारा बैठक ली गई बैठक में पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री शुक्ला ने निर्देश दिए कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राजस्व एवं पुलिस अधिकारी आपसी समन्वय के साथ संयुक्त रूप से अपने क्षेत्रो के संवेदनशील स्थानों संस्थानों की सूची तैयार कर उनके सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से जॉच करे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थानों संस्थानों का संयुक्त दल के माध्यम से नियमित निरीक्षण किया जाये। सभी एन्ट्री एवं एग्जिट गेटो पर तैनात सुरक्षा कर्मियो के ड्यटी का औचक निरीक्षण करें। सभी संस्थानो के चारो ओर सीसीटीव्ही के माध्यम से कंट्रोल रूम स्थापित कर 24 घण्टे निगरानी की जायेगी।

आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए राजस्व एवं पुलिस अधिकारी अपने क्षेत्र के ऐसे भवनो को चिन्हित करले जहा पर सेल्टर होम बनाया जा सके। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारी एवं थाना प्रभारी अपने क्षेत्र के शासकीय अशासकीय तथा प्राथमिक चिकित्सालयो का समम्पर्क नम्बरए क्षेत्रांतर्गत एमबीबीएस डाक्टर एवं एम्बुलेंश सुविधा के सूची के साथ उनके सम्पर्क नम्बर की जानकारी रखे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के आंतरिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये नगरीय क्षेत्र के समस्त वार्डो एवं ग्राम पंचायतो में कम से कम दो सिविल डिफेंस वालेटियर की नियुक्त कराये। जिनका मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थिति के लिए आम जनो को तैयार करना होगा। साथ ही निर्देश दिए कि फायर ब्रिगेड 24 घण्टे तैयार रहे तथा इनके नम्बरो को जिले के सभी क्षेत्रो में प्रचार प्रसार कराया जाये ताकि अनहोनी की स्थिति में तत्काल जानकारी दी जा सके। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सिम कार्ड बिक्रय करने वालो दुकानदारो की दुकानो का संबंधित क्षेत्र के थाना प्राभारी चौकी प्रभारी जॉच करे कि बिना आधार कार्ड के दुकानदारो द्वारा सिम कार्ड का बिक्रय तो नही किया जा रहा है। जिन दुकानदारो के द्वारा बिना वैध कागजात के सिम का विक्रय किया जा रहा है उनके विरूद्ध कार्यवाही करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि जिले में अगर किसी व्यक्ति या समूह के द्वारा सम्प्रदायिक भावना भड़काने का प्रयास किया जाता है तो तत्काल इसकी सूचना जिला एवं डिविजन स्थर पर स्थापित कंट्रोल रूम को अवगत कराये। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि जिले के प्रमुख संस्थानो धार्मिक स्थलो भीड़भाड़ वाली जगहो एवं ज्वालनशील पदार्थ भण्डारण स्थलो की बारीकी से निगरानी करने के साथ ही स्थलो की संयुक्त टीम द्वारा सुरक्षा आडिट किया जाये। जॉच दल यह सुनिश्चित करे कि सभी संवेदनशील संस्थान के द्वारा अनुपयोगी प्रवेश द्वार को बंद किया जाये। साथ ही यह सुनिश्चित करे कि हाथियार बंद सुरक्षा बलो की उचित तरीके से तैनाती भी की जाये। धार्मिक स्थलो में ठहरने वाले व्यक्तियो की जानकारी संबंधित थाने में दिया जाना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि नियमित पेट्रोलिग के माध्यम से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रो अवैध बस्तियों सीमावर्ती क्षेत्रो एवं मदिरा की दुकानो की भी नियमित जॉच की जाये। समस्त संवेदनशील संस्थानो में ब्लैक आउट एवं अन्य आपातकालीन मॉकड्रिल का रिहर्सल किया जायें। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया की सोशल मीडिया मानीटरिंग सेल द्वारा नियमित मानीटरिंग किया जाये। तथा समय समय पर सोसल मीडिया एडवाईजरी भी जारी की जाये। संवेदनशील स्थानो एवं स्थलो के समीप बिना अनुमति ड्रोन का उपयोग प्रतिबंधित किया जाये। उन्होने निर्देश दिए कि समस्त राजस्व एवं पुलिस अधिकारी प्रति दिवस बैठक आयोजित कर अपनी अपनी जानकारी आपस में साझा करे। बैठक के दौरान संयुक्त कलेक्टर पी.के सेन गुप्ता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय एसडीएम सृजन बर्मा अखिलेश सिंह सुरेश जाधव नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्त डिप्टी कलेक्टर नंदन तिवारी सौरभ मिश्रा एसडीओपी मोरवा के.के पाण्डेयए सहित समस्त राजस्व अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

आधी रात को पुलिस नाइट कॉम्बिंग गस्त में 189 बदमाशों पर पुलिस की रही कार्रवाई

पुलिस की बड़ी कामयाबी वर्षो से फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

जागरण बैढ़न। मनीष खत्री पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में औचक कम्बिंग गश्त कराया गया जिले में अपराधियों पर नकेल कसते हुए पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन में अपराधियों पर नकेल कसते हुए पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन के मार्गदर्शन में संगठित और सख्त कार्रवाई की गई। जिले के समस्त अनुभागीय पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में 300 से अधिक पुलिस अधिकारीध्कर्मचारियों की अलग.अलग टीमें गठित कर नाइट कॉम्बिंग गश्त का संचालन किया गया। नाइट कॉम्बिंग गश्त के दौरान की गई कार्यवाही 13 स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी जो वर्षों से फरार थ 79 अन्य वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। 58 निगरानी बदमाशों एवं 37 गुण्डा बदमाशों की जांच की गई 2 आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर 86.5 लीटर अवैध शराब जब्त की गई किमती लगभग 33300/ रुपये रात में बेवजह घूम रहे संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाइ बैंकों और एटीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस कॉम्बिंग गश्त की योजना कई दिनों से तैयार की जा रही थी। जिले के थानों चौकियों एवं पुलिस लाइन के बल के साथ तालमेल बनाकर तकनीकी शाखा की मदद से कट.ऑफ पार्टियां लगाई गईं। रातभर चले इस अभियान में पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकों प्रमुख बाजारों बस स्टैंडए रेलवे स्टेशन और हाईवे पर गश्त कर अपराधियों की धरपकड़ की। रात्रि गस्त के दौरान विशेष रुप से संवेदनशील स्थानों एवं संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्थों का भी सिंगरौली पुलिस द्वारा निरीक्षण किया गया। वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए जिले के प्रमुख औद्योगिक संस्थानों एवं प्लांटों एनटीपीसी प्लांट आईओसीएल प्लांट सासन पावर प्लांट हिंडाल्को एल्युमिनियम प्लांट जेण्पीण् निगरी प्लांट एवं अन्य कंपनियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भ्रमण किया गया। पुलिस का यह अभियान अपराधियों में भय पैदा करने के साथ ही आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। भविष्य में भी कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के लिए इस प्रकार की औचक कॉम्बिंग गश्त जारी रहेगी।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा का पूजन अर्चन करते हुए किया गया स्वागत

जागरण बैढ़न। जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर अध्यक्ष अरविन्द सिंह चंदेल के नेतृत्व एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव एवं जिला कांग्रेस के महामंत्री राघवेंद्र श्रीवास्तव जी के आयोजन पर होटल शारदा इन बैढ़न के पास विष्णु भगवान के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष में निकाली गई शोभायात्रा का स्वागत कर ब्रम्हकुल के सदस्यों अतिथियों एवं विप्र बंधुओं का सम्मान कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में भगवान परशुराम जी की झांकी का पूजन दर्शन करते हुए बड़े ही हर्षोल्लास से मिष्ठान वितरण कर जलपान कराया गया। **स्वागत में निम्न कार्यकर्ताओं की रही उपस्थिति:** उक्त शोभायात्रा के स्वागत में राम अशोक शर्मा केडी सिंह मनोज दुबे केपी सिंह कृष्णा प्रसाद साहू रविकांत सोनी देवपति सिंह वैश्य बीके श्रीवास्तव रामलल्लु कुशवाहा विद्यासागर वैश्य अनिल कुमार वैश्य मकसूद रजा प्रह्लाद शाह मनोज सिंह पिंटू वंशबहादुर वर्मा लालजी वर्मा श्रवण वैश्य हरिकमल वैश्य सत्यनारायण बैस रामसकल शर्मा नंदकिशोर सिंह शिवसागर विश्वकर्मा राघवेंद्र शर्मा रामानुग्रह वैश्य सूर्यप्रकाश सिंह आशु सिंह राजू साहू सहित कांग्रेस के सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

बायोगैस संयंत्र स्थापना से महिलाओ को मिली धुए से मुक्ति

जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दीनबंधु मॉडल बायोगैस संयत्र किए गए हैं स्थापित

जागरण बैढ़न। जिले में जिला प्रशासन द्वारा वित्तीय वर्ष 24.-25 में एक नवाचारपूर्ण और पर्यावरण हितैषी पहल के अंतर्गत 125 दीनबंधु मॉडल् बायोगैस संयंत्रों की स्थापना की गई है। यह संयंत्र जिले के पिपरा गोदवाली बाधौरा और कार्सुअलाल जैसे गांवों में विभिन्न स्व.सहायता समूहों और ग्रामीण परिवारों के सहयोग से निर्मित किए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के द्वारा बताया गया कि दीनबंधु मॉडल् बायोगैस संयंत्र अपनी कम लागत टिकाऊ संरचना और ग्रामीण परिस्थितियों के अनुकूलता के लिए प्रसिद्ध है। इन संयंत्रों से न केवल स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है बल्कि इससे ईंधन की बचत रसोई में धुएं से मुक्ति और जैविक खाद के उत्पादन जैसे अनेक लाभ भी मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से सैकड़ों ग्रामीण परिवारों को आर्थिक राहत मिली है और महिलाएं अब रसोई गैस के लिए परंपरागत ईंधनों पर निर्भर नहीं रहीं। साथ हीए खेतों में उपयोग की जाने वाली स्लरी से फसलों की उत्पादकता भी बढ़ रही है। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल स्थानीय विकास और ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है बल्कि यह स्वच्छ भारत मिशन हरित ऊर्जा अभियान और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों की पूर्ति में भी योगदान दे रही है। यह प्रयास अन्य जिलों एवं राज्यों के लिए भी एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभर रहा है।

वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुयें ननि आयुक्त ने अधिकारियों कर्मचारियों की ली बैठक

नगरीय क्षेत्र के वार्डों में वालेटिंयर नियुक्त करने के दिए निर्देश

जागरण बैढ़न। नगर निगम सभागार में नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा के द्वारा समस्त निगम कर्मियों की बैठक ली गई। बैठक में निगमायुक्त के द्वारा वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए निगमायुक्त के द्वारा निर्देश दिए गए कि प्रत्येक वार्ड में कम से कम 2 वॉलंटियर रहेंगे।

वॉलंटियर बनने में एनसीसी एनएसएस कैडेट को प्राथमिकता दी जाएगी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि दो दिवस के अंदर वालेटिंयर की नियुक्त कर अवगत कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही आपतकालीन स्थिति के संबंध में नगरीय क्षेत्र में निवासरत व्यक्तियों अवगत कराने के लिए नगरीय क्षेत्र के प्रमुख स्थलो पर सायरन स्थापित कराया जायेगा। निगमायुक्त के द्वारा अग्निशमन अधिकारी को निर्देश दिए कि अग्निशमन सेवाएं एवं सुरक्षा उपाय प्रत्येक फायरमैन को किट हेलमेट एवं सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाए। प्रत्येक फायर ब्रिगेड वाहन में फायर एक्टिंग्वेशर उपलब्ध रहे। वर्तमान समय में जल प्रदाय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी किसी भी हालत में जल प्रदाय व्यवधान न हो इसके लिए सभी तैयारी सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां पानी टैंकर की जरूरत हो वहां तुरंत टैंकर पहुंचाया जाए। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस एवं शव वाहन 24 घंटे उपलब्ध रहे। ब्लैकआउट प्रोटोकाल का कड़ाई से पालन किया जाए। सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से काम करे इसकी लगातार मानीटरिंग किया जायें। बैठक के दौरान निगम के उपायुक्त आरपी बैस सभी सहायक यंत्री उपयंत्री वार्ड प्रभारी आईइसी टीम कंप्यूटर ऑपरेटर शाखा प्रभारी फायर प्रभारी उपस्थित रहे।

ग्राम धूनी में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत महिलाओं ने श्रमदान से किया बोरी बंधान

जागरण बैढ़न। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम धूनी में महिला स्व.सहायता समूह की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए बोरी बंधन श्रमदान किया और जल संरक्षण हेतु जनजागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने नदी.नालों के किनारे बोरी बंधन कर मिट्टी के कटाव को रोकने का कार्य किया जिससे वर्षा जल संचय को बढ़ावा मिलेगा। इस श्रमदान में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली जिसने गांव वासियों को भी प्रेरित किया। इसके साथ ही महिलाओं द्वारा जल संरक्षण को लेकर एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में श्जल है तो कल है पानी बचाओ जीवन बचाओ जैसे नारों के साथ पूरे गांव में जन जागरण का संदेश फैलाया गया। रैली का शुभारंभ ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पंचायत सदस्य और ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण वर्षा जल का संचयन तथा ग्रामीणों को जलसंवर्धन के प्रति जागरूक करना रहा। ग्राम धूनी की यह पहल जल संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है और अन्य गांवों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती है।

नेशनल लोक अदालत शिविर में 1279 प्रकरणों का हुआ निराकरण

जागरण, सतना। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार 10 मई 2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (ए.डी.आर. सेंटर), सतना में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रत्नेशचन्द्र सिंह बिसेन द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश ने अपने उदबोधन में उपस्थित समस्त न्यायाधीशगणों, अधिवक्ताओ, पक्षकारों को संबोधित करते हुए कहा कि लोक अदालत में प्रकरणों का निराकरण परस्पर सहमति से कराने पर समय एवं धन की बर्बादी रोकी जा सकती है। उन्होंने नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण कराये जाने का आहवान किया। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयो में लंबित कुल 997 एवं प्रिलिटिगेशन के 282 प्रकरणों सहित कुल 1279 प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति से किया गया। इस अवसर पर जिला प्राधिकरण के सचिव पार्थ शंकर मिश्र सहित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 8 चालकों पर की गई कार्यवाही

वाहन को जप्त कर भेजा गया न्यायालय

जागरण बैढ़न। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन एवं नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते के निर्देशन में थाना यातायात पुलिस टीम द्वारा मध्यरात्रि को औचक चेकिंग लगाया जाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग की गई सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात नियमों के प्रति आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य चलाए जा रहे अभियान के तहत 10.-11 को मध्य रात्रि में अलग.अलग टीम लगाया जाकर शहर के निगाही मोड अमलोरी तिराहा एवं पुराना ट्रैफिक्र तिराहा पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की चेकिंग की गई चेकिंग के दौरान लगभग 47 वाहनों को चेक किया गया एवं समझाइश दी गई थी शराब या अन्य कोई मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन चलाने से मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं वाहन पर समुचित नियंत्रण नहीं हो पाता जिस कारण से दुर्घटनाएं घटित हो जाती है 5 ट्रक 2 पिकप 1 मोटर सायकल चालक शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर वाहनों को जप्त कर निराकरण हेतु न्यायालय पेश किया जाएगा

वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबन कराया जाएगा

न्यायालय के आदेशानुसार 6 महीने के लिए वाहन ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन कराए जाने हेतु प्रस्ताव संबंधित जिला परिवहन कार्यालय में भेजा जाएगा यातायात पुलिस की अपील है कि शराब पीकर वाहन न चलाएं एवं यातायात नियमों का पालन करे उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी यातायात आरक्षक संजीव कुमार आरक्षक लक्ष्मण एवं आरक्षक धीरज जितेंद्र अन्य यातायात पुलिस स्टाफ का योगदान रहा

त्रिकोणीय सीरीज : भारतीय महिला टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 97 रन से हराया, मंधाना का शतक, राणा के चार विकेट

श्रीलंका को हराकर भारत त्रिकोणीय सीरीज का चैंपियन

कोलंबो, जेएनएन। भारतीय महिला टीम ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को 97 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया। स्मृति मंधना के शतक की बदौलत भारत ने पहले श्रीलंका के खिलाफ अपना सबसे बड़ा स्कोर सात विकेट पर 342 रन बनाया। बाद में स्नेह राणा और अमनजोत कौर की कमाल की गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका को 48.2 ओवर में 245 रनों पर समेट दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। ओपनर मंधाना और प्रतिका रावल ने पहले दस ओवर यह सुनिश्चित किया कि भारत को कोई झटका नहीं लगे। दोनों के बीच 50 रनों की साझेदारी पूरी हो चुकी थी, लेकिन जब स्कोर 70 रन था तो रावल ने अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद मंधाना और हरलीन देओल के बीच दूसरे विकेट के लिए 120 रनों की बेहतरीन साझेदारी हुई। इस बीच मंधाना ने अपना शतक पूरा किया और तेजी से रन बनाते हुए दिखी। हालांकि 116 के निजी स्कोर पर मंधाना ने अपना विकेट गंवा दिया। मंधाना के आउट होने के बाद देओल (47), हरमनप्रीत (41) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (44) अर्धशतक से जरूर चूकीं लेकिन तब तक भारत ने एक बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया था। 342 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू ने सबसे ज्यादा 66 गेंद 51 रन का योगदान दिया। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 48 रन की पारी खेली।

■ मंधाना के नाम अब महिला वनडे में भारत के लिए सबसे अधिक 54 छक्के हो गए हैं, उन्होंने हरमनप्रीत को पछाड़ा।

■ मंधाना ने 21 रन पर मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए अट्टापट्टू के खिलाफ लगातार चार चौके जड़कर वनडे करियर का 11वां शतक पूरा किया।

खेल एक नजर

मैनचेस्टर सिटी को कमजोर साउथेम्प्टन ने बराबरी पर रोका

लंदन, जेएनएन। एरलिंग हालैंड की लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी भी मैनचेस्टर सिटी को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीए) में जीत दिलाने में विफल रही जहां पहले ही रेलीगेट (निचली लीग में खिसकना) हो चुकी साउथेम्प्टन ने उसे गोलरहित बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम के बाद मैनचेस्टर सिटी के लिए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई करना भी अधर में लटक गया। टीम पिछले कई सत्रों से आसानी से चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई कर ले रही थी, लेकिन अब उसे अपने बचे हुए दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ अन्य मैचों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। सिटी की टीम 36 मैचों में 65 अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल के नाम 35 मैचों में 67 अंक है। खिताब पक्का कर चुकी लीवरपूल 82 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दूसरे और सातवें स्थान की टीमों के बीच छह अंक का फासला है ऐसे इन सभी टीमों के पास चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। इस ड्रॉ मुकाबले से साउथेम्प्टन की टीम एक निराशाजनक रिकॉर्ड को अपने नाम करने से बच गई। साउथेम्प्टन के नाम अब 36 मैचों में 12 अंक हो गए, जबकि ईपीएल में सबसे कम अंक का रिकॉर्ड 2007-08 में डर्बी काउंटी के नाम है, जिससे महज 11 अंक हासिल किए थे। अन्य मैचों में एस्टन विला ने ओली वाटकिंस के पहले हाफ में किए गोल की बदौलत बोर्नमाउथ 1-0 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप : पुरुष और मिश्रित चार गुणा 400 मी. टीमें क्वालिफाई करने से चूकीं

ग्वांगजू, जेएनएन। भारत का विश्व एथलेटिक्स रिले में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया क्योंकि देश की पुरुष चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीम इस साल के अंत में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने से चूक गईं। संतोष कुमार तमिलारासन, रूपल चौधरी, थेन्नारसु कयालविझी विशाल और सुभा वेंकटेशन की मिश्रित चार गुणा 400 मीटर टीम ने तीन मिनट 14.81 सेकेंड का समय निकालकर दूसरी हीट नंबर में चौथा स्थान हासिल किया। दो हीट में से प्रत्येक में शीर्ष तीन टीम ने 13 से 21 सितंबर को होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया। जय कुमार, धर्मवीर चौधरी, थेक्किनालिल साजी मनु और रिंस जोसेफ की पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर चौकड़ी ने खराब प्रदर्शन किया और 3:04.49 के समय के साथ सातवें स्थान पर रही। पुरुष और महिला चार गुणा 100 मीटर और चार गुणा 400 मीटर तथा मिश्रित चार गुणा 400 मीटर में शीर्ष 14 टीमें तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में क्वालिफाई करेंगी।

केनान, सबीरा ने शॉटगन विश्व कप में ट्रैप मिश्रित टीम कांस्य पदक जीता

निकोसिया (साइप्रस), जेएनएन। ओलंपियन केनान चेनाई और सबीरा हारिस ने रविवार को आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत के लिए कांस्य पदक जीता। केनान और सबीरा ने तीसरे स्थान के लिए तुर्की की जोड़ी टोलगा ट्यून्सर और पेलिन काया को 34-33 से हराया। भारत ने इस तरह प्रतियोगिता में एक कांस्य पदक के साथ अपना सफर खत्म किया। चीन ने स्वर्ण जबकि पोलैंड ने इस स्पर्धा का रजत पदक जीता। भारतीय जोड़ी क्वालिफिकेशन में 34 टीमों के बीच चौथे स्थान पर रही थी जिसमें प्रत्येक टीम के सदस्य द्वारा 75 शॉट दागे जाने के बाद 142 का स्कोर था। इससे पहले शार्दुल विहान और कीर्ति गुप्ता की दूसरी भारतीय जोड़ी 137 अंक लेकर 17वें स्थान पर रही। चीन ने क्वालिफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहने के बाद स्वर्ण पदक के मैच में पोलैंड को 42-39 से हराया।

आईपीएल में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के खेलने पर संशय

नई दिल्ली, जेएनएन। ऐसे में जब बीसीसीआई आईपीएल 2025 को दोबारा शुरू कराने की कोशिश कर रहा है, तो यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी वापसी करेंगे, जिन्हें 11 जून से लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उतरना है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ने के कारण 9 मई को लीग को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था, लेकिन 10 मई की शाम को युद्ध विराम की घोषणा के बाद लीग के शीघ्र ही फिर से शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा था, बीसीसीआई उभरती स्थिति और घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और सभी हितधारकों और संबंधित सरकारी अधिकारियों से परामर्श करने के बाद आईपीएल को फिर से शुरू करने पर फैसला करेगा। अगले कुछ दिनों में हम बाकी बचे मैचों की मेजबानी करने वाली फ्रैंचाइजियों, ब्रॉडकास्टरों, प्रायोजकों और राच्य संघों के साथ विचार-विमर्श शुरू करेंगे। बीसीसीआई समय रहते पूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आईपीएल को फिर से शुरू करने की तिथि की घोषणा करेगा। बीच में रद्द किए गए मैच सहित 13 लीग मैच आईपीएल 2025 में बचे हैं। इसके बार चार प्लेऑफ मैच और 25 मई को कोलकाता में फाइनल खेला जाना था। जैसे ही शुक्रवार को आईपीएल निलंबित हुआ, कई विदेशी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ ने अगले 24 घंटों में भारत छोड़ना शुरू कर दिया था और अगर बीसीसीआई अगले सप्ताह टूर्नामेंट को दोबारा शुरू करता है तो सभी टीमों के लिए विदेशी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को वापस बुलाना चुनौती होगी।

चोटिल हेजलवुड का खेलना मुश्किल

इस पर भी संशय है कि क्या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जॉश हेजलवुड वापसी करेंगे, जो तीन मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आरसीबी के पिछले मैच से कंधे की चोट के कारण बाहर हो गए थे। नौ मई को लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मैच में भी उनका खेलना संदिग्ध था, लेकिन अगर टूर्नामेंट बीच में नहीं रुकता तो वह बचे हुए पूरे सीजन से भी बाहर हो सकते थे। हेजलवुड ने सीजन की शुरुआत में कहा था कि आईपीएल 2025 के दौरान रिहैब जारी रखेंगे। वह पिंडली की चोट और साइड स्ट्रेच की चोट के बाद वापसी कर रहे थे। चोट की वजह से वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (दिसंबर-जनवरी) के कुछ मैच, श्रीलंका दौरा और चैंपियंस ट्रॉफी (फरवरी-मार्च) नहीं खेले थे। ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उनकी चोट से वाकफि नहीं है और उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले जून के पहले सप्ताह के लिए इंग्लैंड में लगने वाले कैंप में उनके टीम में चुने जाने की संभावना है।

उंगली की चोट से उबर रहे हैं आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार इस समय उंगली की चोट से उबर रहे हैं। अगर आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित न किया गया होता, तो वह कम से कम दो मैचों से बाहर रहते। टूर्नामेंट के अस्थायी रूप से निलंबित होने के कारण उन्हें बिना कोई मैच गंवाए कम से कम एक सप्ताह का समय मिल गया है।

सिनर की लगातार 22वीं जीत डोपिंग प्रतिबंध के बाद की शानदार वापसी

रोम, जेएनएन। तीन महीने का डोपिंग प्रतिबंध पूरा करके लगभग 100 दिनों के बाद अपना पहला मुकाबला खेल रहे यानिस सिनर ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में मारियानो नवोन को हराकर शानदार वापसी की। सिनर ने घरेलू सरजमीं पर लगभग 10,500 दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर काबिज नवोन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। सिनर का यह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद से पहला मैच था। उन्होंने कहा कि उन्हें खेले में वापसी का बेसब्री से इंतजार था। सिनर ने कहा कि अद्भुत एहसास। मैंने इस पल का बहुत लंबे समय से इंतजार किया था। सिनर के खेल को देख कर लगा ही नहीं कि वह तीन महीने से अधिक समय तक कोर्ट से दूर थे। उन्होंने शुरुआती सेट में अपने शानदार फोरहैंड और लाइन के करीब वाले ग्राउंड स्ट्रोक से नवोन पर दबदबा कायम करते हुए 3-1 की बढ़त बना ली। सिनक की यह लगातार 22वीं जीत है। वह पिछले साल अक्टूबर से अजेय है। सिनर ने फरवरी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के साथ एक समझौते में तीन महीने के प्रतिबंध पर सहमति व्यक्त की। वह इससे एक भी ग्रैंड स्लैम खेलने से नहीं चूके और उन्हें अपने घरेलू टूर्नामेंट में वापसी का मौका मिल गया। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सिनर के साथ बहुत हल्का व्यवहार किया गया। सिनर के सामने अब विश्व रैंकिंग में 93वें स्थान पर काबिज नीदरलैंड के क्वालिफायर जेसपर डे जोंग की चुनौती होगी। जोंग ने 25वीं वरीयता प्राप्त पर काबिज एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-0, 6-2 से हराया।

इटालियन ओपन

बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलीगा खिताब का जश्न मनाया

बर्लिन, जेएनएन। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी थॉमस मुलर के घरेलू मैदान पर आखिरी मैच में बोरूसिया मोनचेंग्लादबाक पर 2-0 की जीत के साथ बायर्न म्यूनिख ने बुंडेसलीगा (जर्मनी की शीर्ष घरेलू लीग) खिताब का जश्न मनाया। बायर्न के कप्तान मैनुअल नेउर ने ट्रॉफी उठाने के बाद उसे जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी मुलर को थमा दिया। मुलर ने टॉफी की ऊपर उठाकर जश्न मनाया। बायर्न म्यूनिख के घरेलू मैदान पर जब इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने इस ट्रॉफी को पकड़ा तो एक बार फिर से भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा। केन अपने करियर में कई बार खिताब के करीब पहुंच कर चूक गए हैं। यह शीर्ष स्तर पर उनके करियर की पहली ट्रॉफी है। बायर्न ने पिछले सप्ताह ही बुंडेसलीगा में रिकॉर्ड 34वां खिताब अपने नाम किया था। केन ने मैच के 31वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वह 25 गोल के साथ लीग के मौजूदा सत्र में सबसे च्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है। माइकल ओलिसे ने 90वें मिनट में मैच का दूसरा गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

सोरलोथ के हैट्रिक गोल से एटलेटिको मैड्रिड जीता

बार्सीलोना, जेएनएन। एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर अलेक्जेंडर सोरलोथ ने शुरुआती आधे घंटे में चार गोल करने के दौरान ला लीगा के इतिहास में सबसे तेज हैट्रिक का रिकॉर्ड बनाया, जिससे रीयाल सोसिएदाद को 4-0 से करारी शिकस्त मिली। नार्वे के इस स्ट्राइकर ने मैड्रिड के मेट्रोपॉलिटन स्टेडियम में सातवें, 10वें और 11वें मिनट में गोल करके हैट्रिक पूरी की। 'ऑप्टा स्टैटिस्टिक्स' के अनुसार उनका यह हैट्रिक गोल ला लीगा में अब तक का सबसे तेज था। पिछला रिकॉर्ड 1941 में एडमंडो सुआरेज डी ट्रैबांको के नाम था जिन्होंने शुरुआती 15 मिनट में तीन गोल किए थे। इस जीत से एटलेटिको मैड्रिड ने 35 मैचों में 70 अंक के साथ तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। अन्य मैचों में पांचवें स्थान पर काबिज विलारीयाल ने 89वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एटा एयोंग के गोल की मदद से गिरोना को 1-0 से हराया।

चोपड़ा की अगुआई में चार भारतीय दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे

दोहा, जेएनएन। स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 16 मई को प्रतिष्ठित डायमंड लीग प्रतियोगिता के दोहा चरण में तीन अन्य हमवतन खिलाड़ियों के साथ हिस्सा लेंगे। यह किसी डायमंड लीग प्रतियोगिता में भारत के सबसे अधिक प्रतिभागी हैं। यहां 2023 (88.67 मीटर) में खिताब जीतने और 2024 (88.36 मीटर) में दूसरे स्थान पर रहे नीरज पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में किशोर जेना के साथ हिस्सा लेंगे। जेना ने 2024 में भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर के थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में कई स्टार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिसमें दो बार के विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के कांस्य विजेता ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, 2024 के विजेता चेक गणराच्य के जेकब वाडलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनियर के जूलियस येगो और जापान के रोडरिक जेनकी डीन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य दो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह हैं, जो पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में डायमंड लीग में पदार्पण कर रहे हैं। पारुल चौधरी महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में भाग ले रही हैं। इस स्पर्धा में वह राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं।

तीरंदाजी विश्व कप : दीपिका कुमारी-सालुंखे ने जीता कांस्य, भारत का सात पदक के साथ अभियान समाप्त

शंघाई, जेएनएन। भारत की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी सेमीफाइनल में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को तीरंदाजी विश्व कप चरण दो की रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना सम्मान बचाने में सफल रही, जबकि पार्थ सालुंखे ने पहली बार पोडियम पर जगह बनाई। भारत का अभियान इस तरह से सात पदकों के साथ खत्म हुआ। कम्पाउंड तीरंदाजों ने इससे पहले शनिवार को दो स्वर्ण के साथ पांच पदक जीतकर दबदबा कायम किया था। इसमें तीन पदक में मधुरा धामनगंकर का योगदान रहा। उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण के साथ महिला और मिश्रित टीम में पदक जीत कर तीन साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी का जश्न मनाया।

दीपिका को अंतिम चार मैच में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी लिम सिहियोन ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत मुकाबले में 7-1 के अंतर से हराया। इस 21 साल की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन ने पिछले साल येचियोन विश्व कप में भी भारतीय तीरंदाज को अंतिम चार में शिकस्त दी थी। भारत की 30 साल की तीरंदाज ने हालांकि सेमीफाइनल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक के मैच में कोरिया की एक अन्य खिलाड़ी कांग चेन योंग के खिलाफ 7-3 की जीत के साथ पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में क्वालीफाइंग में 60वें स्थान पर रहने वाले पार्थ सालुंखे ने कांस्य पदक जीतकर देश का सातवां पदक पक्का किया। इस 21 साल के खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में कोरिया के दिग्गज किम वूजिन से हार के बाद शानदार वापसी करते हुए उच्च वरीयता प्राप्त फ्रांस के तीरंदाज बैपटिस्ट एडिस को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-4 से हराकर अपना पहला विश्व कप पदक जीता।

वृद्धा की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, पुत्र अस्पताल में भर्ती

बरौंधा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बकोट गांव में हुई घटना

जागरण सतना

एक वृद्धा की कुल्हाडी मारकर हत्या किये जाने का मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वृद्धा का पुत्र भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है यह घटना बरौंधा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खोही के बकोट गांव की बताई जा रही है। यह घटना शनिवार- रविवार की दरमियानी रात घटी है। पुलिस ने मामले में संदेहियों से पूछताछ शुरू कर दी है। घटना बीती रात तकरीबन एक बजे के आसपास की बताई जा रही है।

खेत में सोते समय हुई घटना

टीआई अभिनव सिंह ने बताया कि घटना रात करीब 1 बजे ग्राम पंचायत खोही के बकोट गांव में हुई। 64 वर्षीय मिंता वर्मा अपने 22 वर्षीय बेटे लखन वर्मा के साथ खेत किनारे बनी झोपड़ी में सो रही थीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने दोनों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में मिंता की मौके पर ही मौत हो गई। लखन को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतका का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

नर्सिंग होम संचालकों की बैठक संपन्न

जागरण सतना। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए नर्सिंग होम संचालकों तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. शशिधर गर्ग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े, सिविल सर्जन डॉ. मनोज शुक्ला सहित चिकित्सक और नर्सिंग होम संचालक उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी नर्सिंग होम के संचालकों से कहा कि अपने-अपने चिकित्सालयों में उपलब्ध सुविधायें उपकरण आदि की जानकारी तैयार कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजना सुनिश्चित करें। सभी नर्सिंग होमो के संचालक अपने-अपने चिकित्सालय में एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर दें। नोडल अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से समन्वय बनाकर नर्सिग होम में सुविधाओं एवं रिसोर्स की मैपिंग कर शेयर करें। आवश्यकता पडने पर नर्सिंग होम में उपलब्ध सुविधाओं एवं संसाधनों का सहयोग लिया जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अंतर्गत नदी पुनर्जीवन कार्यशाला सम्पन्न

मां मंदाकिनी के प्रति श्रद्धा और सेवा से होगा नदी पुनर्जीवन

जागरण सतना। जल गंगा संवर्धन अभियान सतना के अंतर्गत मां मंदाकिनी नदी पुनर्जीवन जागरूकता अभियान का शुभारंभ एक दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से किया गया। इस अभियान का प्रथम चरण 11 मई से 18 मई तक आयोजित होगा। इसी क्रम में नदी पुनर्जीवन पर एक दिवसीय कार्यशाला कृषि विज्ञान केन्द्र मझगवां में आयोजित की गई। इस मौके पर कुलगुरु महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय भरत मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, तकनीकी विशेषज्ञ प्रवीण पाठक, संभाग समन्वयक, जन अभियान परिषद, रीवा संभाग, डॉ. नवीन शर्मा, डॉ. अखिलेश जांगड़े, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि वैज्ञानिक केंद्र, मझगवां तथा जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी उपस्थित रहे। कार्यशाला का शुभारंभ मां भारती और भारतरत्न नानाजी देशमुख के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला में वर्षा जल संचयन से मंदाकिनी नदी पुनर्जीवन विषय पर संबोधन करते हुए अभय महाजन द्वारा वैश्विक जल चुनौती और नदियों में उत्पन्न हो रहे जल संकट के प्रति चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मंदाकिनी नदी जो अत्यंत प्राचीन और पौराणिक है। जिसकी महिमा चित्रकूट के कण- कण में व्याप्त है, इसलिए नदी पुनर्जीवन विषय समय की आवश्यकता है। आज की यह कार्यशाला आगामी समय में मंदाकिनी पुनर्जीवन हेतु सामाजिक भागीदारी के साथ-साथ तकनीकी विषय की समझ बढ़ाने में सहयोगी होगी।

कार्यक्रम में कुलगुरु भरत मिश्रा ने कहा कि नदियां जीवन दायिनी है और इनके सदानीरा रहने से आस-पास के क्षेत्रों में मानव जीवन के साथ-साथ वनस्पति और जीव जगत फलते-फूलते है। आज की यह कार्यशाला हमें नदियों के साथ क्या व्यवहार होना चाहिए उसकी शिक्षा देती है। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण है। जिसके कारण हमारी नदियां प्रदूषित हो रही है। इसलिए हम सभी का यह प्रयास होना चाहिए कि अपनी आस्था को प्लास्टिक मुक्त रखकर हम नदियों के आस-पास के परिवेश को प्लास्टिक मुक्त रख कर अपना योगदान कर सकते है। सीईओ जिला पंचायत सीईओ संजना जैन ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मां मंदाकिनी के पुनर्जीवन के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। जिसमें आस-पास के क्षेत्रों में विभिन्न जल संरचनाएं निर्मित करते हुए सघन पौधारोपण के माध्यम से जल संचयन के प्रयास प्रारंभ होंगे। खेत तालाब योजना की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किसानों को स्वयं की भूमि में तालाब निर्मित कराने के लिए आवेदन मंगाए जा रहे है। जिसके आधार पर जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थान का चिन्हांकन कर तालाब निर्माण हेतु मनरेगा के माध्यम से तालाब के उत्खनन का कार्य प्रारंभ हो सकेगा। कार्यशाला में आयोजित तकनीकी सत्रों के अंतर्गत प्रवीण पाठक द्वारा नदी पुनर्जीवन और जन सहभागिता विषय पर अपना विषय रखते हुए नदी पुनर्जीवन के चार आयाम नदी सदानीरा, नदी स्वच्छता, नदी सुपोषण और नदी श्रद्धा पर अपनी बात रखी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन शर्मा द्वारा वर्षा आधारित खेती में उत्पादन वृद्धि के साथ वर्षा जल संचयन की विभिन्न पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की। वैज्ञानिक डॉ अखिलेश जांगड़े द्वारा जल की आवश्यकता स्थिति और संभावना विषय पर चर्चा की गई। सहभागी सत्र के उपरांत उपस्थित किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत योगदान को साझा किया।

पेड़ से टकराई ओमनी एक की मौत, 3 घायल

जागरण सतना। एक ओमनी कार पेड से टकरा गई जिससे उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हुये है जिन्हे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है यह घटना रामनगर थाना क्षेत्र के मझटोलवा गांव की बताई जा रही है। सूत्र बताते है कि ड्राईवर को झपकी लगी और इसी वजह से ओमनी कार पेड में टकरा गई होगी। प्राप्त जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ से पत्नी और बेटी के साथ आ रहे। शंकर पाण्डेय पिता मोतीलाल पाण्डेय उम्र 58 बर्ष निवासी बिन्दु नगर ड्राइवर की आंख लगने की वजह मझटोलवा गांव के पास पेड़ से जा टकराई बेन आगे की सीट पर बैठे शंकर पाण्डेय की दुर्घटना के दौरान घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। ड्राइवर और मृतक की पत्नीऔर बेटी भी हुई घायल।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी आज सतना आयेंगी

सतना। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी 12 मई को प्रात: 6.40 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगी।

8 साल से लापता बालिका को चंदेरी से ढूंढ़ कर किया परिजनों को किया सुपुर्द

जागरण सतना। अन्य प्रकरण में दो वर्ष पूर्व लापता दो अन्य बालिकाओं को अलग अलग स्थानों से किया दस्तयाब पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा गुम बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुए मैहर पुलिस द्वारा आज 03 बालिकाओं को दस्तयाब किया गया है। इनमे से एक बालिका 08 वर्ष पूर्व से लापता थी जिसे पुलिस टीम के द्वारा चंदेरीए अशोकनगर से दस्तयाब किया गया। इसके साथ ही दो अन्य बालिकाएं जो दो वर्ष पूर्व से लापता थीं उन्हे सतना एवम मैहर जिले के अलग अलग स्थानों से दस्तयाब किया गया है। उक्त तीनों बालिकाओं की दस्तयाबी थाना अमरपाटन पुलिस के द्वारा की गई है। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक आकाश बागड़े , उप निरीएस एस दीपांकर,सउनि कौशिल्या देवी,सउनि दिवाकर सिंह , प्रआर रवि सिंह , प्रआर रामकरण प्रजापति , आर सुरजीत सिंह , आर आशुतोष यादव, म.आरशिवानी आर दिलीप ओझा , म.आर राजेश्वरी पाण्डेय एवं सायबर सेल से आरक्षक संदीप सिंह परिहार एवं सुशील द्विवेदी की सराहनीय भूमिका रही।

गस्त के दौरान मैहर पुलिस ने तामील किये 20 गिरफ्तारी वारंट

जागरण सतना। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवम पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के मार्गदर्शन में दिनांक 10-11 मई की दरम्यानी रात्रि जिला मैहर के समस्त थाना क्षेत्रों में कांबिंग गस्त का अयोजन किया गया था। कॉम्बिंग गस्त के दौरान जिले के राजपत्रित अधिकारी, समस्त थाना चौकी प्रभारी द्वारा अधिक से अधिक पुलिस बल के साथ लंबे समय से फ्रार चल रहे आरोपियों,वारंटियों की गिरफ्तारी, निगरानीध्गुंडा बदमाशों की चैकिंग, होटल ढाबा लॉज एवं जेल से रिहा अपराधियों की चैकिंग हेतु संपूर्ण जिले में कांबिंग गस्त की गई । कांबिंग गस्त के दौरान लंबे समय से फ्रार कुल 26 वारंट तामील करा गए जिसमे 06 स्थाई एवम 20 गिरफ्तारी वॉरंट शामिल हैं ।

35 गुंडा बदमाश भी किये गये चेक : गस्त के दौरान 22 निगरानी बदमाश 35 गुंडा बदमाश एवम जेल से रिहा 08 अपराधियों को चैक किया गया कर भविष्य में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी गई। होटल ढाबा एव सार्वजानिक स्थानों की चैकिंग की गई ।चैकिंग के दौरान रात्रि में बेवजह घूमने वाले लोगों को समझाइश दी गई।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**

कार्यालय:- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com